सुविचार
याद रखें, अन्याय और गलत से समझौता करने से बड़ा कोई अपराध नहीं है।
-सुभाष चंद्र बोस

Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
द फोटोन न्यूज Published from Ranchi

Ranchi ● Sunday, 13 April 2025 ● Year : 03 ● Issue : 88 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

Vaani Kapoor Pledge To... 12

SARAFA

सोना	:	8,575
चांदी	:	108.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

पीके सिंह सहित कई पुलिस कर्मियों का ट्रांसफर

RANCHI : गैंगस्टर अमन साहू का एनकाउंटर करने वाले इंस्पेक्टर डॉ. प्रमोद कुमार सिंह का झारखंड एटीएस से ट्रांसफर कर दिया गया है। पीके सिंह का तबादला रामगढ़ जिले में किया गया है। पीके सिंह के साथ-साथ कई अन्य इंस्पेक्टर, सब-इंस्पेक्टर और पुलिस कर्मियों का भी तबादला अन्य जिलों में किया गया है। इसके अलावा 10 अन्य पुलिसकर्मियों का भी तबादला किया गया है। सब इंस्पेक्टर पंकज किशोर सिंह को एटीएस से रामगढ़, सब इंस्पेक्टर सूबेदार यादव को एटीएस से रामगढ़, सब इंस्पेक्टर रोशन बाड़ा – एटीएस से रामगढ़, हवलदार राकेश कुमार को जामताड़ा से रामगढ़, हवलदार राजीव कुमार को लोहरदगा से रामगढ़, आरक्षी मोहम्मद आफताब आलम को एटीएस से रामगढ़, आरक्षी मंतोष कुमार को एटीएस से बोकारो, आरक्षी विजय कुमार को एटीएस से बोकारो, आरक्षी उत्तम कुमार को एटीएस से बोकारो, आरक्षी मुकेश कुमार रजवार को एटीएस से रामगढ़ भेजा गया है। डीआईजी कार्मिक के द्वारा तबादले के संबंध में आदेश जारी कर दिया गया है।

सेना के जेसीओ शहीद तीन आतंकी भी ढेर

JAMMU : शनिवार को जम्मू-जिले के अखनूर में आतंकवादियों से मुठभेड़ में 9 पंजाब रेजिमेंट के जेसीओ कुलदीप चंद शहीद हो गए। अखनूर के केरी बट्टल इलाके में शुक्रवार देर रात एनकाउंटर शुरू हुआ था। सुरक्षाबलों ने पूरे इलाके को घेरा हुआ है। सेना ने एक्स पर पोस्ट कर इसकी जानकारी दी। वहीं, शुक्रवार को किश्तवाड़ जिले के घने जंगलों में एनकाउंटर के दौरान सुरक्षाबलों ने शुक्रवार देर रात तक 3 आतंकियों को मार गिराया। ऑपरेशन जारी है। अधिकारियों ने बताया कि मारे गए तीनों आतंकी जैश-ए-मोहम्मद के हैं। इनमें टॉप कमांडर सैफुल्लाह भी शामिल है। इससे पहले 4 और 5 अप्रैल की दरमियानी रात जम्मू में एलओसी पर आरएस पुरा सेक्टर पर बीएसएफ के जवानों ने एक पाकिस्तानी घुसपैठिए को मार गिराया था। वहीं, 1 अप्रैल को एलओसी पर सेना के एनकाउंटर में 4-5 पाकिस्तानी घुसपैठियों को मारा गया था। घटना पुंछ में एलओसी पर कृष्णा घाटी सेक्टर के फॉरवर्ड एरिया में हुई थी।

आईडीएफ ने 1000 रिजर्व सैनिकों को नौकरी से निकाला

NEW DELHI : इजरायल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने अपने लगभग 1000 रिजर्व सैनिकों को बर्खास्त कर दिया है। इजरायल के सैन्य प्रमुख ईयार जमीर और वायु सेना ने रिजर्विस्टों को बर्खास्त करने का फैसला किया है। हालांकि अभी यह मालूम नहीं है कि ये बर्खास्तगी कब से होगी। इन सैनिकों ने गाजा में चल रही जंग के खिलाफ आवाज उठाई थी और बंधकों की रिहाई को प्राथमिकता देने के लिए तत्काल युद्धविराम की मांग की थी। इजरायल में पहली बार इतनी बड़ी संख्या में सैनिकों को इस तरह की वजह से नौकरी से निकाला गया है।

टीएसपीसी को झटका : दो सब-जोनल कमांडर सहित 6 उग्रवादी अरेस्ट

PHOTON NEWS LATEHAR : शनिवार को लातेहार पुलिस ने प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन टीएसपीसी के दो सब-जोनल कमांडर समेत छह उग्रवादियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। गिरफ्तार उग्रवादियों में नारायण भोक्ता उर्फ आदित (हेसाबार, बालूमाथ) सबजोनल कमांडर आलोक यादव उर्फ अमरेश यादव (बारा, पांकी,पलामू), एरिया कमांडर अमित दुबे उर्फ छोटे बाबा (पथरई,लेस्लीगंज), महेंद्र ठाकुर व इमरान अंसारी (दोनों बरैनी, चतरा), संजय उरांव उर्फ भगत (अलौदिया,चंदवा) का रहने वाला है। पुलिस ने इनके पास से 315 बोर के चार राइफल, एक रिवॉल्वर, 1102 राउंड गोली, तीन पाउच, दो वर्दी, दो बाइक और नक्सली पर्चा बरामद किया है। इसकी जानकारी एसपी अंजनी कुमार गौरव ने दी। उन्होंने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि बालूमाथ थाना क्षेत्र के हेसाबार-भांग जंगल में टीएसपीसी के नक्सली किसी घटना को अंजाम देने की फिराक में हैं। सूचना के बाद बालूमाथ एसडीपीओ के नेतृत्व में टीम बनाई गई। टीम ने जंगल में घेराबंदी कर सभी उग्रवादियों को गिरफ्तार कर लिया।

बालूमाथ थाना क्षेत्र के हेसाबार-भांग जंगल में घेराबंदी कर सबको किया गया गिरफ्तार
एसपी अंजनी कुमार गौरव ने दी जानकारी, गुप्त सूचना के आधार पर की गई कार्रवाई

पहले भी जेल जा चुके हैं सभी अपराधी

एसपी ने बताया कि ये सभी अपराधी पहले जेल जा चुके हैं। जेल से छूटने के बाद फिर से टीएसपीसी संगठन को सक्रिय कर रहे थे। लातेहार, गढ़वा, पलामू और चतरा जिले के व्यवसायियों और ठेकेदारों से जबरन वसूली कर रहे थे। पिछले चार-पांच महीने से यह पूरी टीम सक्रिय थी। इनकी गिरफ्तारी से टीएसपीसी को लातेहार जिले में बड़ा झटका लगा है।

- लातेहार, गढ़वा, पलामू व चतरा के व्यवसायियों-ठेकेदारों से कर रहे थे जबरन वसूली
- 315 बोर के चार राइफल, एक रिवॉल्वर, 1102 राउंड गोलियां, तीन पाउच, दो वर्दी, दो बाइक और नक्सली पर्चा बरामद

कोल्हान में आईईडी विस्फोट, जवान शहीद

कोल्हान प्रमंडल के सारंडा जंगल में शनिवार को सुरक्षाबलों व नक्सलियों में मुठभेड़ हुई। इस दौरान नक्सलियों ने आईईडी विस्फोट कर दिया, जिससे दो जवान घायल हो गए। इनमें एक जवान सुनील धान की इलाज के दौरान मौत हो गई।

विस्तृत खबर पेज-4 पर

भैरमगढ़ इलाके में सुबह-सुबह शुरू हो गया एनकाउंटर
दंतेवाड़ा-बीजापुर बॉर्डर पर जवानों ने तीन नक्सलियों को किया ढेर

BIJAPUR : शनिवार को छत्तीसगढ़ में दंतेवाड़ा-बीजापुर बॉर्डर के पुलिस और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में जवानों ने तीन नक्सलियों को ढेर कर दिया। तीनों के शव के साथ हथियार बरामद किया गया है। दंतेवाड़ा जिले के एसपी गौरव राय ने मुठभेड़ की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि बीजापुर के इंद्रावती क्षेत्र के जंगलों में माओवादियों की मौजूदगी की सूचना मिली थी, जिसके बाद करीब 400 जवानों को ऑपरेशन के लिए रवाना किया गया। जवानों ने 2025 में अब तक 146 नक्सलियों को मार गिराया है।

- बीजापुर के इंद्रावती क्षेत्र के जंगलों में माओवादियों की मौजूदगी की मिली थी सूचना
- डेड बॉडी और हथियार बरामद, रुक-रुक कर होती रही फायरिंग

अपने दौरे के दूसरे दिन रामगढ़ में सीईसी ज्ञानेश कुमार बोले-
झारखंड में लोकतंत्र की जड़ें बेहद मजबूत, ईसी हमेशा वोटर के साथ

PHOTON NEWS RANCHI : शनिवार को भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार झारखंड दौरे के दूसरे दिन रामगढ़ पहुंचे। यहां उन्होंने झारखंड के लोकतंत्र की सराहना की। कहा कि झारखंड प्रदेश में लोकतंत्र की जड़े बेहद मजबूत हैं। यहां सभी मतदाताओं का नाम वोटर लिस्ट में शामिल है और वे बढ़-चढ़कर लोकतंत्र के महापर्व में हिस्सा लेते हैं। चुनाव आयोग (इसी) हमेशा वोटरों के साथ है। उन्होंने कहा कि भारत में ईवीएम मशीन से होने वाला चुनाव भी पूरी तरीके से सुरक्षित है। ना तो कोई इसे हैक कर सकता है और ना ही कोई सवाल खड़ा कर सकता है। झारखंड के मतदाताओं को जोहार शब्द से संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि यहां की डेमोक्रेसी काफी अच्छी है। बेहतर मतदाताओं से मिलने का सौभाग्य मुझे मिला है। उनके साथ झारखंड के मुख्य निर्वाचन आयुक्त के. रवि, सहायक निर्वाचन आयुक्त डॉ. नेहा, रामगढ़ डीसी चंदन कुमार, एसपी अजय कुमार और निर्वाचन कार्य से जुटे अधिकारी मौजूद थे।

सभी मतदाता जागरूक, लोकतंत्र के महापर्व में बढ़-चढ़कर लेते हैं भाग

- यहां के बूथ लेवल ऑफिसर और निर्वाचन अधिकारी काफी सजग
- सभी राजनीतिक दलों को यह अधिकार है कि वे अपना पोलिंग एजेंट बूथ पर रखें
- किसी का भी नाम वोटर लिस्ट में जोड़ने या हटाने के लिए उसकी सहमति जरूरी
- ईवीएम पूरी तरह सुरक्षित किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ संभव नहीं

वोटर लिस्ट और चुनाव को लेकर नहीं है कोई आपत्ति

भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने कहा कि 18 वर्ष पूर्ण कर चुके सभी लोगों के नाम को सूची में जोड़ने के लिए जिले के अधिकारी, बूथ लेवल ऑफिसर और राज्य के निर्वाचन अधिकारी काफी सजग हैं। यही वजह है कि कोई भी अपील ना तो जिले में और ना ही राज्य में लंबित है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार चुनाव के दौरान बूथ लेवल ऑफिसर मौजूद रहते हैं। उसी तरीके से हर राजनीतिक दल को भी यह अधिकार है कि वह अपना पोलिंग एजेंट बूथ पर रखें। किसी का भी नाम वोटर लिस्ट में जोड़ने और हटाने के लिए उन लोगों की सहमति रहती है। किसी भी प्रकार के बदलाव के लिए भी सभी से सहमति ली जाती है।

मां छिन्नमस्तिका मंदिर में की पूजा-अर्चना

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार रामगढ़ पहुंचे। यहां उन्होंने रजरप्पा स्थित प्रसिद्ध मां छिन्नमस्तिका मंदिर में सपरिवार पूजा-अर्चना की और मां का आशीर्वाद लिया। इस दौरान वे मंदिर में आयोजित हवन कार्यक्रम में भी शामिल हुए। मुख्य चुनाव आयुक्त की यह यात्रा धार्मिक और व्यक्तिगत थी।

वॉलंटीयर्स-बीएलओ के साथ की वार्ता

मुख्य चुनाव आयुक्त ने रजरप्पा सीसीएल गेस्ट हाउस में चुनाव के दौरान काम करने वाले वॉलंटीटियर्स और बूथ लेवल ऑफिसर के साथ वार्ता की। उन्होंने कहा कि सभी के सुझाव और कार्यों में कोई कमी नहीं रही है। यही वजह है कि झारखंड में लोकसभा और विधानसभा के चुनाव बेहद सफल रहे हैं। यहां मतदान का प्रतिशत भी काफी अच्छा रहा है। इससे पहले मुख्य चुनाव आयुक्त ने पिछले चुनावों में भाग लेने वाले वॉलंटीयर से एक्सपीरियंस शेयर कार्यक्रम को संबोधित किया।

राष्ट्रपति को विधेयकों पर तीन महीने के भीतर निर्णय लेना चाहिए : सुप्रीम कोर्ट

NEW DELHI @ PTI : उच्चतम न्यायालय ने पहली बार यह निर्धारित किया है कि राज्यपाल द्वारा रोके गए और राष्ट्रपति के विचारार्थ सुरक्षित रखे गए विधेयकों पर उन्हें तीन महीने की अवधि के भीतर निर्णय लेना चाहिए। दरअसल चार दिन पहले शीर्ष अदालत ने उन 10 विधेयकों को मंजूरी दी जिन्हें तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि ने राष्ट्रपति के विचारार्थ सुरक्षित रखा था। साथ ही न्यायालय ने सभी राज्यपालों को राज्य विधानसभाओं द्वारा पारित विधेयकों पर कार्रवाई के लिए समयसीमा निर्धारित की थी। 415 पृष्ठों का यह फैसला शुक्रवार रात 10.54 बजे शीर्ष अदालत की वेबसाइट पर अपलोड किया गया। बता दें कि 8 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु सरकार और राज्यपाल के मामले में ऐतिहासिक फैसला लिया था। अदालत ने कहा था कि राज्यपाल को विधानसभा की ओर से भेजे गए बिल पर एक महीने के भीतर फैसला लेना होगा। इसी फैसले के दौरान अदालत ने राज्यपालों की ओर से राष्ट्रपति को भेजे गए बिल पर भी स्थिति स्पष्ट की। न्यायालय ने कहा, हम गृह मंत्रालय द्वारा निर्धारित समय-सीमा को अपनाना उचित समझते हैं और निर्धारित करते हैं कि राष्ट्रपति को राज्यपाल द्वारा उनके विचारार्थ सुरक्षित रखे गए विधेयकों पर संदर्भ प्राप्त होने की तिथि से तीन माह की अवधि के भीतर निर्णय लेना आवश्यक है।

- राज्यपाल को विस की ओर से भेजे गए बिल पर एक माह में लेना है निर्णय
- 8 अप्रैल को कोर्ट ने तमिलनाडु सरकार व गवर्नर के मामले में किया था ऐतिहासिक फैसला

राज्यपालों की निष्क्रियता न्यायिक समीक्षा के अधीन

संविधान का अनुच्छेद 200 राज्यपाल को उसके समक्ष प्रस्तुत विधेयक पर स्वीकृति देने, स्वीकृति रोकने या राष्ट्रपति के विचारार्थ सुरक्षित रखने का अधिकार देता है। उच्चतम न्यायालय ने समयसीमा निर्धारित की और कहा कि इसका अनुपालन न करने पर राज्यपालों की निष्क्रियता न्यायालयों के न्यायिक समीक्षा के अधीन हो जाएगी। न्यायालय ने कहा, विधेयक को मंजूरी न दिए जाने या राज्य मंत्रिपरिषद की सहायता और सलाह पर राष्ट्रपति के विचारार्थ सुरक्षित रखे जाने की स्थिति में राज्यपाल से तत्काल कदम उठाने की अपेक्षा की जाती है, जो अधिकतम एक महीने की अवधि के अधीन है। आदेश में कहा गया, राज्य मंत्रिपरिषद की सलाह के विपरीत, मंजूरी न दिए जाने की स्थिति में राज्यपाल को अधिकतम तीन महीने की अवधि के भीतर एक संदेश के साथ विधेयक को वापस करना होगा। पीठ ने कहा कि राज्यपाल सहमति को रोक नहीं सकते और पूर्ण वीटो या आंशिक वीटो (पॉकेट वीटो) की अवधारणा नहीं अपना सकते। पीठ ने कहा, अनुच्छेद 201 के तहत अपने कार्यों के निर्वहन में राष्ट्रपति को कोई पॉकेट वीटो या पूर्ण वीटो उपलब्ध नहीं है।

नौकरशाही

बर्फी के लिए कतार

ब्रजेश मिश्र

> झारखंड की नौकरशाही में एक बार फिर बदलाव की चर्चा तेज है। बड़े-बड़े सूरमा अपने-अपने हिसाब से चक्रव्यूह की रचना कर रहे हैं। रणक्षेत्र में अंतिम समय में कौन बाजी मारेगा, यह तो आने वाला समय बताएगा। पढ़िए, अंदर की खबर द फोटोन न्यूज के एग्जीक्यूटिव एडिटर की कलम से।

गुरु अपनी मौज में थे। हाथ में चाय की प्याली और सामने की टेबल पर पड़ा दैनिक समाचार पत्र। कमरे में कर्णप्रिय गीत बज रहा था। तू नज्म नज्म सा मेरे होठों पे ठहर जा, मैं ख्वाब-ख्वाब सा तेरी आंखों में जागूं रे...। न चाहते हुए भी दिमाग सब कुछ भूल कर फिल्म का नाम खोजने लगा। थोड़ी देर बाद याद आया- बरेली की बर्फी। निकोलस बैरेउ के उपन्यास द इन्ग्रेडिएंट्स ऑफ लव पर आधारित यह फिल्म वर्ष 2017 में आई थी। फिल्म का निर्देशन अश्विनी अय्यर तिवारी ने किया था। ढलती उम्र में गुरु की पसंद देखकर दिल सुखद आश्चर्य से भर गया। दरवाजे से अंदर बढ़ते हुए पीछे से आवाज दी। बड़ा रोमांटिक गीत सुन रहे हैं गुरु। आवाज सुनकर गुरु पीछे की तरफ मुड़े। बोले- अरे तुम हो। आओ-आओ। बैठो चाय पिलाता हूं। ऊपरी मन से अनिच्छा जताई, अरे नहीं, नहीं गुरु। मैं तो ऐसे ही चला आया। परेशान मत होइए। गर्मी के मौसम में चाय पीने का मन नहीं है। गुरु बोले- अगर चाय नहीं पीनी है तो शरबत पी लो। हमारे पास हर समस्या का समाधान है। गुरु की यह बात बेहद पसंद आई। सहमति जताते हुए कहा- हां, गुरु यह तो आप सोलह आने सच कह रहे हैं। समाधान तो है आपके पास, इसीलिए अपनी समस्या लेकर अक्सर चला आता हूं। गुरु उत्तर से भाव-विभोर हो गए। बोले-अरे यार ऐसा कुछ नहीं है, आते हो तो अच्छा लगता है। इसी बहाने कुछ नया-पुराना हो जाता है। माहौल बन गया था। सो बिना देर किए बात शुरू की। पूछा- गुरु बरेली की बर्फी छोड़िए, ज्योतिष गणना देखकर यह बताइए कि वनांचल में बर्फी कब बंटने वाली है? सुना है नौकरशाही के

गलियारे वाले कई ग्राहक मिठाई दुकान के आसपास मंडराने लगे हैं। इशारों में पूछा गया सवाल गुरु ठीक से समझ गए। सो, बिना किसी किंतु-परंतु के सीधे जवाब पर आ गए। बोले- मेरा ज्योतिष विज्ञान कहता है कि पिछले महीने शनि ने अपनी चाल बदली है। आने वाले एक माह में इसका असर दिखने लगेगा। राशि के अनुसार अलग-अलग जातक पर इसका अलग-अलग प्रभाव पड़ने की उम्मीद है। बर्फी किसके हिस्से आएगी, यह तो समय बताएगा, लेकिन काम सबको करना चाहिए। श्रीमद्भगवद्गीता में भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को कहा- कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन। मा कर्मफलहेतुर्भूर्मा ते सङ्गोऽस्त्वकर्मणि॥ अर्थात तुम्हारा अधिकार सिर्फ कर्म करने में है, कर्मफल पर नहीं...। कहने का अर्थ यह है कि जातक के अधिकार में कर्म करना है। वह बर्फी की दुकान खुलने से पहले पूरी तैयारी के साथ कतार में खड़ा हो सकता है। बर्फी कितनी मात्रा में उपलब्ध होगी? कितने ग्राहकों में बंटेगी? यह सब हरि इच्छा पर निर्भर है।

पहली जून से झारखंड में लागू हो सकती है नई उत्पाद नीति

RANCHI : झारखंड में पहली जून से नई उत्पाद नीति लागू हो सकती है। नई उत्पाद नीति के ड्राफ्ट को विभागीय मंत्री की सहमति के बाद राजस्व पर्षद, वित्त विभाग और विधि विभाग के पास भेजा गया है। जानकारी के मुताबिक, वित्त विभाग ने प्रस्तावित नीति के कुछ बिंदुओं पर उत्पाद विभाग से जानकारी मांगी है। उत्पाद नीति को संबंधित विभागों से स्वीकृति मिलने के बाद कैबिनेट की स्वीकृति के लिए भेजा जाएगा। नई उत्पाद नीति के तहत खुदरा शराब दुकानों का आवंटन ई-लॉटरी के माध्यम से किया जाएगा। इसके लिए एनआईसी द्वारा एक सॉफ्टवेयर तैयार किया गया है, जिसका परीक्षण विभागीय स्तर पर किया जा रहा है। नई उत्पाद नीति लागू होने के बाद झारखंड में शराब की कीमतें कम होने की संभावना है। इससे राज्य के लोगों को शराब खरीदने में राहत मिल सकती है। वर्तमान में झारखंड में विभिन्न प्रकार की शराब की कीमतें अलग-अलग हैं।

- वित्त विभाग ने कुछ बिंदुओं पर उत्पाद विभाग से मांगी है जानकारी
- संबंधित विभागों से मंजूरी मिलने के बाद कैबिनेट की स्वीकृति के लिए भेजा जाएगा ड्राफ्ट

गंभीर चुनौती साल के धूप वाले करीब तीन सौ दिनों की गुणवत्ता में आ रही गिरावट

देश में सौर ऊर्जा के उत्पादन में खलल डाल रहा बढ़ता वायु प्रदूषण

PHOTON NEWS @ RESEARCH DESK : हमारी ऊर्जा आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए नए साधन के रूप में सोलर एनर्जी यानी सौर ऊर्जा का प्रयोग अधिक सस्ता है। सबसे बड़ी विशेषता तो यह है कि इससे किसी भी प्रकार के प्रदूषण की स्थिति पैदा हो ही नहीं सकती है। सोलर एनर्जी के उत्पादन के लिए यह जरूरी है कि अधिक से अधिक दिनों तक धूप उपलब्ध हो, तभी सोलर पैनल अच्छे तरीके से काम करेंगे और उनसे ऊर्जा प्राप्त हो सकेगी। सामान्य रूप से यदि देखा जाए तो देश में साल भर में लगभग 300 दिन धूप वाले होते हैं और इस अवधि में सोलर पैनल आसानी से काम कर सकते हैं। लेकिन हाल के विशेष अध्ययन से मिली जानकारी के अनुसार, वायु प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की वजह से सोलर पैनलों की कार्यक्षमता प्रभावित होने लगी है। फलस्वरूप अपेक्षित मात्रा में सौर ऊर्जा नहीं उत्पन्न हो रही है। इंडियन इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलॉजी यानी भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) दिल्ली के शोधकर्ताओं के विशेष अध्ययन में ये तथ्य सामने आया है।

जलवायु परिवर्तन की वजह से भी प्रभावित हो रही सोलर पैनलों की कार्यक्षमता
2030 तक अपनी 50 फीसद बिजली गैर-जीवाश्म ईंधनों से उत्पन्न करने का है लक्ष्य

- आईआईटी दिल्ली के शोधकर्ताओं ने पूरी स्थिति का किया है विस्तृत अध्ययन
- एनवायरनमेंटल रिसर्च लेटर्स नामक पत्रिका में शोध के निष्कर्षों को किया गया है प्रकाशित
- बीते कई वर्षों से सौर ऊर्जा उत्पादन के क्षेत्र में दुनिया में पांचवें स्थान पर है भारत

सौर पार्कों के विस्तार और छतों पर ऊर्जा उत्पादन को लगातार दिया जा रहा बढ़ावा

वैश्विक जलवायु मॉडल से प्राप्त विकिरण डाटा

शोधकर्ताओं का अनुमान है कि बदलाव के चलते भारत को हर साल कम से कम 840 गीगावाट-घंटे बिजली का नुकसान हो सकता है। यह अध्ययन वैश्विक जलवायु मॉडल से प्राप्त विकिरण डाटा के आधार पर बढ़ते वायु प्रदूषण के प्रभावों को उजागर करता है। सौर पैनल अधिकतम दक्षता पर तभी काम करते हैं, जब तेज धूप, ठंडा परिवेश और हवा का उचित प्रवाह हो।

500 गीगावाट अक्षय ऊर्जा क्षमता

नए अध्ययन के मुताबिक, भारत विश्व स्तर पर बीते कई वर्षों से सौर ऊर्जा उत्पादन में पांचवें स्थान पर है। 2030 तक अपनी 50 फीसदी बिजली गैर-जीवाश्म ईंधनों से उत्पन्न करने का लक्ष्य रखता है। इसके तहत 500 गीगावाट अक्षय ऊर्जा क्षमता स्थापित करने की योजना बनाई गई है, जिसमें से लगभग 20 फीसद सौर ऊर्जा से प्राप्त की जाएगी। इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए सौर पार्कों के विस्तार और छतों पर सौर ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा दिया जा रहा है। गौरतलब है कि अन्य नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों की तरह सौर फोटोवोल्टिक ऊर्जा भी मौसम और जलवायु की स्थिति पर निर्भर करती है। भारत में सौर ऊर्जा क्षमता का सटीक आकलन करना आवश्यक है, क्योंकि यहां तेजी से सौर ऊर्जा परियोजनाओं को स्थापित किया जा रहा है।

सात मई को खुल जाएंगे टेक्निकल बिड
झारखंड में एयर एंबुलेंस सेवा के लिए शुरू हो गई टेंडर प्रक्रिया

PHOTON NEWS RANCHI : हेमंत सरकार ने गंभीर बीमारियों से जूझ रहे मरीजों के लिए एयर एंबुलेंस सेवा शुरूआत की है। अब सरकार ने एक और कदम बढ़ाते हुए एक एयर एंबुलेंस लीज पर लेने की प्रक्रिया शुरू की है। इसके लिए टेंडर भी जारी कर दिया गया है। इच्छुक एजेंसियां 12 अप्रैल से 5 मई तक टेंडर जमा कर सकती हैं। 7 मई को टेक्निकल बिड खोले जाएंगे। अर्नेस्ट मनी डिपॉजिट (ईएमडी) के तौर पर 7 लाख रुपये और टेंडर डॉक्यूमेंट फीस के तौर पर 5000 रुपये जमा करने होंगे। ऑनलाइन मोड में ही ईएमडी और टेंडर फीस जमा करनी होगी।

- गंभीर मरीजों को आपात स्थिति में मिल सकेगी चिकित्सकीय सेवा
- इच्छुक एजेंसियां 5 मई तक जमा कर सकती है टेंडर, 7 मई को खुले जाएंगे टेक्निकल बिड
- ईएमडी के रूप में 7 लाख और टेंडर डॉक्यूमेंट फीस के तौर पर जमा करने होंगे ₹5000

भारत का दिल : मध्य भारत का यादगार सफर

घुमक्कड़ की पाती

रात की ट्रेन से दिल्ली से ग्वालियर रवाना हुआ। अगली सुबह जैसे ही स्टेशन पर उतरा, हवा में एक अलग ठहराव सा महसूस हुआ। ये शहर शौर्य, संगीत और स्थापत्य का अद्भुत संगम है। सबसे पहले ग्वालियर का किला देखा - पहाड़ी पर स्थित यह भव्य किला दूर से ही अपनी छाप छोड़ता है। किले के अंदर घूमते हुए सास-बहू के मंदिर, तेली का मंदिर और गुजरी महल संग्रहालय देखे। हर पत्थर पर इतिहास बोलता है। दोपहर का खाना ग्वालियर की जलेबी और कचौड़ी के साथ किया और फिर निकल पड़ा जय विलास पैलेस की ओर, जहाँ सिंधिया राजवंश की भव्यता आज भी जीवित है। वहाँ का चांदी का झूला और दुनिया का सबसे भारी झूमर देख कर आंखें खुली की खुली रह गईं। शाम को सुनसान झील के किनारे बैठकर सूरज डूबते देखना और दूर से किले की झलक -बस वहीं ठहर जाना चाहता था। रात ग्वालियर के एक बजट होटल में रुका -700 रुपये में साफ-सुथरा कमरा और स्वादिष्ट भोजन। सच कहूँ तो पहला दिन बहुत ही सुंदर और यादगार रहा। इस जगह पर आकर जानकारी के साथ साथ दिल को भी सुकून मिला।

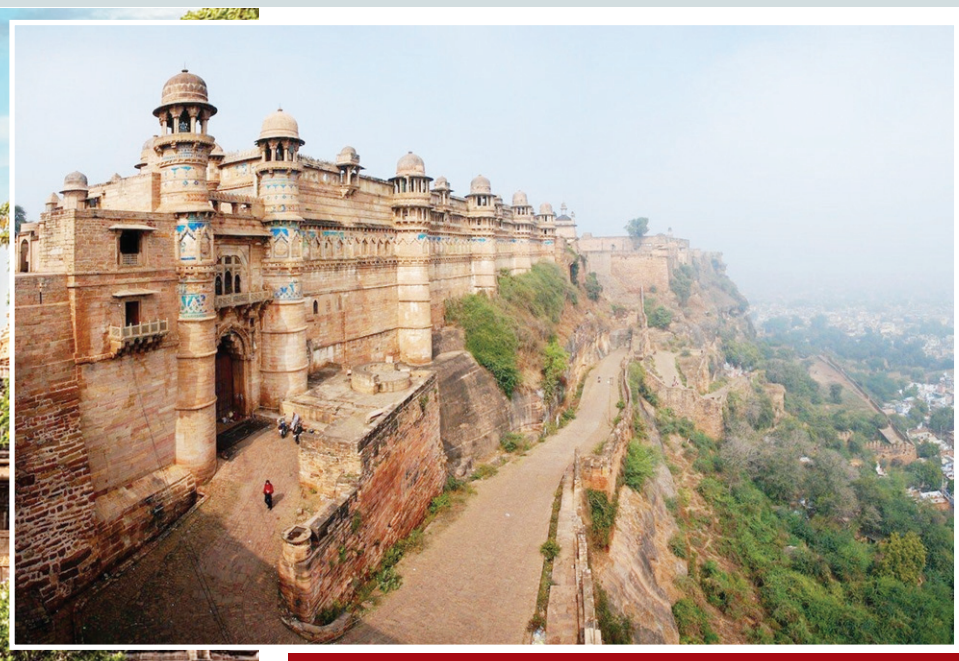

संजय शेफर्ड
नई दिल्ली

1. हमें अपना फीडबैक, सुझाव या टिप्पणियां देने के लिए दिए गए बार कोड को स्कैन करें या मेल करें।
2. आप हमें अपनी रचनाएं, कविता या आलेख भी भेज सकते हैं। जिसे हम अपने आने वाले अंक पर प्रकाशित करेंगे।

SCAN ME

Email- thephotonnewsjharkhand@gmail.com

खजुराहो में धर्म, अर्थ, काम व मोक्ष का दर्शन

तीसरा दिन खजुराहो जाने की ठानी, जो कला, संस्कृति और स्तब्ध कर देने वाले अपने सौंदर्य के लिए जाना जाता है। मैंने सुबह-सुबह बस ली और निकल पड़ा खजुराहो की ओर, जो झाँसी से लगभग 4 घंटे का सफर था। रास्ता हरियाली, खेतों और गाँवों से भरा था, जो मध्य भारत की सादगी और सुंदरता दिखा रहा था। खजुराहो पहुँचते ही उसकी अलग ही दुनिया सामने थी। यह सिर्फ मंदिरों का समूह नहीं, बल्कि भारतीय शिल्पकला का एक जीवंत संग्रहालय है। सबसे पहले देखा पश्चिमी समूह के मंदिर, जिसमें कंदरिया महादेव मंदिर सबसे प्रसिद्ध है। इन मंदिरों की खास बात है इन पर उकेरी गई शिल्पकला -जीवन के हर पक्ष को दर्शाते हुए ये मूर्तियाँ न केवल सुंदर हैं, बल्कि मानव अनुभव की विविधताओं का सम्मान भी करती हैं। यहाँ कामकला की मूर्तियाँ, युद्ध दृश्य, नृत्य, संगीत और साधना -सब एक साथ एक ही पत्थर पर जीवंत दिखते हैं। मंदिर परिसर में एक गाइड से बातचीत हुई। उसने बताया कि ये मंदिर सिर्फ कामकला के लिए नहीं, बल्कि जीवन के संतुलन का प्रतीक हैं झ धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष। दोपहर को एक साधारण ढाबे में खाना खाया और फिर निकला पास के रानेह जलप्रपात की ओर, जो खजुराहो से 20 किमी दूर है। चट्टानों के बीच बहता झरना और प्रकृति की शुद्धता -इस यात्रा का सबसे शांत और सुंदर अनुभव था। शाम को खजुराहो स्टेशन से ट्रेन पकड़ी और देर रात तक दिल्ली की ओर लौट पड़ा। शरीर थका हुआ था लेकिन मन उत्साहित और अनुभवों से भरा।

इतिहास, भक्ति व कला का संगम

मध्य भारत की यह तीन दिन की यात्रा जैसे इतिहास, भक्ति और कला तीनों रंगों में रंगी हुई थी। ग्वालियर ने इतिहास और वीरता से जोड़ा, ओरछा और झाँसी ने शौर्य और भक्ति का संतुलन दिखाया और खजुराहो ने भारतीय कला और दर्शन की गहराई का अहसास कराया। इस पूरे सफर में कुल खर्च लगभग 9000 रुपये रहा -अगर और बचत करनी हो तो लोकल स्टे और साधारण भोजन से 7000 रुपये में भी यात्रा संभव है। इस यात्रा को मैंने बहुत ही अच्छे से एन्जॉय किया और इस यात्रा ने मेरे जीवन में कई नए अनुभवों को जोड़ा जो मेरे जीवन को समृद्ध करते हैं। दिल्ली जैसे बड़े शहर से अगर थोड़ा बाहर निकलो, तो कुछ ही घंटों में इतिहास, कला और संस्कृति से लबालब दुनिया आपका इंतजार कर रही होती है। मध्य भारत सिर्फ भूगोल का केंद्र नहीं, भारत की आत्मा का आईना है। सादा, सुंदर और सजीव। यह यात्रा मेरे लिए न सिर्फ एक ट्रिप थी, बल्कि खुद को थोड़ा और जानने, समझने और देखने का मौका भी। अगली बार जब मन घूमने का करे तो उत्तर या दक्षिण नहीं बल्कि एक बार भारत के दिल की ओर भी देखिए। शायद आप खुद से एक और मुलाकात कर आएं।

गौरवान्वित कर देता है रानी झांसी का किला : दूसरा दिन ओरछा और झाँसी के हिस्से में था। इस जगह पर प्रकृति और विरासत का जो संगम है, उसके बारे में मैंने पहले से सुन रखा था। अगली सुबह जल्दी उठकर ट्रेन पकड़ी और निकल पड़ा ओरछा की ओर, जो ग्वालियर से लगभग 3 घंटे का सफर है। ओरछा का स्टेशन छोटा है, लेकिन वहाँ उतरते ही जो शांति और ठहराव महसूस होता है, वह बड़े शहरों में दुर्लभ है। ओरछा बेतवा नदी के किनारे बसा छोटा सा कस्बा है, लेकिन इसकी विरासत विशाल है। सबसे पहले पहुँचा राजा महल और जहांगीर महल, जहाँ की भित्ति चित्रकला और स्थापत्य मन मोह लेते हैं। महलों की छत से दिखती बेतवा नदी और उसके किनारे खड़े छतरियों का दृश्य बेहद रोमांटिक और शांतिदायक था। इस जगह पर नदी होने की वजह से इतनी शीतल हवा आती है कि वहाँ से उठने का मन नहीं करता है।ओरछा का राम राजा मंदिर भी खास है। देश का एकमात्र मंदिर जहाँ भगवान राम को राजा के रूप में पूजा जाता है। दोपहर में लोकल ढाबे में झांसी का मसालेदार आलू-पराठा और दही खाया और फिर निकल पड़ा झाँसी की ओर, जो बस से सिर्फ 30 मिनट की दूरी पर है। झाँसी पहुँचते ही मन में लता मंगेशकर की आवाज गूंजने लगी -झाँसी की रानी की कहानी। झाँसी का किला देखा, जहाँ रानी लक्ष्मीबाई ने अंग्रेजों से भीषण युद्ध किया था। किले की दीवारों से शहर का दृश्य और युद्ध का इतिहास एक साथ झलकता है। शाम को झाँसी के बाजारों में घूमा, कुछ लोकल हस्तशिल्प खरीदे और रात को एक होमस्टे में रुका -मात्र 900 रुपये में आत्मीय अनुभव मिला। दोपहर को एक साधारण ढाबे में खाना खाया और फिर निकला पास के रानेह जलप्रपात की ओर, जो खजुराहो से 20 किमी दूर है। चट्टानों के बीच बहता झरना और प्रकृति की शुद्धता -इस यात्रा का सबसे शांत और सुंदर अनुभव था। शाम को खजुराहो स्टेशन से ट्रेन पकड़ी और देर रात तक दिल्ली की ओर लौट पड़ा। शरीर थका हुआ था लेकिन मन उत्साहित और अनुभवों से भरा।

गीत

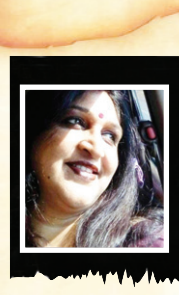

डॉ. उमा सिंह 'किसलय'
जमशेदपुर

'दिन हर दिन ढल रहा'

दिन हर दिन ढल रहा
संझा घनेरे कोप में
रोशनी रुकने न देती
दिन को घनेरे कोप में
दिन हर दिन...

जिंदगी करवट बदलती
दिन में भी और रात में
इंसानियत के पल बदलते
तन्हाइयों के ताप में
मिट्टी देह मिट्टी में मिल
संसार से चली जाएगी
मौन बन आँसू बहाते
अपने पराए साथ में
दिन हर दिन.....

सृजन की देहरी मिले
जीवन के हर इक मोड़ पे
आदमी ही आदमी का
बनता सहारा तोम में
सुख दुख शेफालिका सम निरंतर
पतझड़ वसंत सम आएगी
धैर्य रख संवेदनाएं
प्रेम बनती रोम में
दिन हर दिन.....

, जमशेदपुर

साक्षात्कार

...इसीलिए कथाकारों के आदर्श बने हुए हैं प्रेमचंद

कहानी की दुनिया में लौहनगरी के निवासी जयनंदन एक जाना-पहचाना नाम हैं। टाटा स्टील के पूर्व कर्मचारी जयनंदन न केवल युवा ज्ञानपीठ पुरस्कार के विजेता रहे, बल्कि श्रीलाल शुक्ल सम्मान से विभूषित होने वाले नगर के इकलौते कहानीकार-साहित्यकार हैं। इन्होंने साहित्य की लगभग हर विधा में बेहतरीन लेखन किया है। हास्य-व्यंग्य से लेकर समाज के ज्वलंत विषयों पर अपनी कलम चलाई, तो कई नाटक भी लिखे, जिसका कई-कई बार मंचन भी हुआ। इनकी कहानियां पाठ्य पुस्तकों में भी शामिल हुई हैं। एक लंबे कालखंड में इन्होंने कहानी-उपन्यास से राष्ट्रीय स्तर पर अपनी कलम से विशिष्ट पहचान बना ली है, इन सबके बावजूद लगातार लिख रहे हैं। 'द फोटोन न्यूज' से विशेष साक्षात्कार में जयनंदन ने अपने जीवन के ढेरों अनुभव साझा किए। यहां प्रस्तुत है, उनसे बातचीत के संपादित अंश....

Q. आज भी कथा जगत में प्रेमचंद मानक क्यों बने हुए हैं

देखिए, प्रेमचंद की तरह लिखने का प्रयास कई लेखकों-कहानीकारों ने किया, लेकिन कोई उनकी बराबरी नहीं कर सका। इसकी वजह है कि प्रेमचंद ने जितने विषयों पर लिखा, कोई नहीं लिख पाया। गंवई अंदाज, स्थानीय बोली और रहन-सहन से ग्रामीण संस्कृति को उन्होंने जिस रोचक तरीके से पाठकों के सामने प्रस्तुत कर दिया, कोई विषय नहीं छोड़ा, इसलिए वे मानक बन गए। शुरूआती दिनों में वे जो भी विषय उठाते थे, नया होता था। उनकी कहानियां पाठ्य पुस्तकों में पांचवीं-छठी से एमए-पीएचडी तक पढ़ाई जाती है। लेखन की शुरूआत उन्होंने उर्दू से की थी, लेकिन बाद में हिंदी में लिखने लगे। वे हंस के संस्थापक संपादक थे। उनकी दृष्टि व्यापक थी।

Q. आपने लेखन की शुरूआत कैसे की

मेरा जन्म बिहार के नवादा जिला के मिलकी गांव में हुआ। बचपन से किशोरावस्था तक गांव गांव में ही बीता। मेरे लिखने की शुरूआत बचपन में ही हो गई थी। पिताजी ज्यादा पढ़े-लिखे नहीं थे, लेकिन वे मुझे कॉमिक्स की किताबें लाकर देते थे। पढ़ने की रुचि बढ़ी। दरअसल, मुझे गांव की गरीबी और शोषण ने ही लिखने के लिए प्रेरित किया। गांव में जमींदार था, जो काफी अत्याचार करता था। वहीं से पूंजीपतियों के विरोध में विद्रोह की भावना उठी। मेरी मनोदशा ऐसी हो गई थी कि या तो मैं लिखता या नक्सली बन जाता।

Q. जमशेदपुर कैसे आना हुआ

मेरे गांव में प्राइमरी स्कूल तक उर्दू में ही पढ़ाई होती थी। मैं भी तीन जमात यानी तीसरी कक्षा तक उर्दू में ही पढ़ा। उर्दू में ही रामायण-महाभारत भी पढ़ा। इसके बाद हिंदी में पढ़ाई हुई और मैट्रिक पास किया। इसी बीच 17 वर्ष की उम्र में मेरे एक रिश्तेदार ने बताया कि टाटा स्टील में अप्रेंटिस की बहाली निकली है, तो मैंने भी फॉर्म भर दिया। संयोगवश मेरा चयन भी हो गया। मैं जब यहां आया, तो शुरूआत में कुछ पढ़ने को ज्यादा नहीं मिलता था। फिर भी तलाश करते हुए आदित्यपुर की एक किताब दुकान से किराए पर उपन्यास-कहानी की किताबें लाकर पढ़ता था। हालांकि, उनमें कई गैर-साहित्यिक पुस्तकें भी होती थीं, लेकिन मुझे पढ़ने का नशा लग गया था। इसके साथ ही लिखने की रुचि भी हुई।

Q. आपकी पहली कहानी कब छपी

मेरी पहली कहानी 1982 में सारिका पत्रिका में छपी, जो नागरिक मताधिकार पर थी। इसके बाद कादंबिनी में पुरस्कृत कहानी के रूप में टापू छपी थी। फिर साप्ताहिक रविवार में दमनचक्र और धर्मयुग में भी कहानियां छपीं। उसके संपादक धर्मवीर भारती ने तीन कहानियां प्रकाशित की थीं। अब तक मेरी 35 पुस्तकें छप चुकी हैं।

Q. युवा ज्ञानपीठ पुरस्कार कब मिला

युवा ज्ञानपीठ पुरस्कार 1991 में उपन्यास श्रम एव जयते के लिए मिला था। इसके बाद 2022 में श्रीलाल शुक्ल सम्मान मिला। दोनों ही पुरस्कार अपने आप में महत्वपूर्ण हैं। इन पुरस्कारों की खास बात यह है कि यह पुरस्कार वर्ष में एक ही साहित्यकार को मिलता है।

Q. नई पीढ़ी के कहानीकारों में कौन अच्छा लिख रहे हैं

नई पीढ़ी में भी कई लोग अच्छी कहानियां लिख रहे हैं। इनमें राकेश मिश्र-वर्धा, चंदन पांडेय, मनोज पांडेय, पराग मांदलेय, मनीषा कुलश्रेष्ठ, गीतांजलि श्री, किंशुक गुप्ता, पंकज सुधीर, नीलाक्षी सिंह, मीनाक्षी सिंह सहित कई नाम लिए जा सकते हैं, जिनमें संभावना दिखती है।

Q. कहानीकार-साहित्यकार का किसी वाद से जुड़ना क्यों जरूरी है

देखिए कहानी या साहित्य के लिए एक दृष्टिकोण होना आवश्यक है। आप जब भी कोई विषय उठाते या रखते हैं, तो आपका कोई न कोई नजरिया पाठकों तक पहुंचता है। यदि दृष्टिकोण या नजरिया ही नहीं होगा, तो आप भटक जाएंगे। वाद से जुड़ने में फायदा यह है कि आपको एक दृष्टि मिलती है। मेरी समझ से लेखक को कोई न कोई दृष्टिकोण रखना ही चाहिए। यदि आप अपने मन की संतुष्टि के लिए लिखते हैं, तो और बात है। यदि समाज की बेहतरी के लिए लिखना चाहते हैं, तो उसे आप एक दिशा तभी दे पाएंगे, जब आपकी दृष्टि स्पष्ट होगी।

BRIEF NEWS

कांग्रेस ने अंबेडकर का किया अपमान : कर्मवीर

RANCHI : भारतीय जनता पार्टी रांची महानगर जिला द्वारा डॉ. भीमराव अंबेडकर सम्मान अभियान के तहत एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन शनिवार को रातू रोड स्थित भाजपा कार्यालय में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में भाजपा के झारखंड संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने भाग लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कर्मवीर सिंह ने कांग्रेस पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि कांग्रेस ने हमेशा डॉ. अंबेडकर और संविधान का अपमान किया है। उन्होंने कहा कि आज संविधान की प्रतियां लहराने वाले वही लोग हैं जिनके पूर्वजों ने आपातकाल लगाकर संविधान को कलंकित किया और बाबा साहब को कानून मंत्री पद से इस्तीफा देने को मजबूर किया। उन्होंने कहा कि भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने हमेशा बाबा साहब को उचित सम्मान दिया है।

झारखंड को मिलेंगे तीन नए आईपीएस

RANCHI : यूपीएससी सिविल सर्विस एग्जाम से झारखंड को तीन नये आईपीएस मिलेंगे। उल्लेखनीय है कि यूपीएससी सिविल सर्विस एग्जाम 2023 में सेलेक्ट हुए दो सौ अभ्यर्थियों को कैडर अलॉट कर दिया गया है। झारखंड को इस बैच से तीन नये आईएएस मिलेंगे। जिसमें से एक को होम कैडर मिला है। ऑल इंडिया 617 रैंक अंकित सिन्हा को होम कैडर झारखंड मिला है। वहीं आल इंडिया 89 रैंक बिहार की साक्षी जमुआर को झारखंड कैडर मिला है, जबकि 611 रैंक तमिलनाडु के राजकुमार जयाराजू को झारखंड कैडर मिला है। वहीं झारखंड के 92 रैंक प्रखर कुमार गुजरात कैडर आवंटित हुआ है।

आरटीई के तहत नामांकन की तिथि 20 तक बढ़ी

RANCHI : शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई) 2009 के अंतर्गत सत्र 2025-26 में गैर सहायता प्राप्त निजी विद्यालयों (अल्पसंख्यक विद्यालयों को छोड़कर) की प्रवेश कक्षाओं में 25 प्रतिशत आरक्षित सीटों पर नामांकन के लिए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ा दी गई है। अब अभिभावक 20 अप्रैल तक आवेदन कर सकेंगे। यह निर्णय रांची के डीसी मंजूनाथ भजन्त्री के निदेर्शानुसार लिया गया है। पहले आवेदन की अंतिम तिथि 10 अप्रैल निर्धारित थी। आरटीई के तहत इन आरक्षित सीटों पर आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (जिनकी पारिवारिक आय 72,000 वार्षिक से कम हो) तथा वंचित समूहों जैसे अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग, अत्यंत पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक समुदाय, 40 प्रतिशत से अधिक दिव्यांगता वाले बच्चे एवं अनाथ बच्चों का नामांकन किया जाता है। विद्यालयों की प्रवेश कक्षा में नामांकन के लिए आवेदन वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन भरा जा सकता है। आवेदकों की सुविधा के लिए यह तिथि 10 दिन बढ़ाई गई है। अन्य सभी शर्तें पूर्ववत लागू रहेंगी।

झारखंड में धान खरीद की तिथि 30 अप्रैल तक बढ़ी

RANCHI : राज्य सरकार ने खरीफ विपणन मौसम 2025-26 के लिए धान खरीद की अंतिम तिथि 15 दिन बढ़ा दी है। अब किसान 30 अप्रैल तक अपनी फसल बेच सकेंगे। खाद्य आपूर्ति मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने इस संबंध में आदेश जारी किया है। सरकार का कहना है कि धान खरीद की समय सीमा बढ़ने से अधिक किसान धान खरीद का लाभ उठा सकेंगे। इससे किसानों को अपनी फसल बेचने के लिए अधिक समय मिलेगा और वे अपनी उपज का बेहतर मूल्य प्राप्त कर सकेंगे। अब तक 24 जिलों में कुल 34 .07 लाख क्विंटल धान की खरीद हुई है, जो 60 लाख क्विंटल के लक्ष्य का लगभग 56 .77 प्रतिशत है।

राजधानी में बढ़ा कुत्तों का आतंक, आए दिन लोगों को बना रहे शिकार

ओपीडी में हर दिन पहुंच रहे कुत्ता काटने के 250 मामले

VIVEK SHARMA @ RANCHI : राजधानी में कुत्तों का आतंक बढ़ता जा रहा है। हर दिन ये लोगों को अपना शिकार बना रहे हैं। इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि हर दिन सदर में एंटी रेबीज वैक्सीन लगाने के लिए 200 से अधिक लोग पहुंच रहे हैं। इनमें कई मामले फॉलो अप के भी होते हैं। जबकि 100 नए केस होते है जो वैक्सीन की डोज लेने के लिए पहुंचते हैं। वहीं पूरे महीने की बात करें तो हर महीने 6000 से ज्यादा लोग वैक्सीन लगाने के लिए आ रहे हैं। किसी महीने में ये आंकड़ा 7500 को भी पार कर गया है।

सदर अस्पताल में हर माह एंटी रेबीज वैक्सीन लगवाने आ रहे 6000 से अधिक लोग

कुत्तों के काटने से होती है हाइड्रोफोबिया नाम की बीमारी

रेबीज से बचाव के लिए वैक्सीन जरूरी

कुत्ते के काटने के बाद अगर रेबीज हो जाए तो 100 प्रतिशत मृत्यु दर होती है। ऐसे में जरूरी है कि लोग कुत्ते के काटने को नजरअंदाज न करें और तुरंत डॉक्टर से इलाज करवाए। डॉक्टरों की माने तो रेबीज से बचने के लिए समय रहते इलाज करवाना और एंटी-रेबीज वैक्सीनेशन कोर्स पूरा करना जरूरी है।

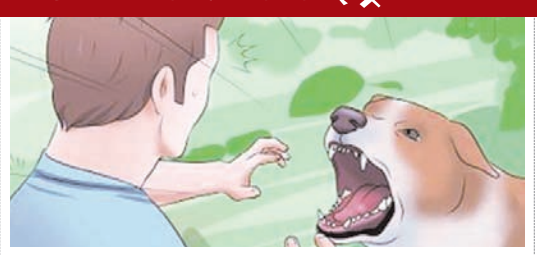

कुत्ता के काटने पर क्या करें

कुत्ता के काटने पर घाव को तुरंत साबुन और बहते पानी से कम से कम 15 मिनट तक धोएं। कुत्ते या जानवर के काटने के तुरंत बाद डॉक्टर से सहायता लें। एंटी-रेबीज टीकाकरण का पूरा कोर्स लें। पालतू जानवरों को भी एंटी रेबीज का टीका लगवाएं। जानवरों के साथ काम करते समय सुरक्षा को लेकर इंतजाम करें।

तेजी से बढ़ रहे हैं आंकड़े

अस्पताल के आंकड़ों पर नजर डाले तो दिसंबर 2024 में 6,655 एंटी-रेबीज इंजेक्शन लगाए गए। इसके बाद जनवरी 2025 में 7,518 और इंजेक्शन लगाए गए। हालांकि फरवरी और मार्च के डेटा को को अभी कंपाइल नहीं किया गया है। लेकिन, आंकड़े बता रहे हैं कि डॉग बाइट के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। ऐसे में रेबीज के होने का खतरा भी अधिक है। सदर अस्पताल के डिप्टी सुपरिंटेंडेंट डॉ. बिमलेश सिंह ने बताया कि अब हमारे यहां कभी एंटी रेबीज वैक्सीन की कमी नहीं होती। ऐसा सिस्टम बनाया गया है कि स्टॉक खत्म होने से पहले वैक्सीन मंगा ली जाती है।

इन बातों को न करें नजरअंदाज

- जानवरों के काटने या खरोंच लगने पर भी उसे नजरअंदाज न करें।
- उपचार में देरी न करें।
- घाव को धोने के बाद उसे कसकर न ढकें।
- डॉक्टर की सलाह लिए बिना कुत्ता काटने के बाद खुद से इलाज करने की कोशिश न करें।
- जानवरों को न छेड़ें और न ही उन्हें चिढ़ाएं।
- एंटी-रेबीज वैक्सीन की खुराक पूरी लें।

इन लक्षणों पर दें ध्यान » रेबीज के लक्षण आमतौर पर बुखार, थकान और सिरदर्द जैसे फ्लू जैसे लक्षणों से शुरू होते हैं। इसके बाद वायरस के बढ़ने पर न्यूरोलॉजिकल समस्याएं होती हैं। काटने के स्थान और वायरस की मात्रा के आधार पर कुछ दिनों से लेकर एक वर्ष से अधिक तक व्यापक रूप से असर होता है। मस्तिष्क के करीब काटने से अक्सर लक्षण जल्दी शुरू होते हैं। शुरूआती लक्षणों में काटने वाली जगह पर झुनझुनी या खुजली शामिल हो सकती है। जबकि एडवांस स्टेज में बेचैनी, निगलने में कठिनाई, मतिभ्रम, दौरे और यहां तक कि पक्षाघात भी हो सकता है।

अभियान : प्रशासक के निर्देश पर टीम ने शुरू की कागजात की जांच

नगर निगम सख्त, बिना लाइसेंस के चल रहे खटालों पर होगी कार्रवाई

PHOTON NEWS RANCHI : रांची नगर निगम ने राजधानी में बिना अनुमति संचालित हो रहे अवैध खटालों के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए सघन जांच अभियान शुरू कर दिया है। निगम प्रशासक संदीप सिंह के निर्देश पर यह कार्रवाई शुरू की गई है। वहीं खटाल संचालन से जुड़े वैधानिक दस्तावेजों की जांच की जा रही है। प्रशासक ने आदेश दिया है कि बिना लाइसेंस के अवैध रूप से चल रहे खटालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। वहीं उनपर एक्ट के तहत फाइन भी लगाया जाएगा। निगम की टीम ने खटाल संचालकों को जल्द से जल्द आवश्यक लाइसेंस प्राप्त करने का निर्देश दिया है। इसके साथ ही यह भी कहा गया है कि लाइसेंस जारी होने के बाद खटाल संचालकों को यह सुनिश्चित करना होगा कि पशुओं को साफ-सुथरा रखा जाए और खटाल क्षेत्र के आसपास किसी भी प्रकार की गंदगी न फैलाई जाए। नियमों की अनदेखी करने वाले खटाल संचालकों पर झारखंड म्युनिसिपल एक्ट 2011 की धारा 319(3) के तहत 2000 तक का जुमार्ना लगाया जा सकता है। यदि उल्लंघन लगातार जारी रहता है, तो प्रतिदिन 50 अतिरिक्त जुमार्ना वसूला जाएगा। इसके अलावा झारखंड राज्य ठोस अपशिष्ट प्रबंधन सेवा शुल्क नियमावली 2016 के तहत सार्वजनिक स्थलों पर गोबर या अन्य पशु अपशिष्ट डालने पर 1000 तक का जुमार्ना और लगाया जा सकता है। नगर निगम ने यह भी चेतावनी दी है कि लगातार नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी, जिसमें जुमार्ने के अलावा खटाल बंद करने की कार्रवाई भी की जा सकती है।

जल्द से जल्द खटाल का लाइसेंस लेने का दिया गया निर्देश

नगर निगम की 31 पार्किंग अवैध वसूली पर करें कंप्लेन

रांची नगर निगम शहर को जाम मुक्त बनाने और ट्रैफिक व्यवस्था को सुगम बनाने के लिए निगम क्षेत्र के अंतर्गत कुल 31 वाहन पड़ावों का संचालन कर रहा है। इनमें से 16 वाहन पड़ाव स्थलों की बंदोबस्ती ई-ऑक्शन के माध्यम से की जा चुकी है, जबकि शेष 15 की बंदोबस्ती जल्द की जाएगी। अधिकारियों ने इसे लेकर स्पष्ट निर्देश जारी किया है कि अगर कहीं भी अवैध रूप से पार्किंग चार्ज की वसूली की जाती है तो ठेकेदार पर कार्रवाई की जाएगी। इतना ही नहीं तय से ज्यादा चार्ज लेने की भी लोग शिकायत दर्ज करा सकते है। इसकी शिकायत हेल्पलाइन नंबर 18005701235 पर कर सकते है।

10 मिनट फ्री पार्किंग

नगर निगम की ओर से पार्किंग शुल्क को लेकर नई व्यवस्था की गई है। इसके तहते पहले 10 मिनट तक पार्किंग निःशुल्क होगी। इसके बाद 10 मिनट से 3 घंटे तक दोपहिया वाहनों के लिए 10 और चारपहिया वाहनों के लिए 30 शुल्क निर्धारित किया गया है। नगर निगम ने आम जनता से अपील की है कि केवल अधिकृत वाहन पड़ाव स्थलों पर ही अपने वाहन पार्क करें और अवैध वसूली या पार्किंग स्थल से जुड़ी किसी भी समस्या की तुरंत सूचना दें।

ये हैं निगम के पार्किंग स्थल

हनुमान मंदिर टैक्सी स्टैण्ड वाहन पड़ाव, रंगरेज गली वाहन पड़ाव, शारदा बाबू लेन (दो पहिया वाहन), एमिटी यूनिवर्सिटी से मान्यवर शोरूम तक वाहन पड़ाव, वेद टेक्सटाइल से निशान ऑटोमोबाईल तक वाहन पड़ाव, हीरो शोरुम से लेकर भी-मार्ट तक (भाया कम्पयूटर नेटवर्क एवं राज अस्पताल), सैन्को के बगल से एसी मार्केट के गेट तक वाहन पड़ाव, विशाल मेगामार्ट से हनुमान मंदिर तक वाहन पड़ाव, प्रेमसन्स मोटर कांके रोड के सामने वाहन पड़ाव, अंजुमन प्लाजा के विपरीत (वुल हाउस के पास) त्रिकोणीय स्थल वाहन पड़ाव, रांची क्लब कॉम्पलेक्स के बाहर (बैंक ऑफ महाराष्ट्र से इन्डसइन्ड बैंक) तक वाहन पड़ाव, कचहरी चौक (काली मंदिर से कमिश्नर ऑफिस के उत्तर सड़क किनारे तक) वाहन पड़ाव, सिटाडेल (ब्लैकबेरी) बिल्डिंग के बाहर से लेकर होराइजन होण्डा तक, अल्बर्ट एक्का चौक से सर्जना चौक भाया सदर अस्पताल के बाउन्ड्री साईड तक वाहन पड़ाव, यूनिवर्सिटी गेट के पास कार पार्किंग, न्यूलियस मॉल के सामने वाहन पड़ाव, हरिओम टावर के सामने वाहन पड़ाव, जयपाल सिंह स्टेडियम के सामने वाहन पड़ाव, रिलायंस मार्ट कांके रोड वाहन पड़ाव, सिदो कान्हू पार्क के सामने वाहन पड़ाव, गुप्ता भंडार से लेदर वर्ल्ड भाया इंडिया होटल वाहन पड़ाव, बालकृष्णा सहाय रोड वाहन पड़ाव, अटल स्मृति वेंडर मार्केट भू-तल वाहन पड़ाव, रांची पहाड़ी वाहन पड़ाव, स्मार्ट बाजार मेन रोड वाहन पड़ाव, पेंटालून्स मॉल, डंगरा टोली चौक के समीप वाहन पड़ाव, नाइस फर्नीचर से लेकर भारत शू तक भाया रोस्पा टावर एवं बैंक ऑफ इण्डिया के कॉर्नर तक, नागाबाबा खटाल सब्जी बाजार भू-तल वाहन पड़ाव, स्मार्ट बाजार कांके रोड वाहन पड़ाव, चर्च कॉम्पलेक्स के सामने से लेकर नाईस फर्निचर तक वाहन पड़ाव, मेपल प्लाजा अशोक नगर रोड वाहन पड़ाव।

किसी भी स्थिति में लोगों को नहीं होनी चाहिए पेयजल की समस्या : मंजूनाथ भजंत्री

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा बैठक करते रांची डीसी।

- संबंधित अधिकारियों को चापाकलों के मरम्मत कार्य में तेजी लाने का निर्देश

PHOTON NEWS RANCHI : शनिवार को रांची जिले में गर्मी के दौरान संभावित पेयजल संकट को लेकर उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी पंचायत मुखिया, प्रखंड विकास पदाधिकारी और पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक की। उपायुक्त ने स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि जिले में किसी भी परिस्थिति में पेयजल की समस्या नहीं होनी चाहिए। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को चापाकलों के मरम्मत कार्य में तेजी लाने और प्रखंडवार चापानलों की अद्यतन सूची जल्द उपलब्ध कराने को कहा। उपायुक्त ने बैठक के दौरान कुछ पंचायत मुखिया से सीधे संवाद करते हुए पेयजल की वास्तविक स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने चापानल मरम्मती और नए चापानलों के भौतिक सत्यापन की सूची तत्काल भेजने का निर्देश दिया। बैठक में पंचायतों के सुदृढ़ीकरण पर भी विशेष बल दिया गया। उपायुक्त ने कहा कि पंचायतों को सशक्त बनाकर ही आधारभूत सुविधाएं मजबूत की जा सकती हैं। उन्होंने पंचायत स्तर पर बुनियादी ढांचे, प्रशासनिक क्षमता और ग्राम रोजगार योजनाओं को सशक्त करने के लिए ठोस प्रयास करने की बात कही।

ग्रामीण विकास मंत्रालय के अपर सचिव ने लिया आजीविका योजनाओं का जायजा

एनआरएलएम के सहयोग से महिलाओं के जीवन में आया सकारात्मक बदलाव

PHOTON NEWS RANCHI : शनिवार को केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय के अपर सचिव टीके अनिल कुमार दो दिवसीय दौरे पर झारखंड पहुंचे हैं। दौरे के पहले दिन वे खूंटी गए, जहां उन्होंने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) के तहत चल रही विभिन्न योजनाओं का जायजा लिया। अपर सचिव ने सखी मंडलों की महिलाओं से बात की। इस दौरान महिलाओं ने अपने अनुभव उनसे साझा किए। उन्होंने बताया कि इस मिशन से उनके जीवन में कैसे सकारात्मक बदलाव आए हैं। उन्होंने अपनी सफलता की कहानियां सुनाई और वर्तमान में आ रही चुनौतियों पर भी चर्चा की। अपर सचिव टीके अनिल कुमार और जेएसएलपीएस की सीईओ कंचन सिंह ने तोरपा प्रखंड के तपकरा गांव में संकुल संगठन प्राइवेट लिमिटेड का दौरा किया। यहां लोगों ने उनका पारंपरिक तरीके से स्वागत किया। टीके अनिल कुमार और कंचन सिंह ने गठजोर गांव में आजीविका संसाधन केंद्र का निरीक्षण किया, जहां खेती और पशुपालन को लेकर ट्रेनिंग दी जाती है। साथ ही पौधों की भी बिक्री होती है।

सखी मंडलों और पलाश ब्रांड की सराहना

घर की छत पर गिरा 11 हजार वोल्ट का बिजली तार, टला बड़ा हादसा

RANCHI : बेड़ो प्रखंड के पुरिया कठर टोली में शनिवार की शाम में उस समय अफरा-तफरी मच गई जब 11 हजार वोल्ट का बिजली तार अचानक टूटकर संतोषी कच्छप की मां के घर की छत पर गिर पड़ा। घटना शाम करीब 5 बजे की है। इससे पूर्व भी मकान के ऊपर से गुजर रहे इस हाई वोल्टेज तार ने उनके पालतू डॉगी की मौके पर ही जान ले ली। बताया जा रहा है कि हादसे के वक्त संतोषी कच्छप की मां भी वहीं मौजूद थीं, लेकिन वह समय रहते हट गई, जिससे उनकी जान बच गई। स्थानीय निवासियों का आरोप है कि इससे पहले भी कई बार यह तार टूटकर नीचे गिर चुका है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है।

रांची के लालगुटुवा में राज्य स्तरीय जन सेवक समागम का हुआ आयोजन

झारखंड के वीएलडब्ल्यू कृषि विभाग के अंतर्गत करेंगे कार्य : शिल्पी नेहा तिर्की

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड के ग्राम स्तरीय कार्यकर्ता (वीएलडब्ल्यू) अब 90 प्रतिशत कार्य कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग के अंतर्गत करेंगे। यह घोषणा कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने रांची के लालगुटुवा में आयोजित राज्य स्तरीय जन सेवक समागम के दौरान की। उन्होंने कहा कि वीएलडब्ल्यू की नियुक्ति भले ही कृषि विभाग ने की है, लेकिन अभी तक वे पंचायती राज समेत अन्य विभागों में कार्य कर रहे थे। अब यह स्थिति बदलेगी और वीएलडब्ल्यू की भूमिका मुख्यतः कृषि विभाग से जुड़ी रहेगी। उन्होंने बताया कि विभागीय समीक्षा बैठक में यह निर्णय लिया गया है कि राज्य भर के वीएलडब्ल्यू का 90 प्रतिशत कार्य कृषि विभाग से संबंधित होगा। कार्यक्रम में जन सेवक संघ के अध्यक्ष देवेंद्र कुमार, प्रांतीय महामंत्री लोकेश कुमार, कोषाध्यक्ष लव कुमार पासवान समेत कई पदाधिकारी उपस्थित थे। इस अवसर पर मंत्री ने यह भी कहा कि वीएलडब्ल्यू का नाम जन सेवक से बदलकर कृषि से जोड़ने का निर्देश दिया गया है ताकि उनकी पहचान विभागीय भूमिका से स्पष्ट हो सके। विभागीय योजनाओं की जानकारी के लिए वर्ष में दो बार प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। शिल्पी नेहा तिर्की ने यह भी कहा कि वीएलडब्ल्यू की पदोन्नति समेत अन्य मांगों पर विभाग गंभीरता से विचार करेगा।

मनमानी फाइन काटने में तत्परता दिखाने के बावजूद नियमों का किया जा रहा उल्लंघन

ट्रैफिक पुलिस की कड़ाई का भी लोगों पर नहीं दिखता असर

PHOTON NEWS RANCHI : राजधानी रांची में हर स्तर पर ट्रैफिक पुलिस एक्टिव है। नियमों का उल्लंघन करने पर फाइन काटी जा रही है। हर तरह की सख्ती के बावजूद इसके बावजूद बाइक व स्कूटी सवार शहर में यातायात नियमों का पालन करने के लिए तैयार नहीं हैं। जान की परवाह किए बिना लोग सड़कों पर बिना हेलमेट पहने ही सरपट गाड़ी दौड़ा रहे हैं। ट्रैफिक पुलिस ऐसे लोगों से सख्ती से निपट रही है। पिछले 6 महीने में बिना हेलमेट पहने बाइक व स्कूटी चलाते 3 .14 लाख लोगों का चालान काटा गया है। सबसे ज्यादा चालान बगैर हेलमेट पहने गाड़ी चलाने के आरोप में ही कटा है। बाजवूद इसके बिना हेलमेट पहने गाड़ी चलाने वालों पर पूर्ण रूप से लगाम नहीं लग पा रही है। इसके बाद नो पार्किंग में गाड़ी खड़ी करने वाले 18 हजार वाहन सवारों को भी पकड़ा गया है, जिनका ट्रैफिक पुलिस ने चालान काटा है।

6 माह में बिना हेलमेट के 3.14 लाख बाइक चालकों का काटा गया चालान

नो पार्किंग में गाड़ी खड़ी करने वाले 18 हजार वाहन सवारों को पुलिस ने पकड़ा

- गलत साइड से ड्राइविंग करने वालों की संख्या में तुलनात्मक रूप से आई है कमी
- अक्टूबर 2024 से मार्च 2025 तक ओवर स्पीड ड्राइविंग के आए 3720 मामले

मेन रोड में ट्रैफिक रूल्स का अधिक उल्लंघन

गलत साइड से ड्राइविंग करने वाले वाहन सवारों की संख्या पहले की तुलना में काफी कम हुई है। पिछले 6 महीने में 278 वाहन सवारों को ही रॉन्ग साइड से ड्राइविंग करते हुए पकड़ा गया है। ओवर स्पीड गाड़ी ड्राइव करते हुए 3720 वाहन सवारों को पकड़े जाने के बाद ट्रैफिक पुलिस ने चालान काटा है। यह आंकड़ा अक्टूबर 2024 से मार्च 2025 तक का है। वाहन सवार मेन रोड में सबसे ज्यादा ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन कर रहे हैं। ड्यूटी पर तैनात जवान उनके खिलाफ कार्रवाई भी कर रहे हैं। विभिन्न जगहों पर सीसीटीवी कैमरे से चालान काट रहे हैं। जहां कैमरा नहीं लगा है, वहां जवान मैनुअल ही वाहन सवारों को पकड़ कर फाइन काटा जा रहा है। आंकड़ों पर गौर करें तो सबसे ज्यादा ट्रैफिक नियम मेन रोड में ही तोड़े जा रहे हैं। रतन टॉकीज चौक पर सबसे ज्यादा वाहन सवारों का चालान कट रहा है। अंजुमन प्लाजा के पास भी ट्रैफिक नियम तोड़ने वालों की संख्या काफी ज्यादा है।

गैर-अधिग्रहित भूमि के क्रय-विक्रय के लिए उपायुक्त को एनओसी देने के लिए सात दिनों का वक्त

RANCHI : गैर-अधिग्रहित भूमि के क्रय-विक्रय के लिए उपायुक्त अब हर हाल में सात दिन के अंदर अपना एनओसी देंगे। राजस्व भूमि सुधार विभाग के सचिव चंद्रशेखर ने इस आशय का निर्देश सभी उपायुक्त को दिया है। सचिव ने कहा है कि भू-अर्जन अधिनियम के तहत यदि किसी प्लॉट का आशिंक भू-अर्जन होता है तो उस प्लॉट के शेष गैर-अधिग्रहित भूमि के क्रय-विक्रय के लिए रैयतों को कोई परेशानी न हो इस पर सरकार के स्तर से विचार किया जा रहा था। यह निर्णय लिया गया कि गैर-अधिग्रहित भूमि के निबंधन के लिए यदि अवर निबंधक, निबंधक द्वारा एनओसी की मांग की जाती है तो उपायुक्त सम्यक रूप से इसकी जांच करने बाद अधिकतम सात कार्य दिवस के अंदर जिला अवर निबंधक, निबंधक को अपना एनओसी प्रदान करेंगे। ऐसे में अब वैसे प्लॉट जिनका पूरा अधिग्रहण नहीं हुआ और कुछ शेष रह गया तो उसकी आसानी से क्रय-विक्रय किया जा सकेगा।

अंबेडकर जयंती पर मानव श्रृंखला बनाने को लेकर कांग्रेस ने की बैठक

PHOTON NEWS RANCHI : डॉ. भीम राव अंबेडकर जयंती के अवसर पर 14 अप्रैल को कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश के निर्देश पर रांची के अंबेडकर चौक से स्वामी विवेकानंद चौक, देवेंद्र मांझी चौक होते हुए डॉ. राजेंद्र प्रसाद चौक तक संविधान की प्रति लेकर मानव श्रृंखला का आयोजन किया जाएगा। इसी कड़ी मे कांके विधानसभा के विधायक सुरेश बैठा कांके स्थित अपने आवासीय कार्यालय मे कांके विधानसभा क्षेत्र के कांके, बुढ़मू, और खलारी प्रखंड के प्रखंड अध्यक्ष, पंचायत अध्यक्ष और कार्यकर्ताओ के साथ तैयारी बैठक की?। इस दौरान विधायक ने कार्यकर्ताओ को निर्देश दिया कि कांके विधानसभा से कम से कम 500 लोगो की भागीदारी हो। मौके पर विधायक सुरेश बैठा ने कहा की भाजपा अपने आंतरिक एजेंडों के अनुसार धीरे-धीरे भारत के संविधान पर हमला कर रही है। अपने इसी एजेंडे के तहत संविधान के विभिन्न अनुच्छेदों में संशोधन कर रही है, जिससे देश की जनता को संविधान से मिले अधिकारों मे कटौती की जा रही है।

समाचार सार

जनशताब्दी व इस्पात को समय पर चलाने की मांग

GHATSILA : घाटशिला मंडल कांग्रेस कमेटी ने शनिवार को दक्षिण पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक के नाम स्टेशन प्रबंधक को ज्ञापन सौंपा, जिसमें

जनशताब्दी व इस्पात एक्सप्रेस को समय पर चलाने की मांग की गई। कार्यकताओं ने कहा कि कुछ महीनों से दोनों ट्रेनें दो-दो घंटे तक लेट से चल रही हैं, जबकि ये ट्रेनें घाटशिला के लिए जीवनरेखा हैं। ज्ञापन सौंपने वालों में घाटशिला मंडल अध्यक्ष कन्हैया शर्मा, तापस चटर्जी, मोहम्मद फारूक, सुरजीत मोहरी, नरेश महाकुड़, सुभाष दास, सुब्रत दे सहित अन्य शामिल थे।

हनुमान जन्मोत्सव पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

GHATSILA : हनुमान जन्मोत्सव के पावन अवसर पर शनिवार को

घाटशिला और आसपास के क्षेत्रों में मंदिरों में श्रद्धालुओं की काफी भीड़ उमड़ी। दाहीगोड़ा के हनुमान मंदिर, घाटशिला हनुमान मंदिर, चुनुडीह हनुमान मंदिर समेत अन्य मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना हुई। मंदिरों को रंगबिरंगी लाइटों से सजाया-संवारा गया था। दाहीगोड़ा हनुमान मंदिर में पुजारी सच्चिदानंद पांडेय व उनके पुत्र प्रशांत पांडेय ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजा-अर्चना कराई। इधर, हनुमान जन्मोत्सव पर प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय, घाटशिला की ओर से दाहीगोड़ा हनुमान मंदिर परिसर में सेवा शिविर लगाया गया था। यहां श्रद्धालुओं को शरबत, चना व गुड़ का वितरण किया गया। सेवा शिविर का नेतृत्व रूपा दीदी ने किया। उनके साथ कई भाई-बहनें सक्रिय रहीं, जिनमें कल्पना, अर्चना, सुनीता, सीता, अनीता, उमा, मीरा, अचिंतो, श्यामसुंदर, मेघनाथ, संतोष भाई आदि शामिल थे।

पाता परब में महिलाओं संग झूमीं जोबा मांझी

ANANDPUR : पश्चिमी सिंहभूम जिले के मनोहपुर स्थित आनंदपुर

प्रखंड में शनिवार को दो दिवसीय पाता परब मनाया गया, जिसमें संगीत की धुन पर सांसद जोबा मांझी भी महिलाओं संग झूमीं। समीज आश्रम के मुक्ति पत्थर में चैत पूर्णिमा के अवसर पर दो दिवसीय पाता परब का सांसद ने उद्घाटन किया। इस अवसर पर सांसद ने कहा कि पर्व-त्योहार हमारी संस्कृति का अभिन्न हिस्सा हैं। अपनी संस्कृति और रीति रिवाज को बचाने के साथ आगे बढ़ाने की जरूरत है। मौके पर ग्रामीणों ने सांसद के समक्ष क्षेत्र की समस्याओं को रखा और समाधान की मांग की। सांसद ने बताया कि पूरे मनोहरपुर विधानसभा क्षेत्र में विधायक जगत माझी के साथ मिलकर विकास कार्यों को आगे बढ़ा रही हैं। मालूम हो कि मुक्ति पत्थर में 1964 से पाता परब या पर्व का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम में ग्राम माझी सुशील हेम्ब्रम, सुरेश हांसदा, रामसोरो मरांडी, रमेश मरांडी, विनोद हेम्ब्रम, झामुमो प्रखंड अध्यक्ष सिलबियूस तिर्की, सचिव राजू सिंह, अजय कच्छप, आशीष गंताइत, पिंटू जैन समेत काफी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

जगजीत सिंह की स्मृति में संगीत संध्या आज

JAMSHEDPUR : पं. चंद्रकांत आप्टे म्यूजिक फाउंडेशन एवं उत्तर प्रदेश संघ संयुक्त रूप से गजल गायक जगजीत सिंह की गजलों की एक शाम आयोजित करने जा रहा है। यह कार्यक्रम रविवार शाम 7 बजे से बिष्टुपुर स्थित मोतीलाल नेहरू पब्लिक स्कूल के ऑडिटोरियम में होगा। इस दौरान स्थानीय कलाकार जगजीत सिंह को संगीतमय श्रद्धांजलि देंगे। यह जानकारी पं. चंद्रकांत आप्टे म्यूजिक फाउंडेशन के सचिव पंकज झा ने दी है।

वर्गीस कोसी मेमोरियल शतरंज प्रतियोगिता आज से

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिला शतरंज संघ के तत्वाधान में रॉयल एनफील्ड एसपी वेंचर्स द्वारा प्रायोजित वर्गीस कोसी मेमोरियल अंडर-19 एवं अंडर-13 शतरंज प्रतियोगिता 13 अप्रैल से शुरू होगी। सीताराम रुंगटा रीक्रिएशन हॉल (टाउन क्लब) में होने वाली एकदिवसीय प्रतियोगिता में छह चक्र का खेल 10 मिनट प्लस 5 सेकंड इंक्रीमेंट के साथ खेला जाएगा। वर्गीज कोसी टाटा कॉलेज के छात्र रहे हैं। उन्हें विश्व शतरंज संघ से अंतरराष्ट्रीय मास्टर का खिताब मिला था। उनका निधन पिछले वर्ष चेन्नई में हुआ था।

अनुमंडल अस्पताल में लगी अल्ट्रासाउंड मशीन

CHAKRADHARPUR : चक्रधरपुर के अनुमंडल अस्पताल में

अल्ट्रासाउंड मशीन लगा दी गई है। अब इसका लाभ जल्द मिलेगा। अनुमंडल अस्पताल के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. अंशुमन शर्मा ने बताया कि चक्रधरपुर अनुमंडल क्षेत्र के लिए यह एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उदघाटन के पश्चात सिर्फ गर्भवती महिलाओं को ही सुविधा मिलेगी।

सारंडा में नक्सली मुठभेड़ : आईईडी ब्लास्ट में जवान शहीद, एक घायल

पश्चिमी सिंहभूम के जराईकेला थाना क्षेत्र में दोपहर 2.30 बजे हुई भिड़ंत

RAJESHWAR PANDEY CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के नक्सल प्रभावित क्षेत्र जराईकेला में शनिवार को सुरक्षाबलों व नक्सलियों में मुठभेड़ हो गई, जिसमें एक जवान शहीद हो गया, जबकि दूसरा जवान घायल है। दोपहर करीब 2.30 बजे राधापोरा जंगल में हुई मुठभेड़ के दौरान नक्सलियों ने घात लगाकर आईईडी विस्फोट कर दिया, जिसमें झारखंड जगुआर के कांस्टेबल सुनील धान गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उन्होंने इलाज के दौरान रांची में दम तोड़ दिया। वहीं कोबरा-203 बटालियन के हेड कांस्टेबल विष्णु सैनी भी इस विस्फोट में घायल हुए हैं। उनका इलाज रांची में चल रहा है।

पश्चिम कोल्हान रेंज के डीआईजी मनोज रतन चौथे ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर जराईकेला थाना क्षेत्र के राधापोरा जंगल में सुरक्षाबलों द्वारा सघन सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा था। इसी दौरान घात लगाए नक्सलियों से मुठभेड़ हो गई। दोनों ओर से कई राउंड गोलियां चलीं। मुठभेड़ के बीच ही नक्सलियों ने आईईडी विस्फोट कर सुरक्षाबलों को भारी नुकसान पहुंचाने की कोशिश की।

घायल जवानों को हेलीकॉप्टर से ले जाते सुरक्षाबल

शहीद को दी श्रद्धांजलि

झारखंड पुलिस और सुरक्षा बलों ने कांस्टेबल सुनील धान को श्रद्धांजलि दी है, जिनकी वीरगति ने एक बार फिर दिखा दिया कि नक्सलवाद के खिलाफ यह लड़ाई आसान नहीं है, लेकिन सुरक्षाबल अपने बलिदान से इस चुनौती का डटकर सामना कर रहे हैं।

शहीद सुनील धान

लगातार तेज हो रहा नक्सल विरोधी अभियान

पश्चिमी सिंहभूम के सारंडा, पोड़ाहाट और कोल्हान के अन्य जंगल लंबे समय से नक्सल प्रभावित रहे हैं। हाल के महीनों में राज्य और केंद्र सरकार के संयुक्त प्रयासों से यहां नक्सल विरोधी अभियान तेजी से चलाया जा रहा है। सुरक्षा बलों को कई महत्वपूर्ण सफलताएं भी मिली हैं, कई नक्सली कैंप नष्ट किए गए हैं और भारी मात्रा में हथियार, गोला-बारूद व विस्फोटक बरामद किए गए हैं।

नक्सली हमले फिर भी जारी

इन अभियानों से बौखलाए नक्सली अब बार-बार आईईडी विस्फोटों का सहारा ले रहे हैं। हाल के महीनों में ऐसी कई घटनाएं हुई हैं, जिनमें सुरक्षाबलों को निशाना बनाने की कोशिश की गई है। बावजूद इसके, सुरक्षाबल पूरे साहस के साथ नक्सलियों के खिलाफ अभियान जारी रखे हुए हैं।

हवाई मार्ग से रांची लाए गए घायल जवान

घटना के तुरंत बाद घायल दोनों जवानों को प्राथमिक उपचार के बाद हेलीकॉप्टर के जरिए रांची ले जाया गया। लेकिन, झारखंड जगुआर के कांस्टेबल सुनील धान की हालत नाजुक बनी रही और इलाज के दौरान वे वीरगति को प्राप्त हुए, जिससे पूरे पुलिस विभाग में शोक की लहर दौड़ गई है।

पश्चिमी सिंहभूम में बड़े नक्सली नेता सक्रिय

नक्सली संगठन भाकपा (माओवादी) के शीर्ष नेता मिसिर बेसरा, अनमोल, मोछु, अनल, असीम मंडल, अजय महतो, सागेन अंगरिया, अश्विन, पिंटु लोहरा, चंदन लोडरा, अमित डांसदा उर्फ अपटन, जयकांत और रापा मुंडा के नेतृत्व में माओवादी दस्ता पश्चिम सिंहभूम जिले के सारंडा और कोल्हान क्षेत्र में विध्वंसक गतिविधियों को अंजाम देने के इरादे से सक्रिय हैं। इसे लेकर घोर नक्सल प्रभावित इलाकों में बीते 4 मार्च से छोटानागरा और जराईकेला थाना क्षेत्र के सीमावर्ती जंगलों और पहाड़ी इलाकों में विशेष संयुक्त अभियान शुरू किया गया है। चाईबासा पुलिस, कोबरा 203 एवं 209 बटालियन, झारखंड जगुआर और सीआरपीएफ की 26, 60, 134, 174, 193 और 197 बटालियनों के साथ एक संयुक्त अभियान दल गठित कर सघन सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है।

राजनीति की जमीन पर फिर गरमाया शिलापट विवाद, सरयू राय व बन्ना गुप्ता आमने-सामने

PHOTON NEWS JSR : जमशेदपुर की सियासी फिजा एक बार फिर शिलापट को लेकर तप रही है। जमशेदपुर पश्चिम के मौजूदा विधायक सरयू राय और पूर्व विधायक बन्ना गुप्ता एक बार फिर आमने-सामने आ गए हैं। इस बार विवाद की जड़ है- विकास योजनाओं पर लगे शिलापट और उस पर दर्ज नाम। कांग्रेस की जिला इकाई ने पूर्व विधायक बन्ना गुप्ता के समर्थन में मोर्चा खोल दिया है। जिला अध्यक्ष आनंद बिहारी दुबे की अगुवाई में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने शनिवार को साकची स्थित डीसी ऑफिस पर जोरदार प्रदर्शन किया। आरोप लगाया गया है कि जिन योजनाओं का शिलान्यास बन्ना गुप्ता ने अपने कार्यकाल में वर्ष 2024 के जुलाई और अगस्त में किया था, उन्हीं योजनाओं पर अब विधायक सरयू राय ने अधिकारियों से मिलीभगत कर अपने नाम का शिलापट लगवा दिया है। कांग्रेस का कहना है कि यह न सिर्फ एक जनप्रतिनिधि के योगदान का अपमान है, बल्कि राजनीतिक षड्यंत्र का हिस्सा भी है। कांग्रेसियों ने आरोप लगाया कि मानगो नगर निगम और जमशेदपुर अधिसूचित क्षेत्र समिति के कुछ अधिकारी भी इस ₹षड्यंत्र₹ में शामिल हैं। कांग्रेस ने साफ चेतावनी दी है कि अगर जल्द ही इन योजनाओं पर बन्ना गुप्ता का नाम नहीं जोड़ा गया, तो वे सड़कों पर उतरकर खुद शिलापट लगाएंगे। जिला अध्यक्ष दुबे ने प्रशासन को एक सप्ताह का अल्टीमेटम दिया है। उन्होंने कहा कि जनता जानती है कि ये योजनाएं किसकी देन हैं और अगर प्रशासन ने आंख मूंदी, तो कांग्रेस इसका करारा जवाब देगी। इस पूरे मामले ने न सिर्फ राजनीतिक माहौल को गरमा दिया है, बल्कि चुनावी समीकरणों को भी प्रभावित करने की संभावना बन गई है।

उपायुक्त कार्यालय के समक्ष प्रदर्शन करते कांग्रेस कार्यकर्ता ● फोटोन न्यूज

शिक्षक के खिलाफ दर्ज हुआ एससी-एसटी एक्ट में केस, शिक्षकों का प्रदर्शन

JAMSHEDPUR : पश्चिमी सिंहभूम के सहायक शिक्षक अजय कुमार महतो पर दर्ज फर्जी एससी-एसटी एक्ट केस और निलंबन के विरोध में पूर्वी सिंहभूम जिले के शिक्षकों ने सोमवार को प्रदर्शन किया। शिक्षकों ने मूल्यांकन केंद्रों पर काला बिल्ला लगाकर विरोध जताया। प्रदर्शन के दौरान उत्तरपुस्तिकाओं की जांच का कार्य भी जारी रखा। शिक्षकों ने दो मांगें रखीं। पहली, अजय कुमार महतो का निलंबन तुरंत रद्द किया जाए। दूसरी, उनके खिलाफ दर्ज एफआईआर वापस ली जाए। प्रदर्शन में पश्चिमी सिंहभूम और पूर्वी सिंहभूम दोनों जिलों के शिक्षक शामिल हुए। शिक्षकों ने कहा कि अजय महतो निर्दोष हैं। उन्हें झूठे केस में फंसाया गया है। यह न सिर्फ उनके सम्मान पर चोट है, बल्कि पूरे शिक्षक समुदाय के आत्म-सम्मान पर हमला है।

शादी का झांसा देकर युवती से यौन शोषण, आरोपी गिरफ्तार

JAMSHEDPUR : जादूगोड़ा थाना क्षेत्र से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां नारायणपुर गांव के निवासी धीरज महतो उर्फ बंटी महतो पर एक युवती के साथ शादी का झांसा देकर यौन शोषण और मारपीट करने का आरोप लगा है। पीड़िता ने पुलिस को दिए अपने बयान में बताया कि आरोपी ने पहले उससे शादी का वादा किया, फिर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए और बाद में मारपीट भी की। यह मामला जादूगोड़ा थाना में कांड संख्या 23/25 के तहत दर्ज किया गया है। पीड़िता और आरोपी एक-दूसरे के पड़ोसी हैं, जिससे यह मामला और भी संवेदनशील बन जाता है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए धीरज महतो को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में घाटशिला जेल भेज दिया है। जादूगोड़ा पुलिस ने बताया कि पीड़िता के बयान के आधार पर सारे सबूत जुटाए गए हैं और आरोपी के खिलाफ गंभीर धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गई है। इस मामले ने स्थानीय क्षेत्र में सनसनी फैला दी है और लोग आरोपी को सख्त सजा की मांग कर रहे हैं। इस घटना से यह साफ होता है कि महिलाओं के खिलाफ अपराध को लेकर अब लोग अधिक जागरूक हो रहे हैं और पीड़िताएं भी सामने आकर अपनी आवाज उठा रही हैं। पुलिस प्रशासन की तत्परता से पीड़िता को न्याय मिलने की उम्मीद जगी है।

नशीली दवाओं की बड़ी खेप के साथ दो युवक गिरफ्तार

पत्रकारों को मामले की जानकारी देते सिटी एसपी कुमार शिवाशीष

JAMSHEDPUR : बिष्टुपुर थाना पुलिस ने नशीली दवाओं की तस्करी में शामिल दो युवकों को गिरफ्तार कर एक बड़ी सफलता हासिल की है। शनिवार को सिटी एसपी कुमार शिवाशीष ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि पकड़े गए युवकों के पास से 475 शीशी विनसेरेक्स कफ सिरप और 90 नाइट्रोसन टैबलेट बरामद की गई हैं। इन दवाओं का इस्तेमाल नशे के रूप में किया जाता है, और खासकर आपराधिक प्रवृत्ति के युवक इसका उपयोग अपराध को अंजाम देने से पहले करते हैं।

दोनों युवक भोजपुर के रहने वाले

एसएसपी किशोर कौशल को सूचना मिली थी कि कुछ युवक खरकाई रोड से बिष्टुपुर के रीगल चौक की ओर एक सुपर स्प्लेंडर बाइक से नशीली दवाएं लेकर जा रहे हैं। इसी आधार पर बिष्टुपुर थाना पुलिस ने टीम बनाकर कार्रवाई की और दोनों युवकों को धर दबोचा। गिरफ्तार युवकों की पहचान बिहार के भोजपुर निवासी चंदन कुमार पांडे उर्फ अमित कुमार पांडे उर्फ नारायण और रवि रंजन चौधरी उर्फ विष्णु कुमार के रूप में हुई है।

मानगो में पेयजल समस्या होने पर करें कॉल

JAMSHEDPUR : पूर्वी सिंहभूम जिले के मानगो नगर निगम अंतर्गत मिल रही पेयजल संबंधी समस्या-शिकायतों के त्वरित निष्पादन करने के लिए फोन नंबर जारी किया गया है। आम लोगों को 8603533700 (ए.ई) से फोन नंबर पर संपर्क करने को कहा गया है। यदि इस नंबर पर संपर्क नहीं हो रहा हो तो वरीय पदाधिकारी के फोन नंबर 9263531141 पर संपर्क करने को कहा गया है।

इसे लेकर उपायुक्त अनन्य मित्तल ने टास्क फोर्स का गठन किया है। परियोजना निदेशक, आईटीडीए दीपांकर चौधरी की अध्यक्षता वाली टीम में उपनगर आयुक्त, मानगो नगर निगम, कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, यांत्रिक प्रमंडल, जमशेदपुर तथा कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, आदित्यपुर शामिल किए गए हैं। उपायुक्त ने टास्क फोर्स को निर्देशित किया है कि मानगो नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत प्राप्त हो रही पेयजल संबंधी समस्याओं-शिकायतों पर आपसी समन्वय स्थापित करते हुए यथाशीघ्र निष्पादन करें, ताकि आमजनों को सुचारू रूप से पेयजल की सुविधा उपलब्ध हो सके।

समाहरणालय से निकला पोषण जागरूकता रथ, गांव-गांव घूमकर करेगा जागृत

PHOTON NEWS JSR: झारखंड सहित पूर्वी सिंहभूम जिला में 8 से 22 अप्रैल तक पोषण पखवाड़ा मनाया जा रहा है। इसी क्रम में समाहरणालय परिसर से शनिवार को पोषण जागरूकता रथ निकला, जिसे उपविकास आयुक्त अनिकेत सचान तथा धालभूम की अनुमंडल पदाधिकारी शताब्दी मजूमदार ने रवाना किया। इस मौके पर उपविकास आयुक्त ने जिला समाज कल्याण पदाधिकारी से पोषण पखवाड़ा के तहत किए जा रहे कार्यों एवं जागरूकता रथ के रोस्टर के संबंध में जानकारी ली। जागरूकता रथ प्रखंड के सुदूरवर्ती क्षेत्रों में जाकर ग्रामीणों को पोषण पखवाड़ा के उद्देश्यों की जानकारी देगा, जिसमें बच्चों के जीवन के प्रथम सुनहरे 1000 दिवस पर ध्यान, पोषण ट्रैकर में लाभार्थी मॉड्यूल का प्रचार-प्रसार, समुदाय स्तर पर कुपोषण प्रबंधन, बच्चों में मोटापे के समाधान के लिए स्वस्थ जीवनशैली आदि शामिल हैं।

पोषण जागरूकता के लिए स्कूटी पर निकलीं आंगनबाड़ी सेविकाएं

पोषण पखवाड़ा से संबंधित दिलाई गई शपथ

इस मौके पर समाहरणालय परिसर में उपविकास आयुक्त ने सभी को पोषण पखवाड़ा की शपथ दिलाई। सभी ने शपथ लिया कि भारत के बच्चों, किशोरों और महिलाओं को कुपोषण मुक्त, स्वस्थ और मजबूत करने, राष्ट्रीय पोषण पखवाड़ा के दौरान में हर घर तक सही पोषण का संदेश पहुंचाने, सही पोषण का अर्थ, पौष्टिक आहार, साफ पानी और सही प्रथाएं, पोषण अभियान को एक देशव्यापी जन आंदोलन बनाने, हर घर, हर विद्यालय, हर गांव, हर शहर में सही पोषण की गूंज उठाने, इस जन आंदोलन से मेरे भारतीय भाई और बहन और सब बच्चे स्वस्थ होंगे और पूरी क्षमता प्राप्त करने, हम बाल विवाह नहीं करेंगे व हम ऐसे किसी आयोजन में शामिल नहीं होंगे, जहां बाल विवाह हो रहा हो और हम यह प्रण करते हैं कि इसकी रोकथाम के लिए हरसंभव प्रयास करेंगे, जिससे हर बच्चा सुरक्षित और शिक्षित हो सके।

चैत्र मेले में नंगे पाव दहकते अंगारों पर चलकर एवं कांटों पर लेटकर भक्त दिखाते हैं भक्ति, उमड़ती है श्रद्धालुओं की भीड़

आज से लगेगा राजकीय केरा मेला, प्रशासन ने किए पुख्ता इंतजाम

CHAKRADHARPUR : पश्चिमी सिंहभूम में संजय नदी किनारे पुरानी बस्ती स्थित मां पाउड़ी मंदिर और केरा मंदिर में रविवार है मेला लगेगा।इन देवियों पर सदियों से लोगों की अटूट आस्था रही है। इसका दर्शन करने के लिए दूरदराज से भक्त पहुंचते हैं। इतना ही नहीं प्रत्येक गुरुवार को मंदिर में विशेष पूजा भी होती है। वहीं महीने के अंतिम गुरुवार को श्रद्धालुओं में खिचड़ी के भोग का वितरण किया जाता है। ये राजघराने की कुलदेवी मानी जाती हैं। मान्यता है कि मां पाउड़ी के आशीर्वाद से भक्तों की सभी मन्नतें पूर्ण होती हैं। इस कारण पाउड़ी मंदिर आस्था का केंद्र बना हुआ है। बता दें कि 1260 में सिंहभूम के राजा और भुईयां समुदाय के लोगों ने राजघराने की स्थापना के साथ ही मां पाउड़ी की पूजा अर्चना आरंभ की थी।

मेला के लिए सज-धजकर तैयार हुआ मंदिर परिसर व मां पाउड़ी ● फोटोन न्यूज

शहर के पुरानी बस्ती से सटे कण - कण बहती संजय नदी के किनारे स्थित पाउड़ी स्थल में 1971 में माता की प्रतिमा के रूप में शिला स्थापित की गई। इसके पहले यह झाड़ियों और पेड़ों से घिरा वीरान क्षेत्र था। दरअसल 1969 में समाजसेवी सह पाउड़ी माता के भक्त मन्मथ कुमार सिंह को माता ने स्वप्न में मंदिर निर्माण कर प्रचार-प्रसार करने का निर्देश दिया था। बताया जाता है कि मन्मथ कुमार सिंह को माता के आदेश को पूरा करने में पूरे दो साल लगे थे। पुरानी बस्ती के निवासियों के सहयोग से और पूर्व सांसद स्वर्गीय रुद्र प्रताप षाड़ंगी के साथ 1971 में मां पाउड़ी मंदिर की स्थापना हुई। बिना प्रतिमा के दो सालों तक पूजा हुई। बिना प्रतिमा के शिला की दो वर्षों तक पूजा होती रही। 1973 में कंसरा के घने जंगल के कुईतुका खदान से लाए गए पत्थर से प्रतिमा का निर्माण किया गया। मूर्तिकार कन्हैया साहू ने प्रतिमा का निर्माण किया। पाउड़ी मां, केरा व कंसरा मां की बहन हैं।

1971 में बना मां पाउड़ी मंदिर

हर साल होता है चैत्र मेले का आयोजन

1971 से मां पाउड़ी की पूजा के अवसर पर चैत्र मेले का आयोजन होता रहा है। पाउड़ी स्थल के लिए निकलने वाली घट यात्रा पाट पीढ़ा तक लायी जाती है। कालिका दर्शन के दिन पाट पीढ़ा में बलि भी चढ़ाई जाती है। इसके बाद घट यात्रा मां पाउड़ी मंदिर पहुंचता है।

पूरी हो चुकी है मेला की तैयारी

मां पाउड़ी मंदिर में पांच दिनों तक देर शाम को घट यात्रा निकलता है। इस साल 10 अप्रैल की शाम मुक्तिनाथ धाम घाट से शुभ घट यात्रा, 11 अप्रैल को यात्रा घट, 12 अप्रैल को वृंदावन घाट निकला। जबकि 13 अप्रैल को सुबह मंदिर में मेलू (जलाभिषेक), शाम को गरियाभार एवं रात्रि में मंदिर परिसर में छऊ नृत्य और 14 अप्रैल की सुबह कालिका घट निकलेगा। वहीं मंदिर परिसर में मेला का आयोजन होगा।

सरायकेला राजघराने के कुंवर ने कर ली थी प्रतिमा चोरी

1802 में सरायकेला राजघराने के कुंवर विक्रम सिंह एक रात पोड़ाहाट से राजघराने की इष्ट देवी की मूर्ति चुराकर भाग निकले। लेकिन इस दौरान चक्रधरपुर के बलिया घाट के समीप ईष्ट देवी पाउड़ी मां का आसन 'पाट पीढ़ा' गिर पड़ा। तत्कालीन राजा ने माता के इस आसन को अपने राजबाड़ी के समीप स्थापित कराया।

सिंहभूम के राजा ने स्थापित की थी मां पाउड़ी की मूर्ति

सिंहभूम के राजा ने मां पाउड़ी की मूर्ति की स्थापना शक्ति की अधिष्ठात्री देवी के रुप में की थी। इसके बाद राजा अच्युता सिंह ने पोड़ाहाट में मां पाउड़ी की मूर्ति स्थापित की। पोड़ाहाट में सबसे पहले राज परिवार द्वारा बांसकाटा डैम के समीप मां पाउड़ी की पूजा की जाती थी। कालांतर में पोड़ाहाट राजघराने की राजधानी चक्रधरपुर बनाई गई।

3 करोड़ रुपये की लागत से बनेगी गुड़ासाई-सोमरा सड़क

सड़क का भूमि पूजन करते विधायक प्रतिनिधि ● फोटोन न्यूज

CHAKRADHARPUR : पश्चिमी सिंहभूम जिले में चक्रधरपुर प्रखंड के गुड़ासाई आरईओ मुख्य पथ चौक से सोमरा तक जाने वाली महत्वपूर्ण सड़क बहुत जल्द बनेगी। सड़क निर्माण का शनिवार को भूमिपूजन किया गया। इस अवसर पर विधायक प्रतिनिधि पीरू हेम्ब्रम और झामुमो प्रखंड अध्यक्ष सन्नी उरांव भी उपस्थित थे। सड़क का निर्माण ग्रामीण अभियंत्रण संगठन (आरईओ) विभाग द्वारा किया जाएगा। यह सड़क आरईओ मुख्य पथ चौक से शुरू होकर सोमरा तक 4.40 किलोमीटर की दूरी तय करेगी। इस परियोजना की कुल लागत 3 करोड़ 7 लाख रुपये है। इस मौके पर जिला परिषद की सदस्य मीना जोंको, मुखिया प्रतिनिधि दयासागर केराई, झामुमो नेता प्रदीप महतो, सिंगराय जोंको, प्रेम जामुदा, मोहन जामुदा, बोदा जामुदा, राजू जामुदा समेत काफी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

युवती की गोली मारकर हत्या, शव को जलाने का प्रयास

कर्रा थाना क्षेत्र के मुरहू रेलवे फाटक के पास झोपड़ी में थी महिला

AGENCY KHUNTI : कर्रा थाना के लोधमा ओपी क्षेत्र के मुरहू रेलवे फाटक के पास पार टांड नामक स्थान पर प्लास्टिक की बनी झोपड़ी में एक अज्ञात युवती की माथे पर गोली मारकर और गला रेतकर हत्या करने का मामला शनिवार को प्रकाश में आया है। स्थानीय लोगों ने आशंका जताते हुए कहा है कि हत्या के पहले संभवतःदुष्कर्म किया गया होगा और पहचान छिपाने के लिए अपराधियों ने शव को जलाने का प्रयास भी किया। घटना की सूचना मिलने पर कर्रा थाना की पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और मामले की जानकारी ली। युवती के माथे से गोली आरपार हो गई है। घटनास्थल पर मौजूद पुलिस अधिकारियों और ग्रामीणों ने शव की स्थिति को देखते हुए यह भी संभावना जताई है कि युवती के साथ हत्या से पहले दुष्कर्म किया गया होगा। फिलहाल पुलिस ने वैज्ञानिक तरीकों और तकनीकी माध्यम से केस का खुलासा करने में जुटी है। फिलहाल शव की शिनाख्त नहीं हो सकी है।

घटनास्थल पर जुटे लोग व इनसेट में मृतक ● फोटोन न्यूज

ग्रामीणों की भीड़ मौके पर जुटी, लेकिन युवती की पहचान नहीं

घटना के बाद ग्रामीणों की मौके पर भीड़ जुटी हुई है। आसपास के लोगों से पहचान करने पर किसी ने भी युवती की पहचान नहीं की। इससे यह अंदेशा भी जताया जा रहा है कि मृतका स्थानीय नहीं, बल्कि बाहर की हो सकती है और हत्यारे इलाके से परिचित रहे हों। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल खूंटी भेज दिया है और युवती की शिनाख्त की कोशिशें जारी हैं। स्थानीय लोगों के बीच यह चर्चा है कि मामला प्रेम-प्रसंग से भी जुड़ा हो सकता है।

सुनसान स्थान पर दिया गया घटना को अंजाम

घटना शुक्रवार देर रात की बताई जा रही है। यह इलाका काफी सुनसान और जंगल से सटा है, जहां शव मिला है। वह निमाय महतो के खलियान पर प्लास्टिक से बनी झोपड़ी है। इस स्थान से आधा किलोमीटर के दायरे में कोई घर नहीं है।

पांच दिन पहले तोरपा में भी मिला था अधजला शव

उल्लेखनीय है कि आठ अप्रैल को इसी जिले के तोरपा थाना क्षेत्र के कुल्डा जंगल में भी एक युवती का अधजला शव बरामद किया गया था। अब तक उस युवती की भी पहचान नहीं हो सकी है। लगातार सामने आ रही इस तरह की घटनाओं से क्षेत्र में दहशत और चिंता का माहौल है।

सड़क दुर्घटना में एक की हुई मौत ग्रामीणों ने लगा दी डंपर में आग

LATEHAR : जिले के बालूमाथ थाना क्षेत्र अंतर्गत हरिजन टोला के पास शुक्रवार रात अज्ञात वाहन की चपेट में आने से बाइक सवार रमेश उरांव (38) की मौत हो गई। इस घटना के विरोध में नाराज लोगों ने कोयला परिवहन में लगे एक हाइवा को जला दिया। मृतक रमेश उरांव हेरहंज थाना क्षेत्र के लावागड़ा गांव का रहने वाला था। मिली जानकारी के अनुसार रमेश उरांव किसी काम से बालूमाथ गया था। शुक्रवार की रात वह बाइक पर सवार होकर अपने गांव लौट रहा था। इसी दौरान हरिजनटोला के पास एक अज्ञात वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी जिससे बाइक पर सवार रमेश उरांव की मौत घटनास्थल पर ही हो गई।घटना के बाद नाराज लोगों ने सड़क जाम कर दिया। वहीं, कोयला परिवहन में लगे एक हाइवा में आग लगा दिया। आग लगने के कारण गाड़ी पूरी तरह चल गई। घटना की जानकारी मिलने के बाद डीएसपी विनोद रवानी के नेतृत्व में पुलिस की टीम घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस ने काफी मशक्कत के बाद लोगों को समझाकर सड़क जाम हटवाया। इसके बाद पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में ले लिया। हालांकि पुलिस के जरिये गाड़ी में लगी आग पर भी काबू पाने का प्रयास किया गया । लेकिन आग भीषण रूप ले लिया था। इस कारण गाड़ी पूरी तरह जल गयी। इस संबंध में पुलिस अधिकारियों ने बताया कि पुलिस पूरे मामले की छानबीन कर रही है, जिस गाड़ी से दुर्घटना हुई है उसकी भी पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। ग्रामीणों का कहना था कि मृतक के परिजनों को तत्काल मुआवजा दिया जाए। वहीं अनियंत्रित वाहनों की गति सीमा को निर्धारित करते हुए उस गति सीमा को पूरी कड़ाई से लागू किया जाए।

एनएच-98 पर लगातार हो रहा हादसा, एक और युवक की मौत

PALAMU : मेदिनीनगर-औरंगाबाद मार्ग नेशनल हाईवे 98 पर लगातार दुर्घटना हो रहा है, जिसमें अधिकतर बाइक सवार युवकों की मौत हो रही है। छतरपुर थाना क्षेत्र में शुक्रवार की दोपहर सड़क हादसे में अंकुश नामक युवक की जान चली गई थी। इस घटना के आठ घंटे बाद फिर छतरपुर इलाके में दुर्घटना हुआ और एक युवक की मौत हो गई और एक जख्मी हो गया। घटना देर रात की है। घटना डाली मोड में एनएच पर हुई। एक ट्रेलर ने बाइक को अपने चपेट में ले लिया और सवार को कुचल दिया। एक बाइक सवार की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान पड़वा थाना क्षेत्र के कठौतिया गांव निवासी विनय साव का 24 वर्षीय पुत्र अंकुश कुमार के रूप में हुई, जबकि बाइक पर बैठा पाटन के ही सिक्का पालहे निवासी बलराम मेहता का पुत्र पंकज मेहता गंभीर रूप से घायल हो गया। जख्मी युवक को उस रास्ते से गुजर रहे एक कार सवार ने अपनी गाड़ी में लाद कर अनुमंडलीय अस्पताल छतरपुर पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार करने के बाद बेहतर इलाज के लिए एमआरएमसीएच मेदनीनगर रेफर कर दिया। घटना के बाद ट्रक छोड़कर ड्राइवर और खलासी भाग निकले। पुलिस ने ट्रक के पहिए के नीचे दबे शव को निकलवा कर पोस्टमार्टम के लिए एमआरएमसीएच में भेजा। इधर घटना के बाद से परिजनों का रो रो कर बुरा हाल बना हुआ है। परिजनों के अनुसार अंकुश कोचिंग चलाता था। डाली गांव में कोचिंग खोलने के लिए साइड देखने गया था। वहां से लौटने के क्रम में दुर्घटना का शिकार हो गया।

BRIEF NEWS

छात्राओं को दी गई पोषण एप की जानकारी

LATEHAR : पोषण पखवाड़ा के तहत गांधी इंटर कॉलेज, लातेहार में विभाग स्तर से गतिविधियों के कैलेंडर के अनुरूप लाभार्थी पंजीयन कार्यक्रम कराया गया। उपस्थित छात्राओं को जिला के निशांत शर्मा द्वारा व्यक्तिगत जानकारी पोषण ट्रैकर एप में कैसे अपलोड करें। इसमें बताया गया की लाभार्थी पंजीयन का कार्य सभी किशोरी अपने अपने मोबाइल से कर सकती हैं। पोषण पखवाड़ा के तहत आंगनबाड़ी केंद्र अमवाटीकर लातेहार में विभाग स्तर से गतिविधियों के कैलेंडर के अनुरूप टीकाकरण एवं टीएचआर वितरण कार्यक्रम कराया गया। उपस्थित गर्भवती, धात्री माता तथा छात्राओं से पोषण से संबंधित सवाल-जवाब भी किए गए। इस मौके पर महिला पर्यवेक्षिका भी उपस्थित थीं।

विस्थापितों के लिए चार समिति गठित करने का निर्णय

HAZARIBAG : एनटीपीसी कोल खनन परियोजना के विस्थापितों की समस्या के समाधान के लिए तीन से चार समितियां गठित करने का निर्णय लिया गया है। उतरी छोटानागपुर के प्रमंडलीय आयुक्त पवन कुमार ने हजारीबाग जिले के बड़कागांव विधानसभा क्षेत्र में संचालित एनटीपीसी कोल खनन परियोजना के विस्थापितों की समस्या के समाधान के लिए हुई बैठक में कहा कि जिन लोगों की जमीन पर खनन परियोजना का कार्य हो रहा है, उन्हें अपनी आजीविका, भूमि और प्राकृतिक संसाधनों से जुड़ी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। ऐसे में यह जरूरी है कि विकास के सभी पहलुओं में उनके हितों का भी ध्यान रखा जाए। साथ ही, उन्हें उचित मुआवजा, रोजगार के अवसर और संभावित भूमि पुनर्वास जैसे विकल्प प्रदान किए जाएं।

हनुमान जयंती पर भक्ति में डूबे रहे श्रद्धालु

PALAMU : पलामू जिले में हनुमान जयंती पर शनिवार को श्रद्धालु भक्ति में डूबे रहें। जगह जगह स्थापित हनुमान मंदिर में भंडारा, हनुमान चालीसा एवं पूजापाठ का दौर चला। मुख्य बाजार स्थित संकट मोचन हनुमान मंदिर एवं प्रधान डाकघर स्थित नीम हनुमान मंदिर में भव्य भंडारा का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। भंडारा प्रसाद लेने के लिए लोगों की लंबी लाइन नजर आयी। इससे पहले दोपहर 12 बजे भव्य आरती हुई। इसके साथ ही भंडारा की शुरूआत हुई और देर शाम तक प्रसाद का वितरण किया गया। प्रसाद लेने के लिए लोग लंबी लाइन में लगे नजर आए। चैत्र मास की पूर्णिमा तिथि को हनुमान का जन्मोत्सव मनाया गया। मुख्य बाजार स्थित श्री संकट मोचन महावीर मंदिर में बजरंगबली की विशेष पूजा-अर्चना की गई। बजरंगबली की प्रतिमा का विशेष पुष्प श्रृंगार किया गया।

बड़ाम बाबा की पूजा में उमड़े सैकड़ों भक्त

GHATSILA : घाटशिला के राजस्टेट मैदान में शनिवार को बड़ाम बाबा की पूजा हुई, जिसमें सैकड़ों भक्त उमड़े। घाटशिला थाने के समीप से घट लेकर पुजारी के नेतृत्व में बड़ाबांध तालाब से श्रद्धालु निकले। इस दौरान कई युवकों के शरीर पर बड़ाम बाबा सवार थे। जिस पर देवता का अंश था, वे अपने आप को सबाई घास से बने चाबुक से अपने शरीर पर वार करते जा रहे थे। एक-एक युवक को पकड़ने के लिए चार-पांच युवक लगे थे। दर्जनों महिलाएं, जिन पर देवी-देवताओ का अंश था, वह झूमते हुए चल रही थीं। घट यात्रा में शामिल पुजारी एवं युवक, महिला, युवती के स्वागत के लिए दर्जनों महिलाएं कई स्थानों पर हल्दी-पानी, फूल, अगरबत्ती आदि लेकर खड़ी थीं। पुजारी के पहुंचने पर सभी महिलाओं ने हल्दी के पानी से पहले पैर धुला, उसके बाद माला पहनाकर आरती उतारी।

पतरातू थाना प्रभारी के खिलाफ सीएम सहित डीजीपी तक पहुंचाई शिकायत

लाल ईंट भट्ठा के संचालन में सांठ-गांठ का लगाया आरोप, कार्रवाई की मांग

AGENCY RAMGARH : रामगढ़ जिले के पतरातू थाना क्षेत्र में अवैध बंगला (लाल) ईंट भट्ठा का संचालन सुप्रीम कोर्ट और एनजीटी के आदेश के उल्लंघन के साथ हो रहा है। सबसे बड़ी बात यह है कि इस अवैध बंगला ईंट भट्ठा के संचालन में पतरातू थाना प्रभारी का भी हाथ है। इस मामले की शिकायत सीधे मुख्यमंत्री से की गई है। पतरातू थाना क्षेत्र के गांधीनगर, शाह कॉलोनी निवासी मनीष कुमार ने मुख्यमंत्री को आवेदन देकर पूरे मामले पर कार्रवाई करने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा है कि सुप्रीम कोर्ट एवं नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के आदेश का उल्लंघन कर पतरातू थाना क्षेत्र में अवैध बांग्ला ईंट भट्ठा का संचालन किया जा रहा है। पतरातू लाइनपार बरवाटोला और किरीगढ़ा में पिछले 10 वर्षों से अवैध बांग्ला भट्ठा संचालक सूरज साहू के द्वारा यह कार्य किया जा रहा है। इसकी शिकायत झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण परिषद और प्रधान मुख्य वन संरक्षक से की गई थी। मनीष कुमार ने मुख्यमंत्री के अलावा, राज्यपाल, झारखंड सरकार के गृह सचिव, मुख्य सचिव और डीजीपी का भी ध्यान एक इस और आकृष्ट कराया है।

जांच में सही पाई गई शिकायत, कार्रवाई की हुई थी अनुशंसा

शिकायतकर्ता मनीष कुमार ने मुख्यमंत्री को बताया कि उनकी शिकायत पर 25 फरवरी 2025 को झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण परिषद के द्वारा अवैध बांग्ला ईंट भट्ठों के स्थल की जांच की गई। इस दौरान जांच पदाधिकारी ने शिकायत को सत्य पाया एवं कई गड़बड़ियों को उजागर किया। उनके द्वारा अवैध बांग्ला ईंट भट्ठा संचालक के खिलाफ शो कॉज और कानूनी कार्रवाई करने की अनुशंसा की गई। जिसकी प्रतिलिपि थाना प्रभारी पतरातु थाना प्रभारी को दी गई थी।

पतरातू थाना गेट पर ही जांच अधिकारियों के साथ हुई धक्का-मुक्की

शिकायतकर्ता ने मुख्यमंत्री को बताया कि 21 फरवरी को जब राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारी जांच करने पतरातू पहुंचे तो वहां अवैध ईंट भट्ठा संचालक सूरज साहू के द्वारा उनके साथ थाना गेट पर ही बदसलूकी की गई थी। उन लोगों ने जांच अधिकारियों के साथ गाली गलौज और धक्का मुक्की कर जान से मरवाने की धमकी दी। पतरातू थाना को लिखित रूप से घटना की जानकारी दी गई। लेकिन घटना के 10 दिन बाद 3 मार्च को पतरातू थाना प्रभारी द्वारा अप्राथमिक संख्या 8/25 बीएनएस की धारा 126 के तहत कार्रवाई की गई।

ईंट भट्ठा की आड़ में होती है कोयले की तस्करी

शिकायतकर्ता मनीष कुमार ने मुख्यमंत्री को बताया कि अवैध बांग्ला ईंट भट्ठा संचालक सूरज साहू भट्ठा की आड़ में कोयले की तस्करी करता है। 25 दिसंबर 2024 को भी उन्होंने इस मामले की शिकायत की थी। उन्होंने बताया था कि भट्ठा की आड़ में अवैध कोयले को स्टॉक का टर्बो ट्रक से कोयले के ऊपर ईंट रखकर कोयले को रांची में खपाया जा रहा है।

पुलिस गिरफ्त में आरोपी ● फोटोन न्यूज

बीएसएल प्लांट में चोरी करते तीन चोर गिरफ्तार

BOKARO : बोकारो प्लांट में चोरी करते हुए तीन चोरों को चोरी करते हुए सीआईएसएफ ने गिरफ्तार किया है। सीआईएसएफ अंबुश में तैनात जवान के अनुसार सेंटर प्लांट के बैक साइड में कुछ लोगों को देखा गया, जिसके बाद सीआइएसएफ जवान ने पीसीआर को सूचना दी जिसके बाद जवानों ने घेराबंदी कर तीन चोर धोबी मुहल्ला सेक्टर वन निवासी अनिल कुमार (24), बालीडीह निवासी अटल यादव (55), बसंती मोड़ निवासी अमन डोम (20) को सीआईएसएफ ने गिरफ्तार किया है। मौके से चोरो की ओर से काटे गए स्क्रैप कॉपर, कटिंग टूल्स आदी को जब्त किया गया। इसका बाजार मूल्य 50 से 60 हजार की बताई जा रही है। सभी चोरों को गिरफ्तार कर सीआईएसएफ माराफारी थाना लेकर आई। माराफारी थाना ने कागजी प्रक्रिया पूरी करते हुए सभी को जेल भेजने की तैयारी में जुटी हुई हैं।

लक्ष्मीनारायण मंदिर में श्रद्धालुओं ने किया हनुमान चालीसा का पाठ

JAMSHEDPUR : हनुमान जयंती के शुभ अवसर पर शनिवार को गोलमुरी के केबुल टाउन स्थित श्री लक्ष्मीनारायण मंदिर में हजारों श्रद्धालुओं ने सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ किया। मंदिर प्रांगण में श्री हनुमान चालीसा का 100 बार अखंड पाठ किया गया, जिसमें विधायक सरयू राय ने भी सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक श्री हनुमान चालीसा का विधिवत पाठ किया। श्री लक्ष्मीनारायण मंदिर जीर्णोद्धार समिति के संयोजक सरयू राय ने बताया कि मंदिर के जीर्णोद्धार कार्य को गति प्रदान करने के पावन उद्देश्य से यह आयोजन किया गया। संकल्प है कि मंदिर का जीर्णोद्धार कार्य भव्य तरीके से हो और क्षेत्र में सुख शांति का संचार हो। पाठ के बाद प्रसाद, फिर भोग वितरण हुआ।

जून तक बागबेड़ा जलापूर्ति योजना पूरी नहीं हुई तो होगा आंदोलन

फिल्टर प्लांट का निरीक्षण करने पहुंचे बागबेड़ा के निवासी, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग को दी चेतावनी

PHOTON NEWS JSR : बागबेड़ा ग्रामीण जलापूर्ति योजना अगर इस साल जून के मध्य तक पूरी नहीं हो पाई तो बागबेड़ा महानगर विकास समिति आंदोलन करेगी। इस बार पेयजल एवं स्वच्छता विभाग की ईंट से ईंट बजा दी जाएगी। हर साल विभाग के अधिकारी वादा करते हैं और काम पूरा नहीं कर पाते।

इस बार भी उन्होंने वादा किया है कि बागबेड़ा ग्रामीण जलापूर्ति योजना हर हाल में जून के मध्य तक पूरी हो जाएगी।

दूसरी तरफ, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के कार्यपालक अभियंता का कहना है कि हर हाल में जून के मध्य तक काम पूरा हो जाएगा। इस संबंध में कार्यकारी संस्था को साफ कह दिया गया है।

फिल्टर प्लांट के पास मौजूद सुबोध झा व अन्य ● फोटोन न्यूज

फिल्टर प्लांट में काम ठप

बागबेड़ा ग्रामीण जलापूर्ति योजना के गिदि झोपड़ी स्थित फिल्टर प्लांट का हाल बेहाल है। शनिवार को बागबेड़ा महानगर विकास समिति के अध्यक्ष सह जिला भाजपा मुख्यालय प्रभारी सुबोध झा ने अपनी टीम के साथ जब मौके का निरीक्षण किया, तो वहां का हाल देख सभी हैरान रह गए। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि फिल्टर प्लांट में न तो कोई काम चल रहा है और न ही मजदूर मौजूद थे। प्लांट के मुख्य गेट पर ताला जड़ा हुआ था। पानी टंकी का निर्माण अधूरा पड़ा है और जो टंकियां बनी हैं, उनमें दरारें तक पड़ चुकी हैं। यही नहीं, बिजली के उपकरणों के लिए मंगवाए गए ट्रांसफार्मर खुले में पड़े-पड़े खराब हो रहे हैं और अन्य जरूरी उपकरण भी यूं ही बाहर पड़े हुए हैं।

पाइपलाइन का काम भी अधूरा

फिलहाल 21 पंचायतों के 113 गांवों और रेलवे क्षेत्र की 33 बस्तियों के लिए बिछाई जाने वाली 80 किलोमीटर पाइपलाइन का काम अब तक अधूरा है। रेलवे ट्रैक के नीचे से पाइपलाइन, बड़ौदा घाट के पाया पर पाइपलाइन बिछाने का काम, राइजिंग पाइपलाइन, इंटक वेल से प्लांट तक पाइपलाइन, पानी टंकियों का निर्माण आदि सब कुछ अधूरा है। सुबोध झा ने कहा कि बागबेड़ा के रामनगर, गांधीनगर, पश्तो नगर, बजरंग टेकरी, हर हर गुड्डू, घाघीडीह, किताडीह समेत कई बस्तियों में अभी भी पाइपलाइन बिछाने का कार्य अधूरा पड़ा है। घर-घर पानी कनेक्शन भी अधर में लटका हुआ है। उन्होंने विभाग से मांग की कि जल्द से जल्द अधूरे कामों को पूरा किया जाए ताकि बागबेड़ा के 2 लाख 25 हजार लोगों को स्वच्छ पेयजल मिल सके।

अधर में लटका है काम

प्लांट के आसपास झाड़-झंखाड़ और जंगल उग आए हैं। प्लांट से सटे कमरे भी जर्जर हालत में हैं। सुबोध झा ने जिला प्रशासन और राज्य सरकार से मांग की कि बागबेड़ा ग्रामीण जलापूर्ति योजना को अविलंब धरातल पर उतारा जाए, ताकि 2 लाख 25 हजार ग्रामीणों को स्वच्छ पेयजल मिल सके। उन्होंने बताया कि इस योजना के लिए 237 करोड़ 21 लाख रुपए की भारी-भरकम राशि स्वीकृत की गई थी। लेकिन 2018 तक योजना पूरी नहीं हुई। समिति के आंदोलन के बाद झारखंड हाईकोर्ट और जल जीवन मिशन के माध्यम से 50 करोड़ 58 लाख रुपए की अतिरिक्त राशि मंजूर की गई, लेकिन इसके बावजूद काम अधर में लटका है।

मेडिकल कॉलेज प्रबंधन के साथ भवन प्रमंडल विभाग के अधिकारियों ने किया निरीक्षण

ओड़िया बस्ती के पास बनेगी चारदीवारी

प्रधानमंत्री सुपर स्पेशलिटी अस्पताल की फाइल फोटो

PHOTON NEWS DHANBAD : प्रधानमंत्री सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में जल्द सभी प्रकार की सेवा उपलब्ध होगी। इसमें अस्पताल के बाहर चारदीवारी बनाने में परेशानी हो रही है। यहां वर्षों से ओड़िया बस्ती के लोग रह रहे हैं। अब यहां चारदीवारी बनाने के लिए शनिवार को मेडिकल कॉलेज प्रबंधन और भवन निर्माण विभाग के अधिकारियों ने निरीक्षण किया। भवन प्रमंडल विभाग के कार्यपालक अभियंता चंदन कुमार ने बताया कि ओड़िया बस्ती को बिना हटाए बाउंड्रीवाल बनाया जाएगा। ओड़िया बस्ती के लिए अलग से रास्ता मौजूद है। अब अस्पताल कैंपस की ओर रास्ता नहीं होगा। इसके साथ ही नगर निगम कचरा संग्रह केंद्र और शनि मंदिर के पास भी बाउंड्रीवाल बनाया जाएगा। अधीक्षक डॉ. दिनेश कुमार गिंदोरिया ने बताया कि बाउंड्रीवाल बन जाने से पूरा अस्पताल परिसर सुरक्षित हो जाएगा।

ओड़िया बस्ती के साथ हुआ था प्रशासन का विवाद

इससे पहले ओड़िया बस्ती को हटाने को लेकर बस्ती के लोग और प्रशासन के बीच में जमकर विवाद हुआ था। वर्ष 2013-14 में बस्ती को हटाकर बाउंड्रीवाल करने की योजना थी, लेकिन बस्ती के लोग यहां वर्षों से रह रहे हैं, इसके बाद मामला स्थगित हो गया था। अब बस्ती के लोगों को बिना हटाए बगल से बाउंड्रीवाल किया जाएगा। भवन प्रमंडल विभाग के अधिकारियों की मानें तो जल्द ही यह काम शुरू होने वाला है।

पोस्ट ग्रेजुएट बिल्डिंग में लगेगी लिफ्ट

भवन प्रमंडल विभाग की ओर से पोस्ट ग्रेजुएट बिल्डिंग में लिफ्ट लगाई जाएगी। यहां पर दो अलग-अलग बिल्डिंग बनाए गए हैं। दोनों में लिफ्ट लग जाने से यहां आने वाले मरीजों को सहूलियत होगी। इसके अलावा इन दोनों जगह पर रैंप का निर्माण किया जाएगा, जिससे स्ट्रेचर से मरीज को आसानी से ले जाया जा सकेगा। फिलहाल यह दोनों सेवा नहीं होने के कारण मरीजों को परेशानी होती है।

भूमि अधिग्रहण करने की बात पर सीओ से भिड़ गए ग्रामीण

बैठक स्थल पर हंगामा करते लोग ● फोटोन न्यूज

CHAIBASA : प्रस्तावित राष्ट्रीय उच्चपथ रांची-जैतगढ़ एनएच 75ई पर चाईबासा बाईपास सड़क निर्माण कार्य के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया चल रही है। इसे लेकर सिंहपोखारिया मौजा के रैयतों और ग्रामीणों ने सदर अंचल अधिकारी उपेंद्र कुमार सदर के साथ बहस की। रैयतों ने सरकारी तंत्र के रवैये पर गहरा असंतोष व्यक्त किया। शनिवार को सिंहपोखरिया में ग्रामीणों की बैठक में अंचल अधिकारी उपेंद्र कुमार पहुंचे और रैयतों को समझाने का प्रयास किया, परंतु विफल रहे। ग्रामीणों ने कहा कि वे जमीन नहीं देंगे, चाहे कुछ हो जाए। बता दें कि अंचल अधिकारी चाईबासा कार्यालय द्वारा निर्गत पत्र में उल्लेख किया गया था कि एनएच के लिए रैयतों की भूमि की वंशावली का सत्यापन मौजा मुंडा के माध्यम से कराने के लिए निर्धारित तिथियों पर शिविर लगेगा।

राणा के बहाने पाकिस्तान का पूरा आतंकी सच उजागर हो

ललित गर्ग

राणा के बहाने पाकिस्तान के मनसूंबों को बेनकाब करना ज्यादा जरूरी है, इससे कई राज खुलने और जांच को नई दिशा मिलने की उम्मीद है। तमाम सबूत होने के बाद भी पाकिस्तान इस हमले के पीछे अपनी कोई भूमिका होने से इनकार करता रहा है। हालांकि वह आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के प्रमुख हाफिज सईद और जकी-उर-रहमान लखवी जैसे आतंकवादी सरगनाओं को बचाता भी रहा है। राणा के माध्यम पाकिस्तान का पूरा सच देश भी जाने एवं दुनिया भी समझे, तभी राणा का भारत आना सफल एवं सार्थक होगा।

मुंबई में भीषण, खौफनाक एवं दर्दनाक आतंकी हमले की साजिश रचने और उसे अंजाम देने में सक्रिय रूप से शामिल रहने वाले पाकिस्तान मूल के कनाडाई नागरिक तहव्वुर हुसैन राणा को अमेरिका से भारत लाया जाना किसी उपलब्धि से कम नहीं है, यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की कूटनीतिक जीत एवं भारत की कानून की बड़ी सफलता है। लगभग 170 लोगों की दर्दनाक मौत, क्रूरता एवं अमानवीयता का डरावना मंजर एवं देशवासियों की आंखों को गमगीन करने वाले इस आतंकी हमले के मास्टरमाइंड राणा का अमेरिका से प्रत्यर्पण भारत के लिये एक उजली किरण बनकर प्रस्तुत हुई है। 26-11-2008 एक ऐसी डरावनी तारीख है जिसे याद करके देशवासी सिहर जाते हैं। दहशत की तस्वीरें आंखों के सामने आ जाती हैं। यह तारीख मुम्बई के पुराने घाव को न केवल कुरेदती है बल्कि टीस भी पैदा करती है कि 150 करोड़ का यह देश अब तक क्यों नहीं राणा का प्रत्यर्पण कराकर उसे दर्दनाक सजा दे पाया। अब राणा के भारत के शिकंजे में आ जाने से 26-11 के घावों पर कुछ मरहम लगेगा क्योंकि मुम्बई एवं देश आज भी जख्मों का हिसाब मांगती है।

देर आये दुरस्त आये की कहावत को चरितार्थ करते हुए अब देश का खतरनाक दुश्मन हाथ आ गया है तो उसे ऐसी सजा दी जाये कि न केवल पाकिस्तान, पाकिस्तानी आतंकवादी संगठन एवं दुनिया में आतंक फैलाने वाले सहम जाये कि भविष्य में ऐसी घटना करने का दुस्साहस न कर सके। यह तो तय है कि राणा से पूछताछ में कई राज खुलेंगे, लेकिन यक्ष प्रश्न यह है कि क्या उसे फांसी की सजा देना संभव होगा? भारत सरकार को ऐसे कूटनीतिक एवं साहसिक प्रयत्न करने होंगे, जिससे उसे फांसी की सजा देना संभव हो सके और वह भी कम से कम समय में। मुंबई हमले के दौरान पकड़े गए आतंकी अजमल कसाब को सजा देने में चार साल लग गए थे। इतनी देरी राणा के मामले में नहीं होनी चाहिए। यह ऐसा मामला है, जिस पर देश के साथ दुनिया की भी निगाह होगी। राणा की सजा से ही भारत के न्यायतंत्र की त्वरता एवं तत्परता सामने आयेगी। क्योंकि खूंखार आतंकियों को सजा देने में देरी से आतंक से लड़ने की प्रतिबद्धता पर प्रश्नचिह्न टंकते है।

17 साल बाद आज भी महानगर मुम्बई की वह काली रात एवं गोलियों की गूंज से सब दहल उठते है, सहम जाते हैं। उस दिन पाक प्रशिक्षित लश्कर-ए-तैयबा के 10 आतंकवादियों ने एक साथ कई जगहों पर हमला किया। लियो पोल्र्ड कैफे और छत्रपति शिवाजी टर्मिनल से शुरू हुआ मौत का दर्दनाक तांडव ताजमहल होटल में जाकर

खत्म हुआ। जिसमें आतंकवाद निरोधक दस्ते यानि एटीएस प्रमुख हेमंत करकरे, मुम्बई पुलिस के अतिरिक्त आयुक्त अशोक कामटे और पुलिस इंस्पैक्टर विजय सालस्कर शहीद हुए। आतंकवादी कसाब को जिन्दा पकड़ने वाले साहसी सब इंस्पैक्टर तुकाराम को कौन भुला सकता है, जो एक दूसरे आतंकवादी की गोलियों का शिकार होकर भी, जान की बाजी लगाकर कसाब को पकड़ने में सफलता पायी, भले ही इस एकमात्र पाकिस्तानी आतंकवादी कसाब को सजा-ए-मौत दी गई लेकिन इस हमले ने क्रूरता के जो निशान छोड़े वे आज भी मुम्बई में मौजूद हैं, भारत के जन-जन के हृदय पटल पर अंकित है।

कौन नहीं जानता कि तहव्वुर राणा ने दाऊद सईद गिलानी यानि डेविड कोलमैन हेडली के साथ मिलकर हमले की साजिश रची थी। डेविड हेडली ने अपनी पहचान छिपाने के लिए मुम्बई में फर्स्ट वर्ल्ड इमीग्रेशन सर्विसिज के नाम से एक कम्पनी का कार्यालय खोला और खुद को बिजनेसमैन के रूप में पेश किया। धीरे-धीरे उसने फिल्म जगत में नामी-गिरामी हस्तियों से जान-पहचान बढ़ाई। भारत यात्रा के दौरान उसने मुम्बई एवं देश के अन्य हिस्सों की रेकी की जहां पर हमला किया जाना था। पाकिस्तानी पिता और अमरीकी माँ की औलाद हेडली अमरीका में एक समय रंगीन जिन्दगी गुजार चुका था जिसके दौरान ड्रग्स की तस्करी के लिए उसे जेल भी हुई थी। भारत ने हेडली के प्रत्यर्पण के लिए भी अनुरोध किया था, लेकिन अमेरिकी अधिकारियों ने उसे छोड़ने से इनकार कर दिया, क्योंकि कई मामलों और डेनमार्क में एक हमले की नाकाम साजिश सहित 12 आतंकवाद से संबंधित आरोपों में दोषी होने की बात स्वीकार की थी। उसने लश्कर, आईएसआई और अलकायदा के राज अमेरिका को बताए तब से ही हेडली अमेरिका की सम्पत्ति बन गया है। फिलहाल हेडली का अमेरिका में सुरक्षित रहना बड़े सवाल खड़े करता है। इस बीच भारत ने राणा को मोस्ट वॉन्टेड घोषित कर दिया और 28 अगस्त 2018 भारत के खिलाफ आतंकी साजिश रचने, युद्ध छेड़ने, हत्या, जालसाजी और आतंकवादी हमले के आरोपों पर गिरफ्तारी वारंट जारी किया। अब सवाल यह है कि अमेरिका ने राणा को तो भारत के हवाले कर दिया लेकिन वह डेविड हेडली के मामले में क्यों खामोश?है?

राणा को भारत लाया जाना, भारत के शिकंजे में आना भारत की बहुत बड़ी कूटनीतिक जीत है। राणा पाकिस्तानी सेना का पूर्व अधिकारी है। चूंकि उसने आतंकी संगठन लश्कर एवं पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आइएसआइ से मिलकर मुंबई हमले की साजिश रची थी, इसलिए उससे गहन पूछताछ करके पाकिस्तान को नए सिरे से न केवल बेनकाब करना होगा, बल्कि उस पर इसके लिए दबाव भी बनाना होगा कि वह मुंबई हमले के अन्य गुनहगारों को भी दंडित करे। इस हमले के गुनहगार पाकिस्तान में खुले घूम रहे हैं। अमेरिका की सुप्रीम कोर्ट ने प्रत्यर्पण संधि के तहत राणा को भारत भेजने के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। हालांकि राणा ने कई हथकंडे अपनाए लेकिन अमेरिकी अदालतों में उसकी सारी याचिकाएं ठुकरा दी गईं। आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत की यह आज तक की सबसे बड़ी जीत है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, विदेश मंत्री एस. जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल इसके लिए कूटनीतिक प्रयास करते रहे हैं। सर्वविदित है कि भारत विश्व के सर्वाधिक पाकिस्तान पोषित आतंकवाद प्रभावित देशों में से एक है। 26-11 के मुंबई हमलों के अलावा 2008 में ही जयपुर विस्फोट, काबुल में भारतीय दूतावास के अलावा अहमदाबाद, दिल्ली और असम के विस्फोट भी शामिल थे। यह संतोषजनक तो है कि अमेरिका ने देर से सही, राणा को भारत को सौंप दिया। यदि ट्रंप फिर से अमेरिका के राष्ट्रपति नहीं बनते तो शायद राणा को भारत लाना और मुश्किल होता। जो भी हो, भारत को केवल इतने से ही संतोष नहीं करना चाहिए कि अंततः एक बड़ा आतंकी उसके हाथ लग गया। भारत को देश के अन्य शत्रुओं एवं आतंकियों को भी दंडित करने-कराने के प्रति प्रतिबद्ध रहना होगा। उन्हें और पाकिस्तान सरीखे उनके आकाओं को यह संदेश नए सिरे से देना होगा कि भारत अपने दुश्मनों को न तो भूलता है और न माफ करता है।

तहव्वुर राणा का प्रत्यर्पण आतंकवाद के खिलाफ भारत की एक बड़ी जीत है, लेकिन इसे आतंकवाद के खिलाफ एक छोटा पडाव मानते हुए अभी कई मोर्चें पर आतंकवाद के खिलाफ कमर कसनी होगी, अब भारतीय सुरक्षा एजेंसियों का असली बड़ा काम यहां से शुरू हुआ है। मुंबई सहित देश के अन्य हिस्सों और विशेषतः जम्मू-कश्मीर में आतंकी हमले की पूरी प्लानिंग के पीछे पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई व उसकी जमीन पर सक्रिय आतंकवादी संगठनों का हाथ न केवल था, बल्कि आर्थिक एवं अन्य तरह का सहयोग भी शामिल है। राणा के बहाने पाकिस्तान के मनसूंबों को बेनकाब करना ज्यादा जरूरी है, इससे कई राज खुलने और जांच को नई दिशा मिलने की उम्मीद है। तमाम सबूत होने के बाद भी पाकिस्तान इस हमले के पीछे अपनी कोई भूमिका होने से इनकार करता रहा है। हालांकि वह आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के प्रमुख हाफिज सईद और जकी-उर-रहमान लखवी जैसे आतंकवादी सरगनाओं को बचाता भी रहा है। राणा के माध्यम पाकिस्तान का पूरा सच देश भी जाने एवं दुनिया भी समझे, तभी राणा का भारत आना सफल एवं सार्थक होगा।

संपादकीय

ट्रंप के पीछे हटने का अर्थ

अमेरिकी राष्ट्रपति ड़ोनाल्ड़ ट्रंप ज्यादातर देशों पर लगाए गए टैरिफ को अचानक 90 दिनों के लिए स्थगित करने का फैसला किया है। यह फैसला उनके स्वभाव के अनुरूप प्रतीत नहीं होता। हालांकि कदम उन्होंने उठा लिया है जिसका वैश्विक बाजार पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। उनके फैसले से वैश्विक बाजार में जो हलचल और अनिश्चितता का माहौल पैदा हुआ था, उसमें थोड़ा ठहराव आ गया है। ट्रंप के फैसले को लेकर स्वयं उनके देश अमेरिका और दुनिया के अन्य देशों में प्रतिक्रिया हो रही थीं। उन्होंने इसका संज्ञान लिया और अपने फैसले को 90 दिनों तक स्थगित कर दिया। हालांकि उनकी इस फैसले से चीन अपवाद रहा है। शायद ट्रंप को यह आभास हो गया है कि व्यापार युद्धके मसले पर पूरी दुनिया के विरुद्ध मोर्चा खोलने की बजाय अपने प्रमुख व्यापारिक प्रतिद्वंद्वी चीन को निशाना बनाया जाए। यही वजह है कि ट्रंप ने चीन से आयात शुल्क की दर बढ़ाकर 145 फीसद कर दी है। दूसरी ओर, चीन की प्रतिक्रियाओं से यह लग रहा है कि अमेरिका ने जो टैरिफ युद्ध शुरू किया है, उससे उसने आखिर तक लड़ने का मन बना लिया है। ऐसा प्रतीत हो रहा है कि चीन यह समझ रहा है कि वह अमेरिका से अकेले लड़.नहीं सकता है, इसीलिए वह विभिन्न देशों को साथलेकर एक संयुक्त मोर्चा बनाने का प्रयास कर रहा है। इतना ही नहीं, बल्कि चीन की ओर से यह भी कहा गया है कि भारत और चीन, दोनों बड़ी अर्थव्यवस्था वाले देश हैं, इसीलिए इस मामले में दोनों को साथ मिलकर काम करना चाहिए। लेकिन चीन को इस मामले में कोई खास सफलता नहीं मिल रही है। इस पूरे मामले में भारत का रुख बहुत सकारात्मक रहा है। उसने किसी तरह की जल्दबाजी नहीं की है, और प्रतिक्रियात्मक कदम नहीं उठाया है। भारत और अमेरिका के बीच इस मसले को लेकर द्विपक्षीय वार्ता चल रही है, उम्मीद है कि भारत इस पर अपना पक्ष मजबूती से रख सकेगा और जोर देगा कि भविष्य के व्यापार में उसे भारी टैरिफ का दबाव न झेलना पड़े.। लेकिन भारत के सामने दुविधा की स्थिति है कि उसे चीन और अमेरिका के साथ व्यापारिक संबंधों में संतुलन बनाकर चलना होगा क्योंकि दोनों बड़े.व्यापारिक साझेदार हैं। अब तक भारत ने धैर्य और समझदारी से काम लिया है, और उम्मीद है कि अपनी इसी तरह की नीतियों के चलते वर्तमान परिस्थितियों के अपने पक्ष में झुकाने में सफल हो जाएगा।

चिंतन-मनन

शुद्ध भक्त सर्वोत्तम

निर्विशेषवादी के लिए ब्रह्मभूत अवस्था अर्थात ब्रह्म से तदाकार होना परम लक्ष्म होता है। लेकिन साकारवादी शुद्धभक्त को इससे भी आगे शुद्ध भक्ति में प्रवृत्त होना होता है। इसका अर्थ हुआ जो भगवद्भक्ति में रत है, वह पहले ही मुक्ति की अवस्था, जिसे ब्रह्मभूत या ब्रह्म से तादात्म्य कहते हैं, प्राप्त कर चुका होता है। परमेर या परब्रह्म से तदाकार हुए बिना कोई उनकी सेवा नहीं कर सकता। परम ज्ञान होने पर सेव्य तथा सेवक में कोई अन्तर नहीं कर सकता, फिर भी उच्चतर आध्यात्मिक दृष्टि से अन्तर रहता ही है।

देहात्मबुद्धि के अन्तर्गत, जब कोई इन्द्रियतृप्ति के लिए कर्म करता है, तो दुख का भागी होता है, लेकिन परम जगत में शुद्ध भक्ति में रत रहने पर कोई दुख नहीं रह जाता। चूंकि ईश्वर पूर्ण है, अतएव ईश्वर से सेवारत जीव भी कृष्णभावना में रहकर अपने में पूर्ण रहता है। वह ऐसी नदी के तुल्य है, जिसके जल की सारी गंदगी साफ कर दी गई है। चूंकि शुद्ध भक्त में कृष्ण के अतिरिक्त कोई विचार ही नहीं उठते, अतएव वह प्रसन्न रहता है।

वह न किसी भौतिक क्षति पर शोक करता है, न किसी लाभ की आकांक्षा करता है, क्योंकि वह भगवद् भक्ति से पूर्ण होता है। वह भौतिक जगत में न किसी को अपने से उच्च देखता है और न निम्न। ये उच्च तथा निम्न पद क्षणभंगुर है और भक्त को क्षणभंगुर प्राकट? या तिरोधान से कुछ लेना-देना नहीं रहता। उसके लिए पत्थर तथा सोना बराबर होते हैं।

यह ब्रह्मभूत अवस्था है, जिसे शुद्ध भक्त सरलता से प्राप्त कर लेता है। उस अवस्था में स्वर्ग प्राप्त करने का विचार मृगतृष्णा और इन्द्रियां विषदंतविहीन सर्प की भांति प्रतीत होती हैं। जिस प्रकार विषदंतविहीन सर्प से कोई भय नहीं रह जाता उसी प्रकार स्वतः संयमित इन्द्रियों से कोई भय नहीं रह जाता। भक्त के लिए समग्र जगत वैपुंठ तुल्य होता

कृषि से खालसा तक, भारत की आत्मा का पर्व है बैसाखी

योगेश कुमार गोयल

कृषि प्रधान देश भारत में बैसाखी पर्व का संबंध फसलों के पकने के बाद उसकी कटाई से जोड़कर देखा जाता रहा है। इस पर्व को फसलों के पकने के प्रतीक के रूप में भी जाना जाता है। इसे विशेष तौर पर से पंजाब का प्रमुख त्यौहार माना जाता है। वैसे देशभर में बैसाखी को बड़ी धूमधाम एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। सिख समुदाय बैसाखी से ही नए साल की शुरूआत मानते हैं। इस दिन एक-दूसरे को बधाईयां दी जाती हैं। पंजाब में किसान तब अपने खेतों को फसलों से लहलहाते देखता है तो इस दिन खुशी से झूम उठता है। खुशी के इसी आलम में शुरू होता है गिद्दा और भांगड़ा का मनोहारी दौर। पंजाब में ढ़ोल-नगाड़ों की धुन पर पारम्परिक पोशाक में युवक-युवतियां नाचते-गाते और जश्न मनाते हैं तथा सभी गुरूद्वारों को फूलों तथा रंग-बिरंगी रोशनियों से सजाया जाता है।

उत्तर भारत में और विशेषतः पंजाब तथा हरियाणा में गिद्दा और भांगड़ा की धूम के साथ मनाए जाने वाले बैसाखी पर्व के प्रति भले ही काफी जोश देखने को मिलता है लेकिन वास्तव में यह त्यौहार विभिन्न धर्म एवं मौसम के अनुसार देश के अलग-अलग हिस्सों में अलग-अलग नामों से मनाया जाता है। पर्व की खूब धूम रहती है। पश्चिम बंगाल में इसे ह्यनबा वर्षह्ण के नाम से मनाया जाता है तो केरल में ह्यविशूह्ण नाम से तथा असम में यह ह्यबीहूह्ण के नाम से मनाया जाता है। बंगाल में ह्यपोइला बैसाखीह्ण भी कहा जाता है और वे अपने नए साल की शुरूआत मानते हैं। हिन्दू धर्म की पौराणिक मान्यताओं के अनुसार हजारों साल पहले इसी दिन मां गंगा का पृथ्वी पर अवतरण हुआ था। इसीलिए इस दिन गंगा आरती करने तथा पवित्र नदियों में स्नान करने की भी परम्परा रही है।

13 अप्रैल 1919 का बैसाखी का दिन आज भी चीख-चीखकर अंग्रेजों के जुल्मों की दास्तान बखान करता है। दरअसल रोलट एक्ट के विरोध में अपनी आवाज उठाने के लिए राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के आव्हान पर इस दिन हजारों लोग जलियांवाला बाग में इकट्ठा हुए थे क्योंकि ह्यरोलट एक्टह्ण कानून के तहत न्यायाधीशों और पुलिस को किसी भी भारतीय को बिना कोई कारण बताए और उन पर बिना कोई मुकद्दमा चलाए जेलों में बंद करने का अधिकार दिया गया था। महात्मा गांधी के आव्हान पर भारतवासियों में इस कानून के खिलाफ जबरदस्त आक्रोश उमड़ पड़ा था। इस काले कानून के विरोध में अमृतसर के जलियांवाला बाग में हजारों लोगों की एक विशाल जनसभा हुई थी लेकिन अंग्रेज सरकार ने बहुत खतरनाक षड्यंत्र रचकर जलियांवाला बाग में एकत्रित हुए लोगों को चारों ओर से घेरकर बिना किसी पूर्व चेतावनी के अंधाधुंध गोलियां बरसानी शुरू कर दी। उस दर्दनाक हत्याकांड में सैंकड़ों भारतवासी शहीद हो गए थे। हालांकि बाद में उस नृशंस हत्याकांड के सूत्रधार जनरल डायर की हत्या कर उसका बदला ले लिया गया था।

बैसाखी को सूर्य वर्ष का प्रथम दिन माना गया है क्योंकि इसी दिन सूर्य अपनी पहली राशि मेष में प्रविष्ट होता है और इसीलिए इस दिन को ह्यमेष संक्रांतिह्ण भी कहा जाता है। यह मान्यता रही है कि सूर्य के मेष राशि में प्रवेश करने के साथ ही सूर्य अपनी कक्षा के उच्चतम बिन्दुओं पर पहुंच जाता है और सूर्य के तेज के कारण शीत की अवधि खत्म हो जाती है। इस प्रकार सूर्य के मेष राशि में आने पर पृथ्वी पर नवजीवन का संचार होने लगता है। इस तरह बैसाखी खुशियों का त्यौहार है। बैसाखी का पवित्र दिन हमें गुरू गोबिन्द सिंह जैसे महापुरूषों के महान आदर्शों एवं संदेशों को अपनाने तथा उनके पद्चिन्हों पर चलने के लिए प्रेरित करता है और हमें यह संदेश भी देता है कि हमें अपने राष्ट्र में शांति, सद्भावना एवं भाईचारे के नए युग का शुभारंभ करने की दिशा में सार्थक पहल करनी चाहिए। (लेखक 35 वर्षों से पत्रकारिता में निरंतर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

जाति की जंजीरें: आजादी के बावजूद मानसिक गुलामी

प्रियंका सौरभ

भारत, जिसे आध्यात्मिकता और विविधता का देश कहा जाता है, अपने भीतर विरोधाभासों का ऐसा संसार छुपाए बैठा है जो कभी-कभी चौंका देता है। एक ओर हम विज्ञान, तकनीक, अंतरिक्ष और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की बात करते हैं, वहीं दूसरी ओर सामाजिक और सांस्कृतिक परतों में आज भी मध्ययुगीन सोच जड़ें जमाए बैठी है।

एक ही समाज में ऐसे दृश्य देखने को मिलते हैं, जहां लोग किसी बाबा के चरणामृत को 'अमृत' मान कर पी जाते हैं, यहां तक कि गोमूत्र और गोबर को औषधि बता कर सेवन करते हैं; और उसी समाज में एक दलित के हाथ का पानी पीना 'पाप' मान लिया जाता है। यही वह विडंबना है जिसे इस तीखे वाक्य ने पूरी ताकत से उजागर किया है- 'आस्था पेशाब तक पिला देती है, जाति पानी तक नहीं पीने देती।' यह पंक्ति महज व्यंग्य नहीं, बल्कि भारतीय समाज की गहराई से जमी हुई दो बड़ी बीमारियों की पहचान है-एक है अंधविश्वास में डूबी आस्था और दूसरी है जातिगत भेदभाव। दोनों ही एक हद तक इंसानियत, तर्कशक्ति और समानता के मूल सिद्धांतों को चुनौती देती हैं। आस्था किसी भी समाज की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक रीढ़ होती है। यह इंसान को एक उद्देश्य देती है, उसे नैतिकता और आत्मबल प्रदान करती है। लेकिन जब यही आस्था तर्क, विज्ञान और मानवाधिकारों की सीमा लांघ कर अंधश्रद्धा में बदल जाती है, तब खतरनाक रूप ले लेती है। भारत में ऐसे अनेक उदाहरण हैं जहां धर्मगुरु ओं ने अनुयायियों को गोमूत्र पीने, मल-मूत्र का सेवन करने, या स्वयं को 'भगवान' घोषित कर देने जैसे कृत्य करवाए और लोग आंख मूंद कर उनका पालन करते रहे। एक बाबा द्वारा 'चमत्कारी जल' के नाम पर अपना पेशाब पिलाने की खबरें भी समय-समय पर आती रही हैं। श्रद्धालु इसे 'आशीर्वाद' मान कर पीते हैं, और मीडिया जब इन घटनाओं पर सवाल उठाता है, तो आरोप लगाया जाता है कि वह धर्म का अपमान कर रहा है। यह कैसी आस्था है जो इंसान को अपनी सोच और विवेक को पूरी तरह त्यागने को विवश कर देती है? कैसी श्रद्धा है जो सवाल उठाने वालों को अपराधी बना देती है?

अब बात करें उस दूसरी बड़ी सामाजिक बीमारी जातिवाद की। भारत में जाति ऐसी संरचना है जो जन्म के आधार पर व्यक्ति की सामाजिक हैसियत, पेशा, अधिकार और यहां तक कि जीवनझमरण के अवसर भी तय करती है। भारतीय संविधान ने भले ही जातिवाद को गैर-कानूनी घोषित कर दिया हो लेकिन सामाजिक मानसिकता में इसकी जड़ें आज भी बेहद गहरी हैं। आज भी देश के कई हिस्सों में दलितों को मंदिरों में प्रवेश नहीं मिलता, उनके लिए अलग कुएं या नल होते हैं, स्कूलों में उनके बच्चों को अलग बैठाया जाता है, और उनके स्पर्श मात्र से वस्तुएं 'अपवित्र' मानी जाती हैं। हाथ से मैला उठाने जैसी अमानवीय प्रथा आज भी समाप्त नहीं हुई है। ऐसे उदाहरण रोज सामने आते हैं जब दलित को ऊंची जाति की लड़की से प्रेम करने के लिए मार दिया जाता है, या किसी गांव में सिर्फ इस वजह से घरों में आग लगा दी जाती है कि उन्होंने 'मयार्दा' लांघी। कितना त्रासद है कि वही समाज जो गोमूत्र को औषधि मान सकता है, वह एक इंसान के छूने मात्र से पानी को अपवित्र मानता है। इस विरोधाभास की जड़ें कहीं और नहीं, बल्कि हमारी सामाजिक, धार्मिक और राजनीतिक संरचना में छिपी हुई हैं।

शिक्षा वह उपकरण है जो समाज को तर्कशील और न्यायप्रिय बनाता है। लेकिन भारत की शिक्षा व्यवस्था में तर्क और मानवाधिकार की शिक्षा बहुत सीमित है। हम बच्चों को विज्ञान पढ़ाते हैं, लेकिन उनकी सोच में वैज्ञानिक दृष्टिकोण नहीं भरते। उन्हें नैतिक शिक्षा देते हैं, लेकिन जातिवाद और सामाजिक न्याय के सवालों पर चुप रहते हैं। समाज भी अपनी सुविधानुसार संवेदनशीलता चुनता है। गोमूत्र बेचने वाले को 'आधुनिक ऋषि' कहा जाता है, लेकिन मैनहोल की सफाई करते मजदूर की मौत पर कोई आवाज नहीं उठती। बच्चों को बचपन से सिखाना जरूरी है कि आस्था का मतलब अंधश्रद्धा नहीं होता, और हर इंसान समान है। जाति आधारित भेदभाव के खिलाफ बने कानूनों को सिर्फ कागज पर नहीं, जमीन पर भी लागू करना होगा। मीडिया को इस विषय पर ईमानदार विमर्श शुरू करना चाहिए। जाति की संरचना अगर किसी को उसका मानवाधिकार नहीं देती तो वह टूटनी ही चाहिए। इसलिए आज की सबसे बड़ी जरूरत है कि हम इस पाखंड को पहचानें और उसके खिलाफ बोलें। इंसान की पहचान उसकी जाति से नहीं, उसके कर्म और चरित्र से हो-यही असली धर्म है, यही सच्ची आस्था है।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

Father, son led from the front

WHEN and how did Lt Gen Rostum Kaikhushru Nanavatty learn to “shoot straight”? He imbibed that quality and other outstanding ones from his father, Kaikhushru Nanavatty.

The senior Nanavatty retired as the Inspector General (IG) of Police, Maharashtra. I was in my mid-thirties when I was appointed the last Superintendent of Police (SP) of the city of Poona (now Pune). Rostum’s father was the head of the state police then. There were no DGPs in the 1960s. That nomenclature became prevalent in the early 1980s.ooking back, I realised that it must have been Rostum’s father who recommended me for an appointment that was till then the prerogative of officers much senior to me in service. I had absolutely no idea of being shifted from my place of posting, Sholapur. I only learnt about the shift when I opened the dak (mail) that was sent to me by my office while I was inspecting the rural police station of Akalkot on the Maharashtra-Karnataka border.

The senior Nanavatty was fair and transparent in his dealings. He had no likes or dislikes, judged officers fairly and judiciously, expected high standards of honesty and competence and led from the front. So, when I read the book Shooting Straight — A Military Biography of Lt Gen Rostum K Nanavatty, I was not a bit surprised to know about the sterling quality of leadership that my beloved ex-boss’ son displayed as a soldier throughout his career. Rostum retired as the General Officer Commanding-in-Chief (GOC-in-C) of the Northern Command at Udhampur.

The senior Nanavatty served as the Maharashtra IG from 1963 to 1966. Gentleman Cadet Rostum had joined the Indian Military Academy at Dehradun in July 1961. He passed out six months earlier than intended because of the exigencies of the India-China war of 1962. He won the Sword of Honour in the 31st Regular Course and was commissioned in the 2/8 Gorkha Rifles.In October 1954, the regular recruitment batch of the Indian Police Service (IPS), to which I belonged, after passing out from the National Police Academy, was sent on attachment to three Gorkha Regimental Centres at Dehradun. The 37 IPS probationers were divided between the 39th, 58th and 11th Regimental Centres. I, along with others, went to the 39th centre.The 58th Centre was commanded by a feisty Colonel with a typical Maratha surname, Parab. His daughter married Shivajirao Baraokar, a junior of mine in the Maharashtra cadre of the IPS.Another tidbit that comes to mind is that in October 1999, when Atal Bihari Vajpayee took oath as the Prime Minister for the third time, he asked me to take on the responsibility of the Governor of Jammu and Kashmir. I had promised my wife that my days of wandering away from our home in Mumbai were over. So, I declined. I remember that the Prime Minister himself told me that Army officers also wanted me in that role! The book made me wonder if the officers he spoke about included Rostum. But the latter became the GOC-in-C, Northern Command, with responsibility for counter-terrorist operations in J&K, only in February 2001.

Ever since I assumed charge as the Poona SP in June 1964, I have known the Nanavatty family. The values this family cherished were those that appealed to me also. The culture of a few Goan Christian families, whom the Portuguese depended on to administer Goa in colonial times, match those of Parsi families of the professional class. Hence, there was no problem of assimilation when one of my grand-daughters married a Parsi and another a part-Parsi.Reading about Rostum in the book authored by Air Vice Marshal Arjun Subramaniam (retd), a renowned military historian, I have to confess that this is the first account of the life of a military leader that I have ever read. It was handed over to me by Arnavaz (Erna), Rostum’s elder sister, whom I have known since her teens. Erna has always been very proud of her younger brother.

Trump disruption is a one-way street with no road map

Of what use is hurting China if at home more jobs are not being created and only prices are going up?

Donald Trump has blinked. His 90 days' reprieve was triggered by events on the bond market, according to analysts. But then, these were predictable events. It remains to be seen how sustainable would be the strategy with regard to China. President Xi Jinping is not one for blinking. After having yielded ground to rest of the world, President Trump needs to find a way to re-engage China, even if on altered terms.

Disruption is a one-way street, with no roadmap. To suggest that Trump and his advisers are working on a plan is at best a statement of hope, at worst a downright lie. is to increase uncertainty. Economic activity is based on expectations. Uncertainty alters expectations, making firms and households cautious.The 90-day reprieve that Trump has announced only extends the period of uncertainty; it does not in any way end that uncertainty. Caution replaces animal spirits. Expect a global slowdown, irrespective of what corrective measures countries may take.

There are two objectives that Trump hopes to achieve through his disruptive tariff policy. First, the restoration of American manufacturing, with lost blue-collar jobs being reclaimed.Second, punishing China for taking undue advantage of the global trading system that it was let into by the United States a quarter century ago. For Trump's domestic political support base, the former is more important, the latter is a secondary objective.Of what use is hurting China if at home more jobs are not being created and only rices are going up? The problem is that Trump will find achieving the first goal, of reviving the home economy, more difficult than scoring some goals on the second front, of hurting China. China is, of course, prepared for Trump.Since all the strategies for the so-called 'geo-economic containment' of China have been written about in books and papers published over the past two decades in the US, the Chinese have a good idea as to what they should expect and be prepared for.

Is the US prepared for the fallout? After all, reviving manufacturing is not like hosting a potluck party. There are time lags involved. If Trump's unemployed supporters have to wait for a couple of years for jobs, will they not become restive? Pain in short term, gain in long term is not politically sustainable.If domestic support for Trump slumps, what should one expect in terms of his external policy response? More disruption?The focus of much global commentary over the past week has largely been on trade and tariffs and it is economists who have been at the forefront of much media commentary.As the dust settles, geopolitical analysts will step in to understand what the long-term consequences of the Trump disruption would be for international relations. One major consequence is likely to be a loss of global trust in the US.Even if Trump rolls back all his actions and eats all his words — like claiming that world leaders were lining up to 'kiss his arse' — few heads of government around the world would any longer trust the Trump administration. Consider the countries that Trump has openly targeted and visibly alienated — Canada, Mexico, Denmark, South Africa. Then there are countries whose leaders have been willing to be publicly critical of Trump — Brazil, Colombia, Germany, France, Singapore, Namibia, Australia and so on.This, however, does not reveal the full extent of global dismay and disapproval of Trump. The European Union is divided, but a majority will no longer trust the US.

The President of the European Commission, Ursula von der Leyen, has welcomed Trump's retreat and called for greater internal market integration within the EU. The EU will maintain trade relations with China and reach out to India and others.Japan has publicly behaved like a supplicant, led as it is by a politically weak prime minister, but it may well have queered the pitch for the 90-day retreat by selling on the US bond market. Japan will try to stabilise trade relations with China.

The Indian political leadership has tread warily. It is delighted that the focus of Trump's attack is on China. It is hoping to strike a deal with Trump by offering to buy more, including more defence equipment. Even so, would Prime Minister Narendra Modi feel as comfortable today in dealing with Trump as he did during Trump's first term? After all, Trump has directly snubbed him and repeatedly referred to India in not very friendly terms.

While large sections of the Indian elite, the media and the political class have not made a big deal of Trump's badmouthing of India, and some have even tried to explain it away, a political leader like Modi, with his ego and his self-image, must surely have resented in private the many slights that came his way.

The US and India have many shared interests and India would like to sustain and stabilise its strategic partnership with the US. However, no Indian leader would like to be seen supplicating before a Trump in the manner that Japan's Shigeru Ishiba has done or Italy's Georgia Meloni is willing to.Prime Minister Modi's silence so far, perhaps awaiting further indications on the progress of a bilateral trade agreement, has left the field open to others to be the 'voice of the Global South'.Beijing has been forthright in speaking on behalf of the Global South, expressing solidarity with developing economies against the disruption of global trade, and inviting India to get on board, conveying the concerns of developing economies.

The leaders of both Brazil and South Africa have expressed their solidarity with other developing countries. The Global South awaits India's Voice.

Maternal deaths

Course correction in healthcare needed

In a grim reminder of healthcare gaps in the country, India recorded 19,000 maternal deaths in 2023, accounting for 7.2 per cent of the global maternal mortality, second only to Nigeria. These figures, revealed in the United Nations report Trends in Maternal Mortality 2000-23, highlight not just a health issue but also a systemic failure in protecting women during the most vulnerable phase of their lives. While India has made commendable progress in reducing its Maternal Mortality Ratio (MMR) — down from 384 deaths per 1,00,000 live births in 2000 to 103 in 2023 — the sheer volume of maternal deaths reveals that progress is not evenly distributed. States like Kerala and Tamil Nadu boast single-digit MMRs, while others like Uttar Pradesh and Bihar still grapple with alarmingly high rates. This disparity suggests that policy success stories remain largely regional.

The Ministry of Health has rightly pushed back against direct comparisons with Nigeria, citing India’s massive population. Yet, this deflection does little to comfort families losing mothers every day — 52 daily, by current estimates. The problem lies not just in healthcare infrastructure but also in social determinants like nutrition, education, early marriage and access to antenatal care. Government initiatives like Janani Suraksha Yojana and the Surakshit Matritva Aashwasan (SUMAN) have had impact, but their reach and quality remain inconsistent.

India must prioritise last-mile service delivery, strengthen rural healthcare systems and ensure accountability through real-time data monitoring and community participation. Maternal deaths are preventable. They are not mere statistics — they are lives lost in childbirth, dreams cut short and children left motherless. The time for cosmetic reforms is over. What India needs is political will and coordinated action. No woman should die while giving life.

The US is clear. It will take action against illegal immigration

Those who threaten US security by facilitating illegal immigration are not welcome in the country.

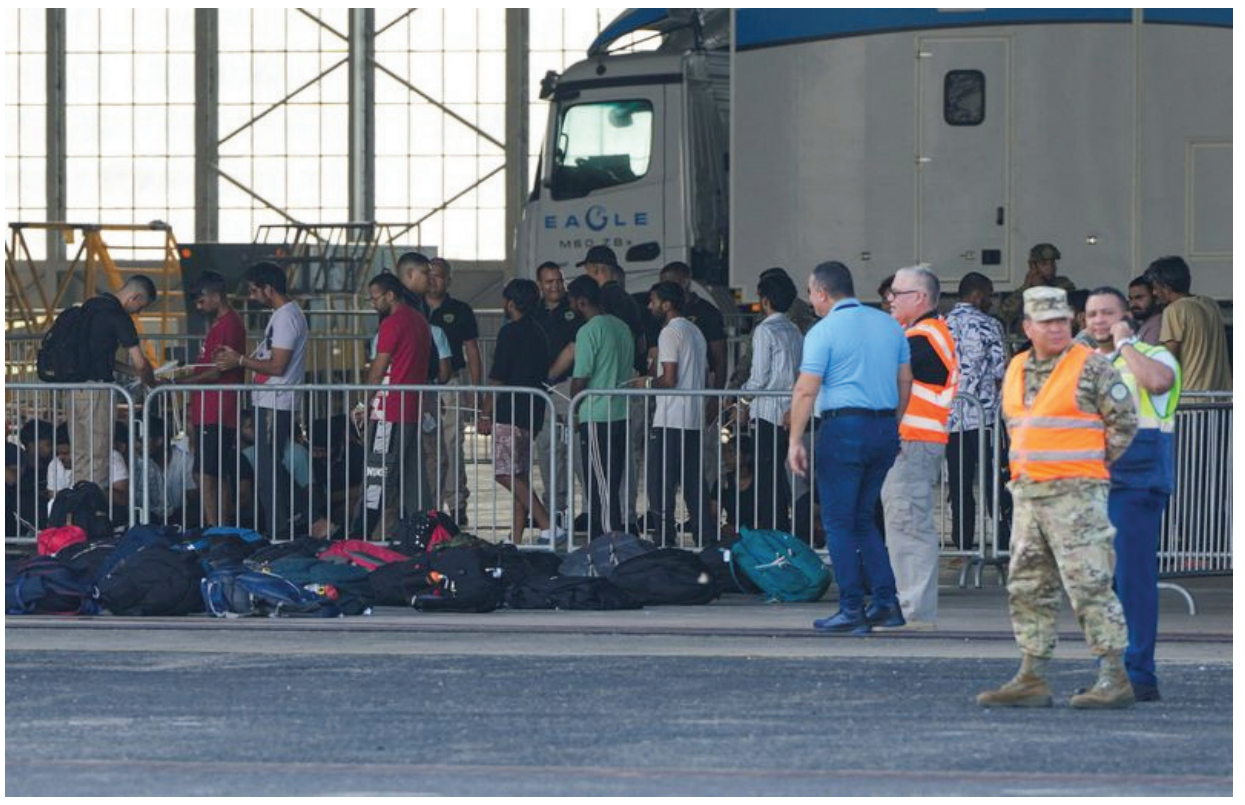

Both the United States and India face serious threats from illegal immigration. The United States respects India's responsibility to safeguard its borders from the threat of illegal immigration. We know our Indian partners understand that no country can be secure if its immigration laws are ignored. We trust that they will similarly respect how President Trump is making America safe, strong and prosperous by ensuring that US immigration laws are followed.

The Trump administration has made clear that persons who try to enter the United States illegally, commit fraud to get a visa, work without legal permission or stay in the United States after their visa or visa waiver period expires will face serious penalties. These could include jail time, deportation and a permanent ban on obtaining a US visa in the future.For those who have family or friends staying in the US illegally, now is the time to encourage your loved ones to come home. Trying to enter or remain illegally will no longer succeed. Some people believe they can enter the United States illegally and avoid being caught. This is not true.The Trump administration has strengthened border security and greatly increased the number of illegal aliens being arrested and deported.In February 2025, illegal border crossings dropped 94 per cent compared to February 2024, while arrests of illegal border crossers inside the United States increased by 627 per cent.Those who try to cross a US border or remain in the United States illegally will be caught, detained and sent back. They may also be banned from ever returning or face fines and criminal charges.

The US visa process is the most secure in the world. Yet, some people unwisely try to abuse the system by using fake documents, falsifying applications or staying after their visa expires, often with the help of facilitators who prey on migrants to make money. These are examples of visa fraud, which is a serious crime.Those who break the law in this way will be punished and may never be allowed to enter the United States again.For those considering making the dangerous journey to illegally cross into the United States, understand that your safety — and even your life — are at risk. Criminal groups, cartels and human traffickers target illegal migrants, subjecting them to violence, extortion and assault. Many who attempt the journey never make it to their destination.Others mortgage property or take out loans to pay enormous sums to traffickers, only to lose it all when they are deported back to their country of origin.

The United States is working with other countries in the western hemisphere to stop and return people trying to enter illegally before they even reach the US border.By securing our borders, we are not only protecting American citizens but also preventing the suffering caused by illegal immigration.The United States government is also taking action against those who help others enter the country illegally.

This includes smugglers, human traffickers and even foreign government officials who facilitate illegal immigration.Recently, Secretary of State Marco Rubio announced a new visa restriction policy for foreign officials — including immigration, customs and port authority staff — who facilitate illegal immigration.This builds on similar existing restrictions for those in the transportation and tourism industries. Those who threaten US security by facilitating illegal immigration are not welcome in our country.The risks of trying to illegally immigrate to the United States far outweigh any potential benefits. Intending immigrants could lose their life, become a victim of criminals or spend their life savings only to be deported back to their home country.

Illegal entry not only breaks US laws, it also puts migrants' safety and well-being in jeopardy. The penalties are serious: jail time, separation from family and loved ones and permanent bans from re-entering the United States.If you know someone who is in the United States illegally, the best thing you can do for them is encourage them to leave now before they are detained and deported.For everyone, the message is simple: Make the right choice, follow the law and do not risk your safety, your family, or your future.

Industrial output slows to 6-month low of 2.9%

NEW DELHI. Industrial output growth slowed to a six-month low of 2.9% in February, down from 5% in the previous year, amid growing concerns over the impact of the ongoing tariff war on economic growth. The decline was largely attributed to a high base effect, with the growth rate in February last year recorded at 5.6%. The slowdown was evident across two major categories, mining and manufacturing, with mining experiencing the most significant decline.Mining output growth declined to 1.6% in February compared to 4.4% in January and 8.1% in February last year.

Manufacturing output growth also halved to 2.9% in February from 5.8% in January. Electricity

generation, however, maintained the momentum with 3.6% growth compared to 2.4% in January.

According to Aditi Nayar, chief economist, ICRA, while the growth performance of mining is expected to deteriorate in March 2025 relative to February 2025, it is likely to be offset by an uptick in electricity generation, amid steady manufacturing growth.In use-based categories, consumer non-durables output shrank by 2.1% against a contraction of 0.3% witnessed in the previous month. This is the third month in a row when consumer non-durables output was in the negative territory. Intermediaries goods production growth showed sharpest dip to 1.5% in February versus 5.3% in January. Consumer durables rose by 3.8% in February.

Maharashtra land sold by General Motors to Hyundai attracts 18% GST

NEW DELHI. The transfer of Talegaon, Maharashtra, land by General Motors India to Hyundai Motor India Ltd (HMIL) is liable to 18% GST, the advance ruling authority of the state has said in a recent order.

The ruling comes in the context of transfer of GM's `787 crore worth of Talegaon facility assets (leasehold industrial plot, buildings, and plant and machinery) to HMIL after the former stopped manufacturing activities and business as a going-concern.The advance ruling authority rejected GM's contention that transfer of land and buildings amounts to sale, and is therefore outside the scope of GST. It argued that the industrial plot was leased by Maharashtra Industrial Development Corporation (MIDC) for 95 years, with conditional possession, no absolute title and its transfer to any assignee requires MIDC's prior written consent.

According to Sandeep Sehgal,partner-tax, AKM Global, a tax and consulting firm, "The recent ruling by the Maharashtra Authority for Advance Rulings (AAR) in the case of General Motors India and Hyundai Motor India Ltd is a significant precedent for the treatment of industrial asset transfers under GST." According to him, the AAR's classification of leasehold land assignment as a taxable service, attracting 18% GST, reaffirms the principle that leasehold rights—even for long durations—do not equate to a transfer of immovable property when title and ownership remain with a statutory body such as MIDC.

Pentagon cuts $5.1 billion contracts with Accenture, Deloitte: Wasteful spending

US Defense Secretary Pete Hegseth has ordered the termination of several information technology services contracts valued at $5.1 billion, including companies such as Accenture, Booz Allen Hamilton and Deloitte, according to a Pentagon memo.

The contracts "represent non-essential spending on third party consultants" for services Pentagon employees can perform, Hegseth said in the memo released late on Thursday."These terminations represent $5.1 billion in wasteful spending," Hegseth said, adding that their termination would

result in "nearly $4 billion in estimated savings."During morning trading in New York shares of Booz Allen Hamilton were down 2.4% to $106.30 and Accenture shares were down 2% to $279.52.Representatives for Accenture, Deloitte and Booz Allen Hamilton did not immediately respond to requests for comment.The contracts appeared to be wide-ranging cuts to consulting services for the Navy, the Air Force, the Defense Advanced Research Projects Agency (DARPA) and the Defense Health Agency.

In a video posted on X, Hegseth said the contracts were for "ancillary things like consulting and other non-essential services.

Wall Street bounces back after wild week fueled by tariff war

All three major US indexes ended the session sharply higher after assurances from Boston Federal Reserve President Susan Collins that the Fed is prepared to keep financial markets functioning should the need arise.

NEW DELHI. Wall Street posted solid gains on Friday as big banks kicked off first-quarter earnings season and investors closed the book on a turbulent week of wild swings driven by the chaos of US President Donald Trump's multi-front trade war.

All three major US indexes ended the session sharply higher after assurances from Boston Federal Reserve President Susan Collins that the Fed is prepared to keep financial markets functioning should the need arise.All three indexes posted gains from last Friday's close. Stocks were whipsawed throughout the week by a tariff reprieve on European goods and a tit-for-tat escalation in the trade war between the US and China. One sign of the volatility: the difference between the weekly high and weekly low for the S&P500 was the widest since late March 2020 when much of the world was locked down during the pandemic.The S&P 500 and the Dow notched their largest weekly percentage gains since November 2023, while the Nasdaq registered its biggest weekly percentage advance since November 2022.

"Investors are in the midst of this tug of war looking for some positive signs that the uncertainty that's really been plaguing the market will subside," said Greg Bassuk, Chief Executive Officer at AXS Investments in New York."Uncertainty and volatility is the new investor narrative," Bassuk added. "The table is set for more volatility

ahead and this week's roller coaster ride could be just foreshadowing for what's ahead."Beijing retaliated to Trump's recent hike of tariffs to an effective rate of 145%. The trade war has caused wild intraday market swings and driven consumers' near-term inflation expectations to their hottest level since 1981.First-quarter reporting period got off to a solid start.Analysts currently expect aggregate S&P 500 earnings growth of 8.0% for the first three months of the year, less optimistic than the 12.2% growth predicted at the beginning of the quarter, according to LSEG data.

Economic data offered further evidence that inflation continues to cool, with the Labor Department's Producer Prices index unexpectedly falling by 0.4% last month.In a separate report, however, consumer sentiment soured further. One-year inflation expectations shot up to 6.7%, the highest level since 1981.

In addition to Collins' reassurances, New York Federal Reserve President John Williams said the U.S. economy is not entering a period of high inflation and low growth, and the US Federal Reserve will act to keep so-called "stagflation" at bay.All 11 major sectors in the S&P 500 were last in positive territory, with materials and technology enjoying the largest percentage gains.

Indian Stock Markets Wrap Up Week On Strong Note As Tariff Fears Ease

New Delhi. The Indian stock markets wrapped up the week on a strong note, gaining nearly 2 per cent, as the US decision to defer tariffs for all countries except China eased recession concerns, boosting sentiment and lifting fears of a global slowdown, experts said on Saturday. As a result, the Nifty index opened with a strong gap-up and tested resistance near the 20-day exponential moving average (DEMA) around 22,900. It then moved in a narrow range before settling at 22,828.55.Sector-wise, metals, energy, and pharma led the gains, while broader indices also saw a solid rebound, rising between 1.82 per cent and 2.86 per cent. "The recovery, supported by a continued decline in the volatility index, is a positive sign, though such sharp moves remain challenging to trade. On the index front, a decisive close above 22,900 could pave the way for a retest of the key moving average zone near 23,400," said Ajit Mishra–SVP, Research, Religare Broking Ltd.The Sensex jumped 1,310.11 points, or 1.77 per cent, to close at 75,157.26 on Friday. During the day, the index touched an intra-day high of 75,467.33, while it slipped up to 74,762.84. The Indian rupee found renewed strength, snapping its three-day losing streak against the US Dollar. Bolstered by a weaker Dollar, easing crude oil prices, and the buoyant equity market, the rupee closed significantly stronger by 65 paise at 86.04 against the greenback."The breadth of the market was strongly positive, with advancing shares significantly outnumbering declining ones. The advance-decline ratio on the BSE stood at a strong 3.68, marking its highest level since 5 March, 2025," said Nandish Shah, Senior Derivative and Technical Research Analyst, HDFC Securities.

The positive development in global trade policy shows a surge in small and midcap indices by 2 per cent, reflecting optimism that global supply chains may stabilise and input cost pressures could ease."However, such shifting policies make volatility inevitable. As business leaders and investors, one must remain cautious towards sectors heavily dependent on exports for revenue. That said, I remain optimistic about India's growth journey, as domestically, this could translate into better cost structures and renewed capex confidence," said Abhishek Jaiswal, Fund Manager at Finavenue.

Looking forward, the 22600-22700 range is expected to provide a near-term support for the Nifty, while the 23000-23100 band is likely to act as the immediate resistance zone on the upside.The Bank Nifty index opened with a gap-up, maintained strong positive momentum throughout the session, and settled on a bullish note at 51,002. Technically, the Bank Nifty index decisively crossed the key resistance zone of 50,750–50,800 and formed a big bullish candle on both daily and weekly charts, reflecting underlying strength."The breakout level of 50,750 will now act as immediate support, and as long as the index sustains above this level, it has the potential to rally towards 51,500–52,000. Hence, traders are advised to adopt a 'buy on dips' strategy," said Hrishikesh Yedve, AVP Technical and Derivatives Research at Asit C. Mehta Investment Interrmediates Ltd.

India's Auto Component Industry To Hit USD 145 Billion By 2030, Exports To Triple: NITI Aayog

"New Delhi. India's top policy think tank body NITI Aayog has envisions the country's automotive component production growing to USD 145 billion by 2030, with exports tripling from USD 20 billion to USD 60 billion. NITI Aayog's vision for India's automotive sector by 2030 is ambitious yet achievable. The report envisions the country's automotive component production growing to USD 145 billion, with exports tripling from USD 20 billion to USD 60 billion," the think tank body added in a release.NITI Aayog has released an insightful report titled "Automotive Industry: Powering India's Participation in Global Value Chains". This report offers an extensive analysis of India's automotive sector, highlighting both opportunities and challenges, and outlining a pathway for positioning India as a key player in global automotive markets.NITI Aayog's report outlines several strategic fiscal and non-fiscal interventions aimed at enhancing India's global competitiveness in the automotive sector. The interventions are structured across four categories of automotive components based on their complexity and manufacturing maturity i.e. Emerging & Complex, Conventional & Complex, Conventional & Simple and Emerging & Simple.Under the fiscal interventions, it has suggested Opex (Operational Expenditure) support, skill development, R&D, IP transfer, and cluster development. While under the non-fiscal interventions, NITI Aayog suggests measures such as industry 4.0 adoption, international collaboration, simplifying regulatory processes, worker hour flexibility, and, supplier discovery.In 2023, global automobile production reached approximately 94 million units. The global automotive components market was valued at USD 2 trillion, with the export share reaching approximately USD 700 billion. India has emerged as the fourth-largest global producer after China, USA and Japan, with an annual production of nearly 6 million vehicles.The Indian automotive sector has gained a strong domestic and export market presence, particularly in the small car and utility vehicle segments. Supported by initiatives like 'Make in India' and its cost-competitive workforce, India is positioning itself as a hub for automotive manufacturing and.

Changes To UPI: QR Share & Pay Method Unavailable For International Payments

New Delhi. The National Payments Corporation of India (NPCI) in a recent update on April 8, 2025 announced a major change to UPI transactions. Starting April 4, 2025 all QR share and pay-based international UPI transactions for Person to Merchant (P2M) payments have been disabled. According to the new guidelines, QR Share & Pay will no longer be allowed for UPI Global P2M transactions. This will ensure that payer apps can properly identify these transactions.

Imagine you're shopping at an overseas store and the merchant shares their QR code for payment. You save the code in your phone gallery. But now, if you try to scan it the payment won't go through. Currently, according to the NPCI website, India's UPI-based Bharat QR payments are accepted in

about 7 countries, including France, Mauritius, Nepal, Singapore, Sri Lanka, and the UAE.According to a recent NPCI circular, domestic QR share and pay transactions will still be allowed but with a cap of Rs 2,000 for payments to non-verified offline merchants (P2M). This means if you're shopping at a merchant in India who isn't registered with NPCI, you won't be able to pay more than Rs 2,000 at once using the QR share & pay method.

Discontinuation of Collect Requests for Wallet Loading

NPCI has now stopped allowing collect requests for loading wallets or prepaid cards. In this method, the merchant would initiate the transaction, and the customer would approve it but it has been prone to fraud. Going forward, customers will need to initiate transactions themselves or generate a push request to load their wallets or gift cards.//

These changes by NPCI are designed to improve the security of UPI transactions especially for international payments while simplifying domestic payment processes. Although this might cause some inconvenience, it's expected to make digital payments safer overall.

US stocks climb but the US dollar sinks as Wall Street closes a chaotic and historic week

Stocks kicked higher as pressure eased a bit from within the U.S. bond market. It's typically the more boring corner of Wall Street.

NEW YORK. U.S. stocks are climbing Friday in another manic day on Wall Street, while the falling value of the U.S. dollar and other swings in financial markets suggest fear is still high about escalations in President Donald Trump's trade war with China.The S&P 500 was 1.5% higher in afternoon trading after veering between gains and losses, as it closes a chaotic and historic week full of monstrous swings. The Dow Jones Industrial Average went from an early loss of nearly 340 points to a gain of 810 before settling at a rise of 567 points, or 1.4%, with a little less than an hour remaining in trading. The Nasdaq composite rose 1.7%.Stocks kicked higher as pressure eased a bit from within the U.S. bond market. It's typically the more boring corner of Wall Street, but it's been flashing serious enough signals of stress this week that it's demanded Wall Street's and Trump's attention.The yield on the 10-year Treasury topped 4.58% in the morning, up from just 4.01% a week ago. That's a major move for a market that typically measures things in hundredths of percentage points. Such jumps can drive up rates for mortgages and other loans going to U.S. households and businesses, which would slow the economy.But Treasury yields eased back as the afternoon progressed, and the 10-year yield regressed to 4.48%. That's still higher than a day before, but not by as eye-wateringly much.

Susan Collins, president of the Federal Reserve Bank of Boston, told the Financial Times that the Fed "does have tools to address concerns about market functioning or liquidity should they arise" and "would absolutely be prepared" if markets become disorderly.

Several reasons could be behind this week's jump in U.S. Treasury yields. Investors outside the United States could be selling their U.S. bonds because of the trade war, and hedge funds could be selling whatever's available in order to raise cash to cover other losses. More worryingly, doubts may be rising about the United States' reputation as the world's safest place to keep cash.The value of the U.S. dollar also fell again Friday against everything from the euro to the Japanese yen to the Canadian dollar.That's even though gold, another place where investors have instinctually flocked when fear is high, rose to bolster its reputation as a safer haven.The shaky trading came after China announced Friday that it was boosting its tariffs on U.S. products to 125% in the latest tit-for-tat increase following Trump's escalations on imports from China.The repeated U.S. tariff increases "on China has become a numbers game, which has no practical economic significance, and will become a joke in the history of the world economy," a Finance Ministry spokesman said in a statement announcing the new tariffs. "However, if the US insists on continuing to substantially infringe on China's interests, China will resolutely counter and fight to the end."Rising tensions between the world's two largest economies could cause widespread damage and a possible global recession, even after Trump recently announced a 90-day pause on some of his tariffs for other countries, except for China.All the uncertainty caused by the trade war is eroding confidence among U.S. shoppers, which could affect their spending and translate into real damage for the economy, which came into this year running at a solid rate.A preliminary survey by the University of Michigan suggested sentiment among U.S. consumers is falling even more sharply than economists expected. "This decline was, like the last month's, pervasive and unanimous across age, income, education, geographic region, and political affiliation," according to the survey's director, Joanne Hsu.

Rain, dust storm batter Delhi; trees uprooted, flights hit, more showers likely

The abrupt weather change brought relief from the scorching heat but also caused extensive damage and chaos in several areas. The India Meteorological Department (IMD) has predicted light rain accompanied by thunderstorms and squally winds for today.

New Delhi. A sudden dust storm accompanied by squally winds and rain swept through Delhi-NCR on Friday evening, leading to widespread disruptions across the region. The abrupt weather change brought relief from the scorching heat but also caused extensive damage and chaos in several areas.

The India Meteorological Department (IMD) has predicted light rain accompanied by thunderstorms and squally winds for today.

At Palam, the temperature dipped by 10C, while Safdarjung recorded a drop of 7C, according to the weather department. Wind gusts reached 74 kmph at IGI Airport, 70 kmph at Pragati Maidan, and 69 kmph at Lodhi Road. Wind speeds across the city ranged from 37 kmph in Najafgarh to 56 kmph in Safdarjung.

TREES UPROOTED, 15 FLIGHTS DIVERTED

The capital saw numerous incidents of tree falls, with civic agencies receiving over 20 calls from locations including Feroz Shah Road, Ashoka Road, Mandi House, and Connaught Place. The New Delhi Municipal Council (NDMC) reported tree fall incidents in Connaught Place, Jor Bagh, Patel Marg, and Sardar Patel Marg. MCD received four similar calls from New Delhi, Kalkaji, and Shahdara between 6 pm and 8 pm. The PWD received 10 complaints, while the Delhi Fire Services responded to two tree-fall emergencies.

The storm caused partial power outages in North Delhi areas such as Narela, Bawana, Badli, and Mangolpuri due to tree branches and other objects damaging power lines. TPDDL and BSES teams were on high alert and worked to restore power. Most affected areas saw power return swiftly, with efforts ongoing in a few locations.

An electric pole was also reported to have fallen at ITO, adding to traffic woes in the city. The India Meteorological Department issued an orange alert, which indicates that residents should "be prepared" and "take action" as per its colour-coded advisory.

Delhi Airport reported over 15 flight diversions due to the inclement weather. Passengers were advised to check with airlines for real-time updates. IndiGo said flight operations at both Delhi and Jaipur were impacted due to the dust storm. Despite sunny weather earlier in the day, clouds took over the skies by evening. Delhi recorded a maximum temperature of 35.8C — down from Thursday's 39.6C — and a minimum of 22.8C. Humidity hovered between 69 and 61 per cent.

The IMD forecast thunderstorms with rain on Saturday as well, with a maximum temperature of around 35C and a minimum near 20C. The city's air quality improved slightly, shifting from the 'poor' to 'moderate' category with an AQI of 164, according to CPCB data at 4 pm.

Passenger beaten by Railway catering staff after complaint on overpriced food

New Delhi. A passenger travelling on the Geetanjali Express was allegedly assaulted by staff of the Indian Railway Catering and Tourism Corporation (IRCTC) between Badnera and Nagpur after he complained that water bottles and food were being sold above the maximum retail price. The incident took place onboard the Kolkata–Mumbai train and was captured on video, which has since gone viral on social media. Seven people have been booked by Kalyan Railway Police in connection with the incident.

The complaint was filed by Satyajit Barman, a resident of Ambernath in Maharashtra, who was travelling to Mumbai. Barman had questioned the pricing of food and water being sold onboard the train. He alleged that the items were being sold above MRP, and he raised the issue with the onboard staff.

Following the complaint, a verbal argument broke out between Barman and some catering employees. The argument soon escalated, and he was physically attacked. Barman later registered a complaint at Kalyan Railway Station.

Based on his complaint, the Kalyan Railway Police registered a case against seven individuals. The case has now been transferred to Badnera Railway Police Station, under whose jurisdiction the incident occurred.

The Indian Railways allow the sale of food and bottled water through its catering services. However, passengers have often raised concerns about vendors charging more than the listed price. This incident has once again raised questions over how such issues are handled by railway service providers and the conduct of their employees.

Supreme Court overturns order, says CBI probe shouldn't be directed as routine

New Delhi. The Supreme Court has set aside an order of the Punjab and Haryana High Court which transferred the probe in a case to the CBI, and said such directions should not be routinely passed. A bench of Justices Sudhanshu Dhulia and K Vinod Chandran said the high courts should direct for Central Bureau of Investigation (CBI) probe only in cases where the material prima facie warranted an investigation by the agency.

"The high courts should direct for CBI investigation only in cases where material prima facie discloses something calling for an investigation by CBI and it should not be done in a routine manner or on the basis of some vague allegations," it added.

The top court went on, "The 'ifs' and 'buts' without any definite conclusion are not sufficient to put an agency like CBI into motion." The apex court's verdict came on an appeal challenging the high court's May 2024 order. The bench said an FIR was lodged in Panchkula in October 2022 alleging the accused impersonated an inspector general (IG) of the Intelligence Bureau and threatened the complainant to transfer Rs 1.49 crore into his account.

The FIR alleged that the complainant, who had a pharmaceutical business, was coerced by the accused to work with his associates and faced extortion for money.

The complainant moved the high court seeking the transfer of probe from the state police to the CBI.

The high court allowed the plea following which the accused persons moved the apex court. In its April 2 verdict, the apex court said "vague and bald" allegations were made in the petition filed before the high court. The main ground, it said, the complainant alleged in the high court was the police officials were acquainted with the appellant and they could also be involved in the case. The bench said these claims of the complainant were not substantiated at all. It referred to a top court judgement to say CBI investigation should not be directed in a routine manner or only because allegations were against the local police.

Tamil Nadu bank fraud probe unveils Rs 30 crore scam, links to state officials

New Delhi. The Enforcement Directorate (ED) has launched a sweeping crackdown across Tamil Nadu in connection with a Rs 30 crore bank fraud, unearthing not just financial irregularities but also evidence pointing to a broader nexus of corruption within the state's municipal administration.

On April 7, ED officials conducted coordinated searches at 15 locations across Chennai, Trichy, and Coimbatore linked to M/s Truedom EPC India Pvt Ltd and its top executives. The action was taken under the Prevention of Money Laundering Act (PMLA), 2002, following a First Information Report (FIR) filed by the Central Bureau of Investigation (CBI).

The FIR accuses Truedom EPC India Pvt Ltd and others of fraudulently diverting loan funds sanctioned by Indian Overseas Bank. According to the ED, the company, which had no background or technical experience in the wind energy sector, was allegedly set up as a shell entity to siphon off public funds under the pretext of executing a 100.8 MW windmill project.

Investigators have revealed that shortly after the loan disbursal, the money was routed through a web of shell companies. A substantial portion of the funds was traced to M/s True Value Homes Pvt Ltd and M/s TVH Energy Resources Pvt Ltd, where it was allegedly used to clear previous liabilities, with no genuine intent to repay the original loan.

The searches yielded a trove of incriminating material, including forged project agreements, evidence of dummy firms, and layered financial transactions meant to obscure the diversion of funds. Among those under scrutiny are N Ravichandran and Arun Nehru, who are suspected to be key architects of the fraudulent scheme.

In a significant twist, the ED said it also stumbled upon evidence of deep-rooted corruption within the Tamil Nadu Municipal Administration and Water Supply (MAWS) Department. Officials claim to have found documentation that exposes a systemic network involving manipulated tenders, pre-decided commissions, and a collusion of bureaucrats, middlemen, and politically connected individuals.

Delhi Metro to extend last train timings for IPL matches

To manage the expected crowd at nearby stations after each match, the Metro will run 76 additional train trips on match days.

NEW DELHI. To facilitate spectators during the T-20 matches of the Indian Premier League (IPL) scheduled to be played on April 13, 16, 27, and 29, and May 11, 2025, at Arun Jaitley Stadium, Feroz Shah Kotla Ground, New Delhi, the Delhi Metro has made changes to its last train timings on all lines (including the Airport Express Line).

The stadium is adjacent to Delhi Gate/ITO Metro stations on the Violet Line, i.e., Kashmere Gate to Raja Nahar Singh corridor (Violet Line). To manage the expected crowd at nearby stations after each match, the Metro will run 76 additional train trips on match days, the Delhi Metro Rail Corporation (DMRC) said in a statement.

A brief schedule for the last Metro train timings (on IPL match days) from terminal stations has been updated on the website. The last train timings from Janakpuri West to Krishna Park Extension will remain unchanged. Train timings will be adjusted based on match requirements, the DMRC said.

Man caught filming woman bathing in Ayodhya; obscene videos found on phone

New Delhi. Uttar Pradesh Police detained a man who was allegedly caught while filming a woman bathing in a guest house in Ayodhya. The accused, identified as Saurabh, hails from UP's Bahraich district and works at the guest house where the incident took place.

According to the complaint, the incident occurred around 6:00 am on Friday. A woman pilgrim, who was staying at the guest house, noticed a shadow while she was bathing. On looking up, she saw the accused recording her with a mobile phone from above the tin shed roof of the bathroom. Alarmed and scared, the woman screamed and rushed out. Other guests staying at the guest house heard her cries and quickly gathered, managing to catch the accused and hand him over to the Ram Janmabhoomi police.

Police examined the accused's mobile phone and recovered ten videos of women bathing, along with several obscene photos and videos. The matter is under investigation and the police are currently interrogating the accused.

The guest house, identified as Raja Guest House, is located just 50 meters from Gate Number 3 of the Ram Temple. The woman, approximately 30-years-old, had arrived in Ayodhya from Varanasi along with four others to visit the Ram Temple. They had booked two rooms at the guest house on Thursday evening, paying Rs 500 per room.

Describing the incident, the woman said, "There was a tin shed over the bathroom. While I was bathing, I suddenly noticed a shadow above. Then I saw someone recording with a mobile phone. I got scared, screamed, and ran out after putting on my clothes. Other guests staying at the guest house also rushed out and caught the man. Police have taken him into custody and are investigating."

Minister Parvesh Verma orders vigilance probe into Delhi government schools

The decision followed his inspection of a government school in Palam, where the principal flagged severe water leakage and flood-like conditions inside the classrooms.

NEW DELHI. PWD Minister Parvesh Verma on Friday ordered a vigilance inquiry into the construction of government-run schools. The decision followed his inspection of a government school in Palam, where the principal flagged severe water leakage and flood-like conditions inside the classrooms. Residents in the area also raised concerns over persistent waterlogging.

Speaking to the media, Verma said, "The condition of the school is unacceptable. I have directed officials to launch a probe into not just this building, but all such schools built during the former government's tenure." The inquiry will examine tender processes, maintenance contracts, and other aspects related to construction quality and execution, he added. Verma also announced plans to inspect infrastructure projects along Najafgarh Surakpur Road.

In a separate development, the PWD is set to install height barriers on the Ring Road near Kashmere Gate to safeguard the historic Mangi Bridge. The 150-year-old structure, which links Red Fort and Salimgarh Fort, is protected by the ASI.

Army officer injured in gunfight with Pakistani infiltrators in J&K dies

The gunfight erupted after the Indian Army intercepted a group of terrorists attempting to infiltrate from across the border in the Keri Battal area.

New Delhi. An Indian Army Junior Commissioned Officer (JCO), who was injured in a gunfight with heavily armed militants near the Line of Control (LoC) in the Akhnoor sector of Jammu late Friday night, succumbed to his injuries, officials said on Saturday. The gunfight erupted after alert troops intercepted a group of terrorists attempting to infiltrate from across the border in the Keri Battal area.

According to security officials, the troops posted along the LoC detected suspicious movement and swiftly responded, leading to an exchange of fire. One army personnel sustained injuries during the gunfight and was immediately evacuated for treatment. However, he later succumbed to his injuries.

Officials confirmed that the infiltration bid was successfully thwarted. The area has been cordoned off, and additional reinforcements have been deployed to carry out a thorough search operation to ensure no terrorists are hiding in the vicinity.

In a separate incident, Pakistan violated the ceasefire agreement in the Poonch sector shortly after the Akhnoor encounter. At around 11:30 pm on April 11, Pakistani troops opened fire at the Hathi Post in the Poonch sector. The Indian Army retaliated in equal measure, and the exchange of fire continued until 12:30 am. No loss of life was reported in the Poonch ceasefire violation. Meanwhile, in another development, three terrorists were killed in Jammu and Kashmir's Kishtwar district on Friday as the Army's anti-militancy operation entered its second day. The operation, which began on April 9, is part of a wider effort to track terrorists in the hilly regions of the Jammu division.

Officials said that special forces operated in high-snow areas and difficult terrain to track the terrorists. A few others are still believed to be moving through the region under pressure from security forces.

There have been five encounters in the last 19 days in the mountainous belts of Kathua, Udhampur, and Kishtwar. Three terrorists were killed. Four police personnel lost their lives, while three others and a girl were injured.

On April 1, Pakistan resorted to another ceasefire violation following mine blasts at the LoC in Poonch. The Pakistani Army reportedly attempted to push infiltrators across the border while providing them with cover fire. The Indian Army responded swiftly, eliminating the threat.

Sources said that the firing was an attempt to push infiltrators into Indian territory under cover fire, adding that four to five Pakistani Army personnel were killed in India's retaliatory action.

NEWS BOX

Cuban woman sentenced to 7.5 years in human smuggling case that killed 16

UPDATED A Cuban woman who had come to the United States illegally was sentenced Friday to 7 1/2 years in prison for her part in a human smuggling operation that led to the deaths of 16 people.Yaquelin Dominguez-Nieves, 26, who had been living in Sebring, Florida, was sentenced in Miami federal court, according to court records. She pleaded guilty in January to conspiring to smuggle people into the USAccording to court documents, Dominguez-Nieves and her then-boyfriend, who was still living in Cuba, organized a human smuggling operation in November 2022. Dominguez-Nieves collected at least $11,500 from the migrants' family members in South Florida with the promise to bring the migrants from Cuba into the US.The boyfriend, who has not been arrested, loaded about 18 migrants onto a small fishing vessel with no life jackets and with a captain who did not appear to know how to operate the vessel, according to the two survivors.The vessel sank about 30 miles (50 kilometers) into its journey. The victims included children ranging from nine months to seven years old, as well as two 16-year-olds, officials said. Four of the migrants' bodies were recovered at sea, and their cause of death was ruled drowning.

Who is Shawn Monper, US man arrested for threatening to kill Trump, Elon Musk

world. A Pennsylvania man has been charged with threatening to kill President Donald Trump, Elon Musk, multiple US government officials, and Immigration and Customs Enforcement (ICE) agents on the internet, the US Justice Department said on Friday.

Shawn Monper made these threats on YouTube between January 15 and April 5, The investigation began on April 8 when the FBI's National Threat Operations Section (NTOS) received a report about a series of alarming comments posted by a YouTube user named "Mr Satan." Authorities later traced these comments back to Monper's residence.

As the investigators probed further, they found Monper had acquired a firearms licence soon after Trump became president. He had also stated his intention to create a personal arsenal. One of his YouTube comments in February 2025 read, "I have bought several guns and been stocking up on ammo since Trump got in office."In another post, he wrote, "Nah, we just need to start killing people — Trump, Elon, all the heads of agencies Trump appointed, and anyone who stands in the way American Revolution 2.0."

On March 4, during a livestream of Trump's speech to Congress, Monper allegedly posted, "I'm going to assassinate him myself."These threatening posts couldn't be ignored due to Monper's history of behaviour and firearms permit.Elon Musk, one of the individuals targeted in Monper's posts, is a former adviser to Trump during his attempts to reorganise the federal government.

UK Secures 1st Interpol Silver Notice Against Indian-Origin Fraudster

London.The UK's National Crime Agency on Friday announced its first "Interpol Silver Notice" to help trace and recover the criminal assets of a convicted Indian-origin fraudster, believed to have made GBP 8.5 million illegally.Anopkumar Maudhoo, who is said to have used several aliases, has been made subject to the international order which facilitates locating, identifying, and obtaining information about laundered assets such as properties, vehicles, financial accounts and businesses.

Maudhoo, from London, was convicted last month after orchestrating a large-scale conveyancing fraud which offered investment opportunities in supposedly repossessed properties or the re-development of plots of land.However, according to the National Crime Agency (NCA), the properties were not subject to repossession proceedings and the genuine owners were unaware of the fraudulent sales.

"This Silver Noice demonstrates our commitment to cross border cooperation to trace, seize and recover laundered assets, wherever they may be hidden, and

we will continue to provide law enforcement partners with the tools they need to tackle these shameful criminals," said UK Security Minister Dan Jarvis.

"Fraud is an appalling crime, and we are determined to prevent fraud wherever it takes place," he said.

Through Silver Notices and Diffusions, member countries can request information on assets linked to a person's criminal activities such as fraud, corruption, drug trafficking, environmental crime and other serious offences.In March, Maudhoo admitted a total of 76 offences including fraud, money laundering and possession of false identity documents, following an investigation by the NCA's Eastern Region Special Operations Unit (ERSOU).While domestic enquiries remain ongoing to identify assets which could be sold to compensate victims using Proceeds of Crime Act legislation, the Silver Notice allows Interpol member countries to share alerts and requests for information worldwide.

US measles cases surge past 700 as outbreaks expand across six states

US measles cases exceed 700, with Texas reporting 541 cases
Texas and New Mexico report measles-related deaths, mainly in unvaccinated individuals
Outbreaks in six states, including Indiana, Kansas, and Oklahoma

world. US measles cases topped 700 as of Friday, capping a week in which Indiana joined five others states with active outbreaks, Texas grew by another 60 cases and a third measles-related death was made public.

Health Secretary Robert F. Kennedy Jr. claimed in a televised Cabinet meeting Thursday that measles cases were plateauing nationally, but the virus continues to spread mostly in people who are unvaccinated and the US Centers for Disease Control and Prevention redeployed a team to West Texas.The US has more than double the number of measles cases it saw in all of 2024, and Texas is reporting the majority of them with 541.Texas' cases include two unvaccinated elementary school-aged children who died from measles-related illnesses near the epicenter of the outbreak in rural West Texas, which led Kennedy to visit the community Sunday. The third person who died was an adult in New Mexico who was not vaccinated.

Other states with active outbreaks — defined as three or more cases — include New Mexico, Indiana, Kansas, Ohio and Oklahoma.The multistate outbreak confirms health experts' fears that the virus will take hold in other U.S. communities with low vaccination rates and that the spread could stretch on for a year. The World Health Organization has said cases in Mexico are linked to the Texas outbreak.Measles is caused by a highly contagious virus that's airborne and spreads easily when an infected person breathes, sneezes or coughs. It is preventable through vaccines, and has been considered eliminated from the US since

2000.Here's what else you need to know about measles in the US.How many measles cases are there in Texas and New Mexico?Texas' outbreak began in late January. State health officials said Friday there were 36 new cases of measles since Tuesday, bringing the total to 541 across 22 counties — most of them in West Texas. A total of 56 Texans have been hospitalized throughout the outbreak.Of the confirmed cases, state health officials estimated Friday that about 5% are actively infectious.Sixty-five percent of Texas' cases are in Gaines County, population 22,892, where the virus started spreading in a close-knit, undervaccinated Mennonite community. The county has logged 355 cases since late January — just over 1% of the county's residents.

Last week's death in Texas was an 8-year-old child, according to Kennedy. Health officials in Texas said the child did not have underlying health conditions and died of "what the child's doctor described as measles pulmonary failure." A child died of measles in Texas in late February — Kennedy said age 6.

US pastor abducted at gunpoint during sermon in South Africa

world. A US pastor was abducted at gunpoint by armed, masked men while delivering a sermon at a church in South Africa's Eastern Cape province, police confirmed on Friday.The incident took place on Thursday evening at the Fellowship Baptist Church in Motherwell Township, where four gunmen stormed into the building mid-service. According to police, the attackers held the congregation at gunpoint, stole two cellphones from churchgoers, and forcibly took the pastor, escaping in his silver Toyota Fortuner.Authorities have launched an investigation into both the armed robbery and abduction. The stolen vehicle was found abandoned in Motherwell shortly after the incident.Local media identified the kidnapped pastor as 45-year-old Josh Sullivan, a missionary from Tennessee. While police have not officially confirmed his identity, online records and personal blogs support the report.

According to the Fellowship Baptist Church blog, Sullivan moved to South Africa with his wife, Meagan, and their two children in November 2018 to serve as a "church-planting missionary" in Motherwell.A picture of Sullivan preaching behind a pulpit was shared on X (formerly Twitter) by a user named Tom Hatley, who identified himself as Sullivan's childhood and training pastor.Posting on behalf of Sullivan's wife, Hatley expressed concern and called for prayers for the pastor's safe return.Back in Maryville, Tennessee, a woman named Tonya Rinker—who identifies Sullivan as her son on Facebook—shared her heartbreak over the incident and asked for prayers for her son, daughter-in-law, and grandchildren. She also mentioned that the US Embassy in South Africa is actively involved in the search.Police spokesperson Captain Andre Beetge confirmed that the South African Police Service's Anti-Gang Unit has taken over the case.He added that if a ransom is eventually demanded, the matter would be escalated to the Hawks, a specialized police unit that deals with organized crime, corruption, and serious offenses.In the meantime, messages of support and concern have poured in across social media and on Sullivan's blog.We are praying that you are delivered from these evil men," wrote one commenter, Richard Stockton. "Praying the Holy Spirit will work on their hearts so they may be saved — and release you!"

Meta worked 'hand in glove' with China on censorship, betrayed US: Whistleblower

world. A former Meta executive told US senators that the tech giant compromised national security to grow its business in China, and worked "hand in glove" with the Chinese government to censor dissent on its platforms.

Sarah Wynn-Williams, a former global public policy director at Facebook, testified at a Senate Judiciary subcommittee hearing on Wednesday that Meta executives prioritised profits over safety and US interests, CBS News reported."I saw Meta executives repeatedly undermine US national security and betray American values," Wynn-Williams said in her opening remarks.She alleged that Meta, formerly Facebook, gave the Chinese Communist Party access to user data, including that of Americans. When engineers flagged potential data security risks, company leadership—including CEO Mark Zuckerberg—reportedly showed little concern.Wynn-Williams also claimed that Facebook and Instagram, Meta's popular social networking platforms, aided Beijing in developing censorship tools.

"Mark Zuckerberg pledged himself a free speech champion. Yet I witnessed Meta working hand in glove

with the Chinese Communist Party to construct and test custom-built censorship tools that silenced and censored their critics," she said"One thing the Chinese Communist Party and Mark Zuckerberg share is that they want to silence their critics. I can say that from personal experience," she added.In March, Wynn-Williams released a memoir titled 'Careless People', chronicling what she witnessed during her seven years in the company. A US court temporarily blocked her from promoting the book, following Meta's legal challenge."[T]he false and defamatory book should never have been published," the company said at the time.Wednesday's hearing was led by Senator Josh Hawley, a Republican. Hawley accused Meta of attempting to block Wynn-Williams's testimony and likened the company's practices to those of authoritarian regimes."Why is it that Facebook is so desperate to prevent this witness from telling what she knows?" Hawley asked. "The evidence that we have in black and white is a company and leadership that is willing to do anything, anything—work with America's chief competitor, work with our chief adversary."Hawley, who chairs the Senate Judiciary Subcommittee on Crime and Counterterrorism, sent a letter on Thursday to Zuckerberg requesting his appearance before the panel, stating.

Trump's stern warning to Iran: All hell to pay if nuclear programme continues

UPDATED. US President Donald Trump issued a stern warning to Iran, saying there will be "all hell to pay" if Tehran does not abandon its nuclear programme, his press secretary told reporters ahead of the US-Iran talks scheduled for Saturday.Speaking to reporters, White House press secretary Karoline Leavitt emphasized that Trump's top priority is preventing Iran from ever acquiring a nuclear weapon. While the president supports a diplomatic resolution, Leavitt clarified that Trump is prepared to take stronger measures if diplomacy fails."President Trump has been clear: all options are on the table," Leavitt said "Iran has a choice—comply with the president's demands, or there will be all hell to pay. That's how strongly he feels about this."

60-DAY ULTIMATUM IN LETTER TO KHAMENEI

Trump has given Iran 60 days to agree to a new nuclear deal or face military action, Politico reported, citing multiple sources. The warning was reportedly delivered in a letter to Iran's Supreme Leader, Ayatollah Ali Khamenei.

The warning to Khamenei was clear: Tehran must be free to negotiate with Washington, even directly, or face consequences that could threaten the regime's stability.

HIGH-STAKES MEETING IN OMAN

US special envoy Steve Witkoff is set to meet with Iranian Foreign Minister Abbas Araghchi in Oman on Saturday. The meeting marks the first formal US-Iran nuclear negotiation in more than a decade. Oman's Foreign Minister Badr al-Busaidi will serve as mediator, according to Iranian state media.In February, Trump reinstated his "maximum pressure" campaign against Iran, including efforts to reduce Iranian oil exports to zero, aiming to halt Tehran's nuclear ambitions.

Earlier this week, Trump warned that if talks break down, "Iran is going to be in great danger."Meanwhile, Iran on Friday announced that it was approaching upcoming high-level nuclear talks with the United States "with a genuine chance" for progress, following Trump's warning that failure to reach an agreement could lead to military action.

The Iranian foreign ministry also stated that the US should appreciate the Islamic Republic's willingness to engage in discussions, despite what it described as Washington's "ongoing confrontational rhetoric."

Indian Consulate vandalised again in Melbourne, High Commission raises issue

- **Indian Consulate in Melbourne vandalised, issue raised with Australian authorities.**
- **Graffiti discovered at consulate's entrance, investigation ongoing.**
- **Indian High Commission ensures safety of consular premises.**

The Indian Consulate in Melbourne has been targeted in an act of vandalism, with the Indian High Commission in Canberra raising the issue with Australian authorities on Friday.The Consulate premises in Melbourne have previously been the site of similar provocations, with slogans defacing the premises in past years during periods of heightened international tension, The Australia Today reported.

Victoria Police said graffiti was discovered at the front entrance of the diplomatic premises around 1:00 am early Thursday."Officers believe the front entry of the building was graffitied overnight, sometime between Wednesday and Thursday. An investigation into the damage remains ongoing," a police spokesperson said.The High Commission in a post on X on Friday said it raised the issue with Australian authorities.

"The incident of defacing at the premises of the Consulate General of India in Melbourne by miscreants has been raised with Australian authorities. All necessary steps are being taken to ensure the safety and security of Indian diplomatic and consular premises and personnel in the country," the post said.Police have not confirmed whether any suspects have been identified in the Thursday incident.

Authorities have urged anyone with information to come forward, the police

spokesperson said.

The act has reignited concerns within the Indian-Australian community which has expressed frustration over a growing pattern of targeted incidents involving Hindu temples and Indian government establishments across Melbourne, the news portal said."It's not just graffiti - it's a message of intimidation aimed at our community," an Indian-Australian said, adding that repeated attacks on places of religious and cultural significance were deeply distressing.Victoria Premier Jacinta Allan's government passed anti-vilification laws this year to strengthen penalties for acts motivated by hate or religious bias.However, members of the Indian-Australian community continue to raise concerns over perceived slow responses and inconsistent enforcement, especially when compared to responses to similar incidents involving other communities."This is not about politics. It's about safety, respect, and equal protection under the law," Australia Today said, quoting a community member.

NEWS BOX

Out of form SRH still a very dangerous side: Punjab Kings' Nehal Wadhera

New Delhi SunRisers Hyderabad might be woefully out of form but that is no reason to take them lightly, said batter Punjab Kings' Nehal Wadhera on Friday, April 11. Punjab take on SRH at the Rajiv Gandhi International Stadium on Saturday. The PBKS side have started their campaign well in the Indian Premier League, winning 3 out of their 4 games.Speaking at the pre-match press conference, Wadhera said that SRH were a still a very dangerous side, and Punjab needed to be wary of them. Pat Cummins' SRH, who played the final last season are currently in freefall. SRH have lost four matches in a row which has forced them to abandon their all-aggressive display with the bat."It is very good for us that SRH are not doing very well. SRH is a very dangerous side. Though they lost a few games, it does not mean that they are of any less concern to us. They are definitely a strong team on paper as well. We are not taking this game any lightly. We are preparing equally hard as we did for the previous games. We are

hopeful we can beat them in their home ground," Nehal Wadhera said ahead of the match.Punjab Kings have looked an incredibly confident under the tutelage of Ricky Ponting. Ponting's confidence has rubbed off on Shreyas Iyer as well, who has done tremendously well in this season. Punjab's form comes in sharp contrast to that of SRH's who have failed to put up a fight in their last 4 games."All the guys look confident. We are in good touch and we are also confident for the upcoming match. Priyansh played one of the finest knocks in the IPL against CSK, and that too in in his fourth game of his first season. So, all the credit goes to him. Also, the way Shashank (Singh) batted was commendable. He built a strong partnership with Priyansh and (Marco) Jansen, which was really good," Wadhera said.Currently Punjab Kings are at the 5th place in the Indian Premier League points table with six points from four games. If Punjab win this match, they might jump to the top two spots in the table.

Gujarat Titans star Glenn Phillips ruled out of IPL 2025 with groin injury

New Delhi Gujarat Titans have been dealt yet another major injury blow, as New Zealand all-rounder Glenn Phillips has been ruled out of the ongoing Indian Premier League 2025 season with a groin injury.

This comes shortly after GT lost their star pacer Kagiso Rabada, who returned home due to personal reasons after featuring in just two matches. Phillips' exit has only added to the franchise's growing concerns. The 28-year-old sustained the injury while fielding as a substitute during GT's clash against Sunrisers Hyderabad. He pulled up with a niggle in an attempt to save a boundary, cutting his IPL 2025 journey short before even making his debut appearance for the side.GT released a statement confirming

Phillips' injuryand wishing him a speedy recovery.Gujarat Titans wish Glenn a speedy recovery," the statement read.Phillips had made headlines with his electric fielding during New Zealand's Champions Trophy campaign. His powerful batting displays had also built anticipation around his performance in this year's IPL. However, despite the promise, he was yet to be named in GT's playing XI and now finds his season ending on a disappointing note—as a sidelined substitute fielder.While the Titans have seen strong performances from their top-order batters—Sai Sudharsan, skipper Shubman Gill, and the experienced Jos Buttler—Phillips' absence, even as a bench option, will be a significant blow to their campaign.Stay updated on IPL 2025 with India Today! Get match schedules, team squads, live score, and the latest IPL points table for CSK, MI, RCB, KKR, SRH, LSG, DC, GT, PBKS, and RR. Plus, keep track of the top contenders for the IPL Orange Cap and Purple Cap.

Wake up CSK! T20 cricket is evolving and it's leaving you behind

- CSK has scored 3 sixes in total during powerplays in the last 6 matches
- Chennai messed up their auction by not making smart buys
- Uthappa wants to see CSK put in some new blood in the next few games

"**New Delhi .**We have got firepower all the way through. I don't understand this question. Just because we don't swing from ball No. 1 and have some luck go our way, just see at the end, who wins it. It is a positive brand of cricket. Don't discount us."When Stephen Fleming snapped at a reporter and made this statement, fans were hoping for a comeback using the squad that they have. CSK have made a legacy in the IPL on the back of their incredible performances and banking on experienced stars. People would jokingly call them the 'dad's army' as they were led brilliantly by Captain MS Dhoni and had some of the most experienced players in their ranks. The trend started in 2018 when they decided to go for players like Shane Watson, Harbhajan Singh and Ambati Rayudu, who were players many felt were past their prime.Their experience came up trumps for CSK in the following years as they added titles in 2018, 2021, and 2023. But during this time period, T20 cricket in general has seen a massive change. Gone are the days of looking to consolidate and play the anchor role in the shortest format of the game. The powerplay overs are meant to be maximised, the middle ones put more pressure on the bowlers, and the death overs see the finishers take control.This was an approach that KKR and SRH used perfectly last season, and they left everyone else behind and went to the final. This season, CSK's woes lie with the fact that they are stuck in an outdated template, and they need some fresh blood in the lineup.

The numbers paint a sorry picture for CSKIn the 6 games they have played so far in the IPL, CSK have hit a total of just 3 sixes. In their last three games, Chennai haven't hit a single six in the powerplay overs. In the modern era, this is just a crime in T20 cricket.During the game against KKR, they hit just one six in their entire innings, while Sunil Narine himself was able to get 5 to his name. The KKR batters hit a total of seven sixes in their powerplay and cruised to the win in the 11th over.Another thing is that CSK's team strike rate in the powerplay overs this season is 116.82. In a league that spoils fans and make them want 200-plus scores each game, this approach simply won't cut.

Where did CSK get it wrong?

Well, simply the auction. CSK, who are known for making smart buys at the auction, splashed money on R. Ashwin during the auction, despite him retiring from international cricket. The Indian players like Rahul Tripathi and Deepak have struggled with form for a few seasons now in the IPL.

aIf you wanted to go for experience, then CSK should have pushed more for the likes of KL Rahul, who has become a completely different T20 player during the course of this season. An experienced campaigner like Faf du Plessis, someone who has enjoyed success with CSK in the past, could have been a better option. Even Rahane, someone who revived his career in Chennai, should have chased in the auction.

LSG vs GT, IPL 2025 preview: Predicted 11s, team news, pitch and weather conditions

"**New Delhi .** Rashid Khan has been underwhelming with only three wickets, but the trio of Mohammed Siraj, Sai Kishore and Prasidh Krishna has taken 28 wickets to put pressure on quality opposition batting lineups.

The Super Giants, on the other hand, have had their fair share of challenges as they are placed fifth in the table. Their skipper, Rishabh Pant, has looked lacklustre, having scored only 19 runs at an average of 4.75. In the batting department, Mitchell Marsh and Nicholas Pooran have done the heavy lifting.Shardul Thakur and Digvesh Rathi have led the charge in the bowling department. Ravi Bishnoi looked a tad off-colour as he has taken only three wickets at an economy rate of 11.84.

LSG vs GT: Head-to-Head

The Titans are ahead on the head-to-head count with a 4-1 lead over the Super Giants. In Lucknow, both teams have won one match apiece. In their previous meeting,

LSG beat GT by 33 runs in Lucknow.

LSG vs GT: Team NewsThe Super Giants are likely to go unchanged. Akash Deep has returned from a back injury, but there's no update on when Mayank Yadav will return. LSG head coach Justin Langer said that the speedster is almost ready for his IPL return.

The Titans may not tinker much with their winning combination. But they can think about using Washington Sundar, who didn't play in their previous game.

- IPL 2025, LSG vs GT: Gujarat Titans have won four matches on the trot and will be looking to build on their momentum when they face Rishabh Pant's Lucknow Super Giants in the first of Saturday's doubleheader.

LSG vs GT: Predicted Playing XIs

LSG Predicted XI

Mitchell Marsh, Aiden Markram, Nicholas Pooran, Rishabh Pant (c & wk), Ayush Badoni, David Miller, Abdul Samad, Shardul Thakur, Akash Deep, Avesh Khan, Digvesh Singh Rathi

Impact Sub: Ravi Bishnoi

GT Predicted XI

Sai Sudharsan, Shubman Gill (c), Jos Buttler (wk), Sherfane Rutherford, Shahrukh Khan, Rahul Tewatia, Arshad Khan, Rashid Khan, Ravisrinivasan Sai Kishore, Mohammed Siraj, Prasidh Krishna

Sunil Narine prides himself on accuracy, his batting is an X factor: Quinton de Kock

Quinton de Kock praised Varun Chakravarthy and Sunil Narine for the value they bring to the table. On Friday, Chakravarthy and Narine played a big part in Kolkata Knight Riders' (KKR) eight-wicket win over the Chennai Super Kings (CSK) at the MA Chidambaram Stadium in Chennai.Narine was the pick of the bowlers for KKR with figures of 4-0-13-3, while Chakravarthy rattled the opposition with figures of 4-0-22-2. De Kock, who scored 23 runs off 16 balls, said that it's hard to take the attack to Chakravarthy and Sunil since they are mostly accurate."The biggest value they bring is the variety in their bowling. Both are mystery spinners, so they're constantly mixing it up. It's really hard for batters to line them up because you never quite know what's coming. Beyond that, they pride themselves on accuracy and are always working on their game," de Kock said in the post-match press conference.De Kock also lauded Narine for his aggressive batting. After CSK asked KKR to chase down 104, Narine took the Knights off to a flying start, scoring 44 runs off 18 balls, laced with two fours and five sixes."As for Narine's batting, he brings the X factor. Every bowler knows he's going to go hard from ball one. He works really hard

at it, doesn't miss practice—even optional ones. When it comes off, it sets the tone and gets us off to a flyer," De Kock added.Narine has been stupendous for KKR after he scored 125 runs at an average of 25 and picked up five wickets at an economy rate of 7.77 in IPL 2025.Currently, placed third in the table, the Knight Riders will next be up against Shreyas Iyer's Punjab Kings (PBKS) on April 15 at the Maharaja Yadavindra Singh International Cricket Stadium in Mullanpur.

Boxing getting muddier as Court fires warning to BFI

- Not conducting elections as directed by court will amount to 'contempt', according to High Court of Himachal Pradesh; HC orders federation to conduct the delayed polls within stipulated period

CHENNAI. Things are getting more and more complicated for the Boxing Federation of India (BFI) and its election. Days after the World Boxing (WB) formed an interim committee with BFI president in it, the Himachal Pradesh High Court has said that not conducting elections as directed by the court amounts to 'contempt'. The HP HC also said that the BFI election that was stalled on direction of its president's letter to the Returning Officer, RK Gauba, should be conducted at the earliest.HP HC's single judge, Sandeep Sharma, came down heavily on the BFI as well. "Though it is clear cut contempt of order passed by this Court, but by way of indulgence and on the vehement request of learned Deputy Solicitor General of India, this Court adjourns the matter to 28.04.2025, enabling all respondents to file reply, but this Court hopes and trusts that on or before next date of hearing, respondent No. 4 ensures that election of federation is conducted as per schedule fixed," the order dated April 11 said, adding, "if dates given in the same have expired, observer in consultation with the Returning Officer may fix fresh schedule and ensure that elections are held at the earliest."The order also said, "Needless to say, till the time orders passed by competent Court law is not set aside, varied or modified by superior court of law, there is no authority, if any, with the respondents to tinker with same."

It needs to be seen what the BFI does next. The tenure of the last elected executive council expired on February 2/3 and the sports ministry, under extreme circumstances, usually gives three months leeway to conduct elections. It needs to be seen when the ministry de-recognises the national boxing federation.The order also said: "Taking note of aforesaid communication (of BFI president), Returning Officer, ignoring the mandate given by this Court vide order dated 20.03.2025, paused the entire election process till Boxing Federation of India informs him with regard to action taken in the wake of the Court orders."The BFI president had written to the RO saying: BFI president wrote: "(s)ince these orders have the potential to disrupt the ongoing electoral process/schedule, we are taking steps to approach the superior courts for urgent intervention.

CSK not ready to surrender yet: Defiant Mike Hussey hopeful of playoffs spot

- CSK lost their 5th straight match in the IPL 2025
- Mike Hussey backs his team to reach playoffs
- MS Dhoni returned as the CSK captain vs KKR

New Delhi Chennai Super Kings batting coach Mike Hussey said that his team is not ready to surrender just yet in the ongoing season of the Indian Premier League. CSK suffered a heavy defeat at Chepauk against Ajinkya Rahane's Kolkata Knight Riders on April 11, Friday. CSK were hammered by 8 wickets, with KKR chasing down their paltry 104-run target with 59 balls remaining.

Speaking at the post-match press onference, Hussey said that the team were not ready to wave the white flag just yet and backed the team to reach the playoffs in IPL 2025. Hussey said that the IPL was a long tournament, and a change in momentum could turn around CSK's fortunes in the tournament."We are certainly not putting the white flag up just yet. You only have to get in to scrape into that fourth place. And a big, long tournament like the IPL, it is about momentum," Hussey said after the team's heavy defeat vs KKR."Now, certainly the momentum is not with us at the moment whatsoever. We haven't been playing good cricket consistently. We definitely acknowledge that, put our hands up and say that that is fact at the moment. But that's not to say things can't turn around and can't turn around quickly. So, that's what we're still hanging on to, and that's what we're working hard towards. And if we can change that momentum and get some confidence going and get a few wins on the board, the

confidence will grow and you never know," he Chennai are one of the most successful teams in the history of the tournament. However, their fortunes were not exactly good in the last season as well. Under the captaincy of Ruturaj Gaikwad, CSK remained in the hunt for the playoffs last season but missed out on the top 4 position after failing to win against Royal Challengers Bengaluru in their final group match of the season.Hussey said that this season they have to believe first and then stick together as a group to make things happen. CSK are currently in the 9th position in the league table, just above Sunrisers Hyderabad.

"We might be able to scrape into one of those last positions in the table come playoffs time. And it's a long way ahead, and we certainly need to change things around. But we still believe that we can do that," Hussey said.

"This is where it's a time that we've got to really stick tight together, keep working really hard, keep working on the things that we think are really important," he added.

CSK vs KKR: Match Report | Full Scorecard

"I mean, there's a lot of talk about the style of our play and things like that, but the players we've got, we don't want to ask them to play in a completely different way from what's natural to them. They've got here to the IPL for playing really well in their way, and I'm certainly not one to try and get them to play in a different way," concluded the former Australian cricketer.

Fawad Khan

Vaani Kapoor

Pledge To 'Bring Love Back' In Abir Gulaal Song Khudaya Ishq

Fawad Khan returns to Bollywood with "Abir Gulaal," co-starring Vaani Kapoor. The song teaser "Khudaya Ishq" is now out.

Fawad Khan will soon be making his Bollywood comeback with the movie, Abir Gulaal, which will also star Vaani Kapoor in the lead. While fans are eagerly waiting for the romantic drama, makers have now shared a teaser of their film's song Khudaya Ishq.In the teaser, Vaani Kapoor and Fawad Khan look lost in each other as they walk towards one another. It also reads the text, "Bringing Love Back".

Sharing the teaser on her Instagram handle, Vaani Kapoor wrote, "et ready for the love anthem of the year! 'Khudaya Ishq' is almost here! Bringing love back with Abir Gulaal." Check it out here:

Abir Gulaal is directed by Aarti S and marks Fawad's comeback to Bollywood after his 2016 movie, Ae Dil Hai Mushkil. While the film is scheduled to hit theatres on May 9, it has also been facing backlash. Raj Thackeray's Maharashtra Navnirman Sena (MNS) has opposed the film's release in Maharashtra because of Pakistani actor Fawad Khan's casting.

"We only learned about this film's release today when the makers announced it. But we are making it clear that we will not allow this film to be released in Maharashtra because it features a Pakistani actor. Under no circumstances will we permit such films to be released in the state. We are gathering more information about the film and will soon issue a full statement," MNS spokesperson Ameya Khopkar told Dainik Bhaskar previously.

Shiv Sena leader Sanjay Nirupam also reacted to the controversy and urged the central government to form a policy with regarding to working of Pakistani actors in India.

'Feel So Blessed': Swara Bhaskar Expresses Gratitude For All The Love And Wishes On Her Birthday

Swara Bhaskar, known for her bold and unconventional roles in cinema, turned 37 on April 9 and marked the occasion withcosyozy celebration at home. While fans and friends poured in their love and wishes online, the actress chose to spend the day in the company of her closest ones. Sharing glimpses from her intimate birthday bash, Swara posted a series of heartwarming pictures on social media. The celebration appeared to be a family affair, and it looked like she shared the special day with a younger member of the family as they cut the cake together.Adding a touch of humour to the event, her birthday cakes carried quirky messages—one read "Too old for ragers," while another joked, "Too young to die." A burst of confetti lit up the room as she blew out her candles, making for a fun and festive moment.

Along with the photos, Swara expressed her heartfelt gratitude, writing, "Thank you, everyone, for the birthday wishes and all the birthday loving! Feel so blessed to be surrounded by the warmth and affection of friends and family!!"

Fans took the opportunity to wish her as well. One of them wrote, "Happy Birthday congratulations best wishes stay always happy."Speaking to BollywoodHungama about how she likes to celebrate her birthday, Swara stated, "With cake and flowers and hugs from my favourite people – Raabu, parents and Fahad." Moreover, when asked if her daughter was aware that it was her birthday, she denied it but added that the little one loved to rip open gift wraps. Moreover, she stated, "Fahad is teaching her to say 'happy birthday'. She's said 'Happa' so far! Who knows she might get it right before the day ends."

Some time back, Swara celebrated Eid with her family as well. Swara resorted to Instagram to post some lovely images of herself and her family on the festival day.

Wait, Esha Deol Speaks Tamil? Her Sweet Exchange With Hema Malini Has Fans Surprised

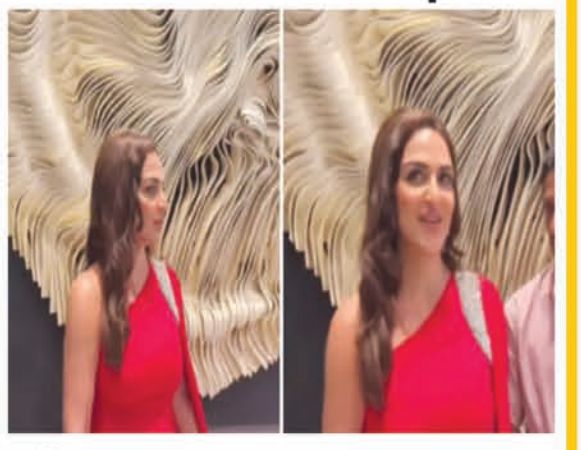

One of the most adorable mother-daughter duos, Esha Deol and Hema Malini, stepped out in Mumbai last night and we can't keep calm. Showcasing their charm, the pair was twinning in red as they arrived for an event, leaving onlookers delighted with their timeless glamour and captivating presence. A clip now going viral among fans also captured an endearing moment as Esha communicated with her mother and the veteran star in Tamil. ICYDK, Hema Malini was born into a Tamil Iyengar Brahmin family in Tamil Nadu.The heartwarming clip opens with Esha Deol calling her mother to pose with a fan before entering the venue. Flaunting their bright smiles, the duo captured hearts with their oh-so-glamorous appearances as Esha wore a one-shoulder bodycon maxi dress, whereas Hema Malini embraced traditional charm in a stunning saree which she paired with a contrasting black blouse. Before exiting, Esha sweetly thanked the paparazzi, bidding them adieu to showcase her deep respect for them.

Esha Deol made her Bollywood debut in the year 2002 with the romantic film Koi Mere Dil Se Poochhe. Co-starring Aftab Shivadasani, the film did not perform well at the box office. After delivering back-to-back flops in the initial stage of her career, Esha decided to shed her girl-next-door image for the 2004 film Dhoom, which finally brought her immense fame and love. Later, she won hearts with her performances in films like Chura Liya Hai Tumne, No Entry, Na Tum Jaano Na Hum, Dus and Kuchh To Hai. She soon faded away from the industry, quitting films for years.

A few years back, she returned to work with Ajay Devgn's web show, Rudra: The Edge Of Darkness. Last month, she also made her much-awaited comeback to the big screens with Tumko Meri Kasam, directed by Vikram Bhatt.

Talking about the film with Social NewsXYZ, "This story is different. It is a kind of film I have never seen before. It's based on a true story, and my character is a defence lawyer. All the characters are relatable, whether it's Anupam Ji's role, mine, Ishwak's, or Adah's, all the characters are very relatable. It is an intense human drama that will keep you glued to your seats."Tumko Meri Kasam was released in theatres on March 21.

Sushmita Sen's 'Ex-Bhabhi'

Charu Asopa

Leaves Mumbai Due To Financial Crunch: 'I Dropped A Text To Rajeev'

Actor Charu Asopa has left Mumbai and relocated to her hometown Bikaner, Rajasthan, with her daughter Ziana. A recent video of Charu selling salwar kameez and sarees online surfaced on social media, prompting mixed reactions. While many extended support, others questioned her financial condition, commenting, "Sushmita Sen ki ex-bhabhi online suit bech kar kar rahi hai guzara."Charu has now confirmed to Hindustan Times that she's indeed selling clothes online. "I have shifted to my hometown Bikaner, Rajasthan. I have left Mumbai for now, and I am currently living with my parents. It's been more than a month since Ziana and I moved here," she said.Opening up about the move, Charu shared, "Living in Mumbai is not easy; it costs money. For me, the monthly living cost came up to Rs 1 lakh -1.5 lakh, including the rent and everything, which was not easy. Furthermore, I would rather not leave Ziana alone with a nanny when I am shooting in Naigaon (Mumbai). It used to get extremely difficult. Moving back home and starting my own thing was completely planned; it wasn't a rushed decision."Responding to trolls and speculation about her finances, Charu added, "When you start something new, everyone struggles. What's different in my case? I am doing everything on my own, from taking orders to sending packages to getting stock. When I came to Mumbai for acting that wasn't easy too. I struggled to build a name for myself and I managed. Now, I have started this business, so that I can focus on my child, and I don't think that's wrong."Charu shares daughter Ziana with ex-husband and actor Rajeev Sen. The former couple made headlines for their turbulent relationship and eventual divorce. Asked how Rajeev reacted to her move, she said, "He can always come visit his daughter in Bikaner. Before leaving Mumbai, I dropped a text informing.